राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 27 नवंबर 2024 वर्ष-7,अंक-301 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रैपर बादशाह के नाइट क्लब के पास धमाका, कोई हताहत नहीं

-चंडीगढ़ में दो नाइट क्लबों के पास हुए हैं धमाके, पुलिस आरोपियों की कर रही तलाश

चंडीगढ़। केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ के सेक्टर-26 स्थित दो नाइट क्लबों के पास मंगलवार को सुबह करीब चार बजे दो धमाके हुए। इस घटना के बाद से लोग में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और जांच कर रही है। जिन नाइट क्लबों के पास यह धमाके हुए उनमें से एक रैपर बादशाह का बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक अब तक की जांच में सामने आया है कि दो अज्ञात बाइक सवारों ने सुबह तड़के चंडीगढ़ के दो नाइट क्लबों के पास विस्फोटक फेंका है। चंडीगढ़ पुलिस की फोरेंसिक टीमें इस मामले की जांच कर रही है। इस घटना के बारे में अधिक जानकारी की प्रतीक्षा की जा रही है। जानकारी के मुताबिक इस पूरी घटना में किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना अब तक सामने नहीं आई है। हालांकि विस्फोट से खिड़कियों के शीशे टूट गए। बताया जा रहा है कि बाइक सवार अज्ञात बदमाशों ने कम तीव्रता वाला बम फेंका था। चंडीगढ़ पुलिस सूत्रों के मुताबिक यह रंगदारी का मामला है। पटाखों के साथ पोटास का इस्तेमाल किया गया है। कुछ जूट की रस्सियां भी मिलीं हैं और उनमें से कुछ तेज आवाज वाली निकली। सेविले बार बॉलीवुड सिंगर बादशाह का है लेकिन डी. ओर्रा क्लब बादशाह का नहीं है। जिस वक्त धमाका किया गया उस वक्त दोनों नाइट क्लब बंद थे ऐसे में माना जा रहा है कि सिर्फ दहशत फैलाने के मकसद से धमाके किए गए हैं। शुरुआती जांच में इन धमाकों के पीछे नाइट क्लबों के मालिकों में दहशत फैलाकर एक्सटॉर्शन का एंगल होने की आशंका है। पुलिस जांच में जुटी है और आरोपियों की तलाश के लिए सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं।

राज्य का दर्जा और अन्य अधिकार बहाल करने की मांग को लेकर कश्मीर में कांग्रेस नेताओं ने किया प्रदर्शन

जम्मू । जैसे ही संसद सत्र शुरू हुआ, कश्मीर के कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के वादे के अनुसार राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग की। बड़ी संख्या में कांग्रेस समर्थक, पार्टी कार्यकर्ता राज्य का दर्जा और अन्य अधिकार बहाल करें के प्लेकार्ड लेकर कांग्रेस पार्टी मुख्यालय में एकत्र होकर राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग की। इस मौके पर कांग्रेस नेता ने कहा कि जैसे ही संसद सत्र शुरू हो चुका है, हम पीएम मोदी और अन्य लोगों को याद दिलाना चाहते हैं, जिन्होंने संसद के अंदर और बाहर वादा किया था कि राज्य का दर्जा बहाल होगा। हम पीएम मोदी को याद दिलाना चाहते हैं कि उन्होंने 19 सितंबर को श्रीनगर में भी वादा किया था कि राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज इस जगह से जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस संसद में उन लोगों को संदेश देना चाहती है जिन्होंने अपने कान बंद कर रखे हैं और उनका यह रवैया ज्यादा समय तक नहीं रहेगा।

ईवीएम के खिलाफ आंदोलन की तैयारी में शरद पवार की एनसीपी

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस, एनसीपी और उद्धव सेना के गठजोड़ को करारी हार मिली है। अब तक महाविकास अघाड़ी के नेता इस हार को स्वीकार नहीं कर पाए हैं। संजय राउत का कहना है कि बैलेट पेपर से चुनाव कराने चाहिए। इस बीच शरद पवार की एनसीपी के सीनियर नेता जितेंद्र अव्हाड ने भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि हम अपनी हार के लिए कोई एक कारण नहीं मान सकते। उन्होंने कहा, कोई एक कारण सामने नहीं आ रहा है। चुनाव के बाद कुछ बदला नहीं था। बेरोजगारी और महंगाई में इजाफा हुआ है। अव्हाड ने कहा, एक परिवार में 32 वोट हैं। उन सभी लोगों ने अपने घर के कैंडिडेट को वोट दिया है। फिर भी उसे जीरो वोट दिखाया है। ऐसा कैसे हो सकता है? इससे पहले संजय राउत ने मांग उठाई थी कि दोबारा चुनाव होने चाहिए और वोटिंग बैलेट पेपर से कराई जाए। राउत ने कहा, 'ईवीएम को लेकर हमें करीब 450 शिकायतें मिलीं। बार-बार आपत्ति जताए जाने के बावजूद इन मामलों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। हम कैसे कह सकते हैं कि ये चुनाव निष्पक्ष तरीके से हुए? इसलिए मेरी मांग है कि नतीजों को रद्द किया जाए और दोबारा चुनाव मत पत्रों के जरिए कराए जाएं।

बांग्लादेश: इस्कॉन मंदिर के पुजारी चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी को वीएचपी ने बताया अलोकतांत्रिक

नई दिल्ली। हिंदू नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की बांग्लादेश में गिरफ्तारी को लेकर विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने मंगलवार को कड़ी आपत्ति जताई है। विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय महामंत्री बजरंग लाल बागड़ा ने बांग्लादेश प्रशासन द्वारा इस्कॉन मंदिर के मुख्य पुजारी की गिरफ्तारी को कायरतापूर्ण और अलोकतांत्रिक घटना बताया है। उन्होंने कहा, 'विश्व हिंदू परिषद बांग्लादेश प्रशासन की इस कायरतापूर्ण और अलोकतांत्रिक घटना का पुरजोर विरोध करती है। इस्कॉन ने या अन्य हिंदू समाज के संगठनों ने अभी तक अपने उत्पीड़न के विरोध में जितने प्रदर्शन किए हैं, वो लोकतांत्रिक तरीके से किए हैं। किसी भी प्रकार की हिंसा का उन्होंने प्रतिहिंसा के रूप में अभी तक कोई उत्तर नहीं दिया है। इस प्रकार के पूर्ण शांतिप्रिय और लोकतांत्रिक रूप से अपनी बात रखने वाले समाज के किसी नेतृत्व को इस प्रकार से गिरफ्तार करना, उनकी आवाज को दबाने की कोशिश करना अलोकतांत्रिक और अमानवीय घटना है।

संविधान के 75 साल पूरे होने पर 75 रुपए का सिक्का व डाक टिकट जारी

संविधान हमारे देश का सबसे पवित्र ग्रंथ: मुर्मू

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज यानी 26 नवंबर मंगलवार को संविधान को अपनाने के 75 साल पूरे हो गए हैं। इस अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम संविधान सदन (पुरानी संसद भवन) के सेंट्रल हॉल में आयोजित किया गया। यहां राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने संविधान दिवस की 75वीं वर्षगांठ पर 75 रुपए का सिक्का जारी किया। इस दौरान एक डाक टिकट भी जारी किया गया। यह डाक टिकट संविधान की उन मूल भावनाओं का प्रतीक है जो भारत को एकजुट करती है और हमें आगे बढ़ने का मार्ग दिखाती है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने मंगलवार 26 नवंबर को 'संविधान दिवस' के अवसर पर संसद के दोनों सदनों के सदस्यों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि संविधान हमारे देश का सबसे पवित्र ग्रंथ है। आज हम इस ऐतिहासिक अवसर के भागीदार बन गए हैं और साक्षी भी बने हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि आज से 75 साल पहले संविधान सदन के इसी केंद्रीय कक्ष में आज ही के दिन संविधान सभा ने नव स्वाधीन देश के लिए संविधान निर्माण का बहुत बड़ा कार्य संपन्न किया था।

राष्ट्रपति ने कहा कि उस दिन संविधान सभा के जरिए हम भारत के लोगों ने अपने इस संविधान को अपनाया था। हमारा संविधान

हमारे व्यक्तिगत और सामूहिक स्वाभिमान को तय करता है। संविधान सदन में आयोजित कार्यक्रम में पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। इसके साथ ही राष्ट्रपति मुर्मू ने भारत के संविधान के संस्कृत और मैथिली संस्करण का संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में विमोचन भी किया।

इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति के साथ उपराष्ट्रपति और राज्य सभा के सभापति जगदीप धनखड़, पीएम नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय संसदीय मंत्री किरण रिजिजू, राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राज्यसभा के नेता सदन जेपी नड्डा, लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश मौजूद थे। संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में राज्यसभा और लोकसभा के संसद सदस्य, दिल्ली स्थित मिशनों के प्रमुख और अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित रहे।

भारत के उपराष्ट्रपति और राज्य सभा के सभापति धनखड़ ने भी दोनों सदनों के सदस्यों को संबोधित किया। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने स्वागत भाषण दिया। भारत के संविधान को अंगीकृत किए जाने की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर स्मारक सिक्का और डाक टिकट का विमोचन किया गया। इसके साथ ही राष्ट्रपति ने भारत के संविधान का निर्माण-एक झलक नामक पुस्तक का विमोचन भी किया। भारत के संविधान का निर्माण और इसकी गौरवशाली यात्रा शीर्षक से प्रकाशित एक और महत्वपूर्ण पुस्तक का विमोचन भी किया गया। यहां भारत के संविधान की कला और इसमें मौजूद चित्रों को समर्पित पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। संस्कृत और मैथिली में भारत के संविधान का विमोचन भी इस कार्यक्रम के मुख्य आकर्षणों में से एक था। इस अवसर पर भारतीय संविधान की महिमा, इसके निर्माण और ऐतिहासिक यात्रा को दर्शाते हुए एक लघु फिल्म भी दिखाई गई। वहीं इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि इन पांच सालों में हमारी संसद के जरिए से आम जनता के जीवन में सामाजिक आर्थिक परिवर्तन लाए गए हैं। संवैधानिक मूल्यों के प्रति हमारे घनिष्ठ प्रतिबद्धता है। गौरतलब है कि सोमवार 25 नवंबर से संसद का शीतकालीन सत्र शुरु हो चुका है। राज्यसभा सचिवालय के मुताबिक यह सत्र अगले माह 20 दिसंबर तक चलेगा।

पूरी गरिमा, मर्यादा से सहमति या असहमति जतायें सांसद: बिरला

नई दिल्ली, । लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भारतीय संविधान के 75 वर्ष पूरे होने के मौके पर सभी निर्वाचित जन प्रतिनिधियों को आज नसीहत दी कि जिस प्रकार से संविधान सभा में अलग अलग विचार धारा वाले विद्वानों ने एक एक अनुच्छेद पर विचार मंथन करके पूरी गरिमा एवं मर्यादा से सहमति या असहमति व्यक्त की, हमें भी उसी उत्कृष्ट परंपरा को सदनों में अपनाना चाहिए। श्री बिरला ने संविधान सदन के केन्द्रीय कक्ष में आयोजित ऐतिहासिक संविधान दिवस कार्यक्रम में अपने स्वागत उद्बोधन में यह बात कही। उन्होंने अपने संबोधन में संविधान दिवस के मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के नेतागण और सांसदों का अभिनंदन करते हुए कहा, 'आज संविधान दिवस का उत्सव मना रहे करोड़ों भारतीयों का मैं हार्दिक अभिनंदन और स्वागत करता हूँ। 75 वर्ष पहले आज ही के दिन इस पवित्र स्थान पर हमारे संविधान को अंगीकृत किया गया था। राष्ट्रपति महोदया के नेतृत्व में सम्पूर्ण देश एक साथ मिलकर आज संविधान के प्रति कृतज्ञता प्रकट कर रहा है। आज करोड़ों देशवासी संविधान की प्रस्तावना का पाठ करके देश को आगे बढ़ाने का संकल्प लेंगे।' लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की प्रेरणा से वर्ष 2015 में हमने हर वर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया था। हमारा संविधान हमारे मनीषियों के वर्षों के तप, त्याग, विद्वता, सामर्थ्य और क्षमता का परिणाम है।

चुनाव जीते सोरेन को एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट से झटका, उपस्थिति से छूट देने से मना किया

रांची (एजेंसी)। ईडी के समन की अवहेलना के मामले में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को रांची की एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट से मंगलवार को झटका लगा है। एमपी-एमएलए अदालत ने ईडी की ओर से मामले में दायर मुकदमे में सोरेन को व्यक्तिगत तौर पर उपस्थिति से छूट देने से मना कर दिया है। सोरेन ने 5 जुलाई को अदालत में याचिका दाखिल कर दरख्वास्त की थी कि ईडी की ओर से समन अवहेलना का आरोप लगाकर उनके खिलाफ जो शिकायतवाद दायर की है, उसमें सुनवाई के दौरान उन्हें व्यक्तिगत तौर पर उपस्थिति से छूट दी जाए। एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट के न्यायाधीश सार्थक शर्मा की अदालत ने सोरेन की याचिका पर सुनवाई और दोनों पक्षों की बहस पूरी होने के बाद 11 नवंबर को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था।

अब अदालत ने याचिका खारिज करते हुए याचिकाकर्ता को मामले में व्यक्तिगत रूप से बुलाया है और चार दिसंबर की तारीख निर्धारित की है। कोर्ट ने प्रथम दृष्टया माना है कि सोरेन ने ईडी की ओर से भेजे गए समन का उल्लंघन किया। ईडी की ओर से सीजेएम कोर्ट में 19 फरवरी को शिकायतवाद दर्ज कराया गया था। इसमें एजेंसी ने बताया है कि जमीन घोटाले में पूछताछ के लिए सोरेन को दस समन भेजे गए थे, लेकिन वे दो समन पर उपस्थित हुए। यह पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की धारा 63 एवं आईपीसी की धारा 174 के तहत गैरकानूनी है। कोर्ट ने मामले में सुनवाई के बाद 4 मार्च को संज्ञान लिया था। बाद में यह मामला एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया गया था।

बता दें कि रांची के बड़गाईं अंचल से संबंधित जमीन घोटाले को लेकर ईडी ने हेमंत सोरेन को पहली बार 14 अगस्त 2023 को हाजिर होने के लिए समन भेजा गया था। इसके बाद इसी वर्ष उन्हें 19 अगस्त, 1 सितंबर, 17 सितंबर, 26 सितंबर, 11 दिसंबर, 29

दिसंबर को और 2024 में 13 जनवरी, 22 जनवरी और 27 जनवरी को समन भेजे गए थे। दसवें समन पर उनसे 31 जनवरी को पूछताछ हुई थी और इसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया था।

अब राकेश टिकैत ने दिया नारा: किसानों से महापंचायत में बोले- बंटोगे तो लुटोगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर 12 से अधिक किसान संगठनों के कार्यकर्ताओं ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण दफ्तर पर प्रदर्शन किया। महापंचायत में गौतमबुद्धनगर के अलावा गाजियाबाद, बुलंशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा आदि जिलों के किसान ट्रैक्टर-ट्रॉली और निजी वाहनों में सवार होकर पहुंचे थे। किसान महापंचायत के दौरान भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नारे बटेंगे तो कटेंगे को किसानों की एकता के लिए उपयुक्त बताया। इसके साथ ही राकेश टिकैत ने किसानों को बंटोगे तो लुटोगे का नारा दिया। टिकैत ने कहा कि वो ही कह रहे हैं कि बटेंगे तो कटेंगे। किसानों पर यह बात पूरी तरह फिट बैठती है। किसान जब तक अलग-अलग बिखरे हुए अपनी लड़ाई लड़ेंगे, तब तक उन्हें सफलता मिलनी संभव नहीं है। उन्होंने किसानों के सभी संगठनों को एक साथ आकर लड़ने का आह्वान किया है।

पांच माह से धरने पर बैठे हैं किसान

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण दफ्तर पर भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के बैनर तले 39 गांवों के किसानों का अनिश्चितकालीन धरना पिछले पांच माह से जारी है। संगठन के जिलाध्यक्ष चौधरी महेंद्र सिंह मुखिया ने ऐलान किया है कि जब तक मांगें पूरी नहीं होंगी, आंदोलन जारी रहेगा। धरनारत किसान 10 फीसदी भूखंड, 64.7 फीसदी अतिरिक्त मुआवजा, रोजगार, आबादी की लीजबैक आदि मांगों पर अड़े हैं। महापंचायत में किसान संगठनों ने आम सहमति पर दिन-रात का महापड़ाव शुरू कर दिया है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर तीन दिन 25 से 27 नवंबर और यमुना प्राधिकरण पर चार दिन 28 नवंबर से 1 दिसंबर तक महापड़ाव करने के बाद 2 दिसंबर को दिल्ली कूच का निर्णय बरकरार रखा है।

किसानों की प्रमुख मांगें

पुराने कानून के तहत जमीन लिए जाने से प्रभावित सभी किसानों को 10 फीसदी प्लॉट,64.7 फीसदी अतिरिक्त मुआवजा,1 जनवरी 2014 के बाद जमीन लिए जाने से प्रभावित किसानों को बाजार दर का चार गुना मुआवजा,भूमिधर और भूमिहीन किसानों के बच्चों को रोजगार तथा पुनर्वास के लाभ व आबादियों का निस्तारण,हाई पावर कमेटी द्वारा किसानों के हक में पास किए गए मुद्दों पर शासनादेश लाकर उन्हें लागू करने की मांग की गई है।

एकनाथ शिंदे ने दिया अपने पद से इस्तीफा, राज्यपाल ने बनाया कार्यवाहक सीएम

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने मुंबई के राजभवन में राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन को अपना इस्तीफा सौंप दिया। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री अजित पवार और देवेंद्र फडणवीस भी मौजूद थे। राज्यपाल ने अगली सरकार के शपथ लेने तक शिंदे को कार्यवाहक सीएम नियुक्त किया है। इससे पहले 23 नवंबर को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे सामने आने के बाद सीएम एकनाथ शिंदे ने पार्टी कार्यकर्ताओं और महाराष्ट्र की जनता का आभार माना था। महाराष्ट्र की सभी 288 विधानसभा सीटों

पर एक फेज में 20 नवंबर को मतदान हुआ था। प्रदेश में महायुति गठबंधन में बीजेपी ने 149 सीटों पर चुनाव लड़ा है, वहीं शिवसेना (शिंदे) ने 81 सीटों पर और अजित पवार की एनसीपी 59 सीटों पर प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतारे थे। चुनाव में महायुति गठबंधन को प्रचंड जीत हासिल हुई है। महायुति में शामिल बीजेपी ने 132, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने 57 और अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी ने 41 सीटों पर जीत दर्ज की है।

वहीं महा विकास अघाड़ी में शामिल शिवसेना (उद्धव गुट) ने सबसे अधिक 20 सीटों पर जीत हासिल की है। कांग्रेस ने 16 और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) को 10 सीटों पर जीत हासिल हुई है। समाजवादी पार्टी ने दो सीटें जीती हैं जबकि अन्य के खाते में 10 सीटें आई हैं।

मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट कहा- बारिश होगी और बढ़ेगी ठंड

नई दिल्ली। उत्तर भारत समेत देश के कई हिस्सों में ठंड बढ़ती जा रही है। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली का भी कुछ ऐसा ही हाल है। मंगलवार सुबह दिल्ली में धुंध की एक परत छाई रही। वही जम्मू कश्मीर और हिमाचल में भी मौसम खराब होता नजर आ रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार राज्य के पांच जिलों लाहौल-स्पीति, चंबा, कांगड़ा, किन्नौर और कुल्लू के ऊंचे इलाकों में 30 नवंबर को हल्की बारिश-हिमपात का पूर्वानुमान है। अगले 7 दिनों के दौरान राज्य के बाकी हिस्सों में मुख्य रूप से शुष्क मौसम रहेगा। उधर, बीते दिनों हुई बर्फबारी से जनजातीय क्षेत्रों में शीतलहर बढ़ गई है। राज्य के चार स्थानों का न्यूनतम तापमान माइनस में चल रहा है। अगले 2 दिनों के दौरान राज्य के कई हिस्सों में न्यूनतम और अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। उसके बाद के तीन दिनों में राज्य के कुछ हिस्सों में लगभग दो डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होगी। शिमला में न्यूनतम तापमान 9.0, सुंदरनगर 5.5, भुंतर 3.5, कल्पा 0.6, धर्मशाला 10.0, ऊना 6.2, नाहन 10.1 और केलांग -4.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जम्मू-कश्मीर स्थित कश्मीर घाटी के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी के बाद ठंड बढ़ गई है। गुलमर्ग और पहलगाम सबसे ठंडे स्थान बन गए हैं। मौसम अधिकारियों ने बताया कि गुलमर्ग का न्यूनतम तापमान पिछली रात के शून्य से 1.5 डिग्री सेल्सियस नीचे की तुलना में सोमवार को शून्य से 2.4 डिग्री सेल्सियस नीचे तक गिर गया। एक दिन पहले हुई बर्फबारी के बाद रविवार और सोमवार की दरम्यानी रात को गुलमर्ग के स्की रिसॉर्ट में न्यूनतम तापमान उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के मैदानी इलाकों के लिए सामान्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया। पहलगाम में न्यूनतम तापमान शून्य से 2.3 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा, जबकि पिछली रात यह 0.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

इमरान खान की पार्टी का विरोध प्रदर्शन बढ़ा, सरकार ने दिए गोली मारने के आदेश

-इस्लामाबाद को किया रेड जोन घोषित, सड़कों पर तैनात की पाकिस्तानी सेना

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के कार्यकर्ताओं ने बड़ा प्रदर्शन शुरू कर दिया है। हालात बेकाबू हो गए हैं जिसके चलते इस्लामाबाद को रेड जोन घोषित कर दिया गया है। रेड जोन में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था को रोकने के लिए पाकिस्तानी सेना तैनात कर दी गई है।

रेड जोन में पीएम आवास, संसद भवन, सरकारी कार्यालय और कई देशों के दूतावास शामिल हैं। शाहबाज सरकार ने आदेश दिए हैं कि रेड जोन में प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए देखते ही गोली मारने की नीति अपनाई जाएगी। इमरान के निर्देश पर पार्टी कार्यकर्ता रविवार से सरकार के खिलाफ 'करो या मरो' आंदोलन के तहत इस्लामाबाद की ओर बढ़ रहे हैं।

पाकिस्तान के कई शहरों से करीब 30 हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी इस्लामाबाद पहुंच चुके हैं। इस्लामाबाद में पीटीआई कार्यकर्ताओं और सुरक्षा बलों के बीच झड़प की कई घटनाएं सामने आई हैं। पंजाब और अन्य इलाकों में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े, लेकिन प्रदर्शनकारियों का जोश कम नहीं हो रहा है।

स्थिति तनावपूर्ण है। देशभर में हिंसा और बढ़ते प्रदर्शन को देखते हुए शहबाज शरीफ सरकार ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं।

सरकार का कहना है कि प्रदर्शनकारियों को शांति बनाए रखने की अपील की जा रही है, लेकिन हिंसा फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। रेड जोन में सेना की तैनाती के पीछे मकसद सरकारी संपत्तियों और दूतावासों को किसी भी तरह के खतरे से बचाना है। इमरान खान की गिरफ्तारी को लेकर बढ़ते विरोध के कारण पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता और बढ़ गई है।

संभल में हिंसा के बाद तीसरे दिन स्कूल खुले, इंटरनेट रहा बंद, पुलिस गश्त जारी

*** नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जाएंगे संभल, पीड़ितों से करेंगे मुलाकात**

संभल (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के संभल में हिंसा के बाद तीसरा दिन स्कूल खोल दिए गए लेकिन इंटरनेट आज भी बंद रहा। पूरे शहर में आरएएफ पुलिस फोर्स के साथ मार्च कर रही है। जामा मस्जिद जाने वाले सभी रास्तों पर बैरिकेडिंग की गई है। हिंसाग्रस्त क्षेत्रों में अभी भी हालात सामान्य नहीं हैं। ज्यादातर लोग घर छोड़कर चले गए हैं। घरों में ताले लगे हुए हैं। जानकारी के मुताबिक नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी संभल जाएंगे। वह वहां पीड़ितों से मुलाकात करेंगे। सहारनपुर से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने राहुल गांधी के आने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि राहुल गांधी के आने की तारीख अभी तय नहीं है। दो-तीन दिन में वह संभल का दौरा कर सकते हैं।

इधर, मंगलवार को सपा सांसद रामगोपाल यादव ने प्रशासन पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने जानबूझकर अशांति पैदा करने का काम किया है उन्होंने कहा कि अगर कहीं से न्याय नहीं मिलेगा तो निराश होकर व्यक्ति क्या करेगा? संसद में हमारी प्राथमिकता संभल का मुद्दा है। हम इसे छोड़ नहीं सकते।

इधर, हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर को धमकी मिली है। उन्होंने कहा कि मैं लड़ रहा हूं, लड़ता रहूंगा।

बता दें सोमवार को संभल के सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क और सदर विधायक नवाब इकबाल महमूद के बेटे सुहैल इकबाल पर हिंसा भड़काने पर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने हिंसा से जुड़े मामले में 7 एफआईआर दर्ज की हैं। इनमें 6 नामजद और 2500 से ज्यादा अज्ञात हैं। अब तक 25 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। रविवार को जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हिंसा भड़की थी। फायरिंग में 4 लोगों की मौत हो गई थी अभी भी वहां हालात तनावपूर्ण हैं। पुलिस गश्त कर रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भाजपा के हिंदुत्व पर भारी पड़ा झारखंड मुक्ति मोर्चा का आदिवासी कार्ड

कुमार कृष्णन

इस चुनाव में हाल के वर्षों में राजनीति व पूंजीपतियों के नये उभरे समीकरण के चलते इस क्षेत्र पर वर्चस्व स्थापित करने के लिए भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी। इस बार भाजपा पूरे जोश के साथ झारखंड का चुनाव जीतने के लिये वैसी ही आमादा दिखी, जैसी वह छत्तीसगढ़ और ओडिशा में थी जहां उसने जीत दर्ज करने के लिये सारे पैंतरे लगाये और सफलता पायी थी। झारखंड में आदिवासी वोट निर्णायक होते हैं। झारखंड में एक तिहाई से ज्यादा (28) अनुसूचित जनजाति सीटें हैं। आबादी का 26 फीसदी हिस्सा आदिवासी है। 21सीटों में आदिवासियों की आबादी कम से कम एक लाख है। इन सीटों पर झामुमो की अच्छी पकड़ है। भाजपा इसे तोड़ने में सफल नहीं रही।

वनाच्छादित, खनिज संपदा से भरपूर और आदिवासी बहुल झारखंड के अब तक के राजनीतिक इतिहास में यह पहला मौका है, जब जनता ने लगातार दूसरी बार किसी दल को सत्तासीन होने का जनादेश दिया है। यहां इंडिया गठबंधन ने 81 सीटों में से 56 सीटें जीतीं, जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन 24 सीटों पर सिमट गया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की झारखंड मुक्ति मोर्चा ने सबसे अधिक सीटें (34) हासिल कीं, जबकि कांग्रेस ने 16, राष्ट्रीय जनता दल ने 4 और सीपीआई (एमएल) ने 2 सीटें जीतीं। वहीं, दूसरी तरफ तीन सीट के नुकसान के साथ भाजपा ने 21, दो के नुकसान के साथ एजेएसयू ने एक सीट हासिल की। पहली बार एक सीट जेडीयू के खाते में गई। इनके अन्य सहयोगियों को भी दो सीटों का नुकसान हुआ, उन्हें केवल एक सीट मिली। वहीं, पिछले विधानसभा चुनाव यानी 2019 में झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा को 30, भाजपा को 25, कांग्रेस को 16, जेवीएम को तीन तथा एजेएसयू को दो और आरजेडी को एक सीट मिली थी। झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार से मुलाकात के बाद हेमंत सोरेन सरकार बनाने का दावा पेश कर चुके हैं। 28 नवंबर को नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह होगा।

इस चुनाव में हाल के वर्षों में राजनीति व पूंजीपतियों के नये उभरे समीकरण के चलते इस क्षेत्र पर वर्चस्व स्थापित करने के लिए भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी। इस बार भाजपा पूरे जोश के साथ झारखंड का चुनाव जीतने के लिये वैसी ही आमादा दिखी, जैसी वह छत्तीसगढ़ और ओडिशा में थी जहां उसने जीत दर्ज करने के लिये सारे पैंतरे लगाये और सफलता पायी थी। झारखंड में आदिवासी वोट निर्णायक होते हैं। झारखंड में एक तिहाई से ज्यादा (28) अनुसूचित जनजाति सीटें हैं। आबादी का 26 फीसदी हिस्सा आदिवासी है। 21सीटों में आदिवासियों की आबादी कम से कम एक लाख है। इन सीटों पर झामुमो की अच्छी पकड़ है। भाजपा इसे तोड़ने में सफल नहीं रही। इस बार झारखंड में चुनाव प्रचार के दौरान राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छह, अमित शाह ने 16, योगी आदित्यनाथ ने 14 सभाएं कीं। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने तो झारखंड में ही डेरा डाल रखा था।

भाजपा के कई धुरंधर नेताओं ने झारखंड में धुआंधार प्रचार किया। संथाल परगना क्षेत्र में घुसपैठ को लेकर भाजपा काफी आक्रामक रही। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने तो यहां तक कहा कि झारखंड में भाजपा की सरकार बनाइए, घुसपैठियों को उल्टा लटका देंगे। उन्होंने घुसपैठियों को ही झारखंड मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस का वोट बैंक बताया। जमशेदपुर में स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि वोट और तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले घुसपैठियों को संरक्षण दे रहे हैं। उन्होंने चंपई सोरेन और सीता सोरेन के अपमान को आदिवासियों का अपमान बताया।

भाजपा ने ₹बंटोगे तो कटोगे₹ का नारा देकर घुसपैठ की चर्चा करते हुए हिंदुत्व कार्ड खेला। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा दिए गए नारे बंटोगे तो कटोगे को भाजपा के नेताओं ने इस चुनाव में खूब उछाला। यह नारा बीजेपी के लिए नुकसानदेह ही साबित हुआ। वहीं, इंडिया गठबंधन की तरफ से राहुल गांधी की छह सभाओं के अलावा लगभग पूरा जोर हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन ने ही लगाया। पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने स्टार प्रचारक के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की, उन्होंनें पचीस दिनों तक यहां कैंप कर इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के पक्ष में धुआँधार प्रचार किया, तो हेमंत सोरेन ने पूरी ईमानदारी से गठबंधन धर्म का पालन किया।

झारखंड मुक्ति मोर्चा ने अपनी योजनाओं की चर्चा के साथ आदिवासी कार्ड खेला। झारखंड मुक्ति मोर्चा का आदिवासी कार्ड भाजपा के हिंदुत्व कार्ड पर भारी पड़ गया। आदिवासियों का भरोसा गुरुजी शिबू सोरेन के पुत्र हेमंत सोरेन पर ही रहा। झारखंड में हेमंत सोरेन के पक्ष में सहानुभूति भी काफी प्रभावी रहा। हेमंत सोरेन अपने चुनाव प्रचार के दौरान लगातार यह संदेश देने की कोशिश करते रहे कि आदिवासी चेहरे को कुचलने के लिए किस तरह उन्हें गलत तरीके से जेल में डाला गया। इसमें वे कामयाब भी रहे। कई विधानसभा सीट पर 40 प्रतिशत से अधिक आदिवासी मतदाता हैं। वे एकजुट होकर उनके पक्ष में खड़े हो गए।

हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद उनकी पत्नी कल्पना सोरेन सामने आईं और जहां-जहां गईं, वहां उन्होंने पति के साथ ज्यादती की बात समझाने की कोशिश की। चुनाव प्रचार के दौरान मंईयां सम्मान योजना की राशि दो हजार से बढ़ाकर प्रतिमाह 2, 500 रुपये करने की चर्चा भी उन्होंने खूब की। कल्पना ने सरना धर्म कोड की भी बात की और यह भी कहा कि बीजेपी ने नेता बाहर के हैं, वे हमारी भाषा-संस्कृति तक नहीं जानते। ये भला हमारे लिए क्या नीतियां बनाएंगे। अपने सहज व सरल अंदाज से खासकर महिलाओं से संवाद करने में वे सफल रहीं। वे गांडेय सीट से चुनी गई हैं। महिलाओं की कल्याणकारी योजनाओं का भी असर झारखंड मुक्ति मोर्चा के पक्ष में गया। बेरोजगार महिलाओं के लिए मासिक सहायता, स्कूली लड़कियों को मुफ्त साइकिल, अकेली महिलाओं को नकद सहायता जैसी योजनाओं ने आदिवासी और कमजोर वर्ग की महिलाओं को झारखंड मुक्ति मोर्चा के पाले में लाने का काम तो किया ही, इसके साथ मंईयां सम्मान योजना ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महिलाओं को सालाना 12, 000 रुपये देने वाली इस योजना तथा सर्वजन पेंशन योजना ने हेमंत के पक्ष में संजीवनी का काम किया। फिलहाल झारखंड की करीब पचास लाख से अधिक महिलाओं को मंईयां सम्मान योजना के तहत 2, 000 रुपये प्रतिमाह की मदद दी जा रही है। चुनाव के पहले झारखंड मुक्ति मोर्चा ने इस राशि को बढ़ाकर 2, 500 रुपये कर दिया था। जबकि, गोगो दीदी योजना के तहत भाजपा ने 2, 100 रुपये प्रतिमाह देने का वायदा किया था। बिजली बिल माफ करना भी झारखंड मुक्ति मोर्चा के लिए फायदेमंद साबित हुआ। सरकार बनने पर आरक्षण का दायरा बढ़ाने का भी वादा किया गया।

आदिवासियों की भाजपा से नाराजगी की कई वजहें रहीं। पहली यह कि वे जानते हैं कि भाजपा की नजरें यहां की खनिज-सम्पन्न जमीनों और जंगलों पर हैं जिन्हें वह अपने कारोबारी मित्रों को देना चाहती है। फिर, जब यहां भाजपा शासन था और रघुबर दास मुख्यमंत्री थे, उस दौरान 2016 में छोटा नागपुर किरायेदारी अधिनियम और संथाल परगना अधिनियम में बदलाव की कोशिशें की गयीं जिनका सीधा नुकसान आदिवासियों को होने वाला था। सितंबर 2012 में बनी झारखंड सरकार की ऊर्जा नीति अक्टूबर 2016 में बदल दी गई।

इसके प्रावधानों में मामूली संशोधन किए गए और रघुवर दास की कैबिनेट ने उस पर मुहर लगा दी। इससे पहले झारखंड की भाजपा सरकार ने कोई सर्वे नहीं कराया और न किसी विशेषज्ञ कमेटी ने उसे ऐसा करने की सलाह दी। उस समय पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड विकास मोर्चा के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रघुवर दास की सरकार ने अपनी ऊर्जा नीति एक समूह को फायदा पहुंचाने के लिए बदल दी। ₹सरकार ने कई स्तरों पर गड़बड़ी की, न केवल ऊर्जा नीति बदली बल्कि जमीन की कीमत के निर्धारण, जनसुनवाई और पर्यावरण सुनवाई में भी फजीर्वाड़ा किया गया। एनटीपीसी, डीवीसी (दामोदर घाटी निगम) और नेशनल ग्रिड से तो सरकार बिजली खरीदती ही है। अदाणी समूह के झारखंड से बाहर स्थित प्लांट से 400 मेगावॉट बिजली खरीदने से भी सरकारी खजाने पर बोझ बढ़ेगा। ये भाजपा के नकारात्मक पक्ष थे।

चुनाव में आदिवासियों के वोट लेने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह समेत सारी भाजपा उन्हें यह कहकर डराती रही कि कांग्रेस-झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार आई तो उनकी जमीनें ह्यघुसपैठियेह्ल हड़प लेंगे। यह डर झारखंड के साथ पश्चिम बंगाल के आदिवासियों को भी दिखाया जाता रहा। भाजपा के अनुसार ये बांग्लादेशी घुसपैठिये होंगे। उसका दावा है कि भाजपा की सरकार बनी तो आदिवासियों की जमीनों को हड़पने से रोकने के लिये कानून लाया जायेगा; जबकि आदिवासी जानते हैं कि उपरोक्त उल्लिखित दोनों अधिनियम इस मामले में पर्याप्त सक्षम है इसलिये इन इलाकों में भाजपा की सभाएं भी फीकी रहीं।

घुसपैठ का डर दिखाकर भाजपा साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण का पुराना खेला कर रही थी ताकि हिन्दू-मुस्लिम कार्ड खेला जा सके, तो वहीं वह आदिवासियों को हिन्दू बतलाकर उसे वैमनस्य के खेल में एक पार्टी बना रही है। अमित शाह ने सरायकेला विधानसभा के आदित्यपुर की सभा में कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा -कांग्रेस की सरकार आदिवासियों का आरक्षण छीनकर मुसलमानों को देने जा रही है। ह्ल उनके अनुसार भाजपा ऐसा नहीं होने देगी। चंपई सोरेन के प्रति सम्मान दिखाकर आदिवासियों के वोट पाने का भी प्रयास भाजपा ने किया तभी तो शाह कह रहे थे कि ह्यझारखंड मुक्ति मोर्चा ने चंपई सोरेन का अपमान किया है।

यहां धुव्रीकरण की कोशिशों के साथ साथ अब केन्द्रीय जांच एजेंसियों की छापेमारी भी हुई। झारखंड मुक्ति मोर्चा नेता गणेश चौधरी पर आयकर का जो छापा पड़ा बकौल कल्पना सोरेन ह्यचंपई सोरेन के इशारे पर हो रहा है। ह्ल रांची, जमशेदपुर, गिरिडीह में ये छापे मारे गये जिसका मकसद झारखंड मुक्ति मोर्चा से जुड़े लोगों को डराना था। सोरेन सरकार में मंत्री मिथिलेश ठाकुर, उनके भाई विनय और सचिव हरेन्द्र सिंह के ठिकानों पर अक्टूबर के मध्य में ही ईडी द्वारा छापेमारी हुई थी। इसके बावजूद हेमंत सोरेन के पक्ष में सहानुभूति लहर रही जिन्हें जेल में डालना यहां के लोगों के लिये ह्यझारखंडी अस्मिता पर हमलाह्ल था। स्पष्टतः भाजपा एक तरफ आदिवासियों को मुस्लिमों का डर दिखाकर वोट लेना चाहती थी, तो वहीं झारखंड मुक्ति मोर्चा नेताओं को छापों से डराकर चुनाव जीतने के हथकंडे अपनाए, जो नाकाम रहे।

जिस संथाल परगना क्षेत्र के लिए बंटोगे तो कटोगे का नारा गढ़ा गया, वहां की 18 सीट में से केवल एक जरमुंडी सीट बीजेपी जीत पाई। हिंदू वोटरों को एकजुट करने के लिए दिए गए इस नारे ने मुस्लिमों का ध्रुवीकरण कर दिया और उन्होंने एकजुट होकर इंडिया गठबंधन के पक्ष में मतदान कर दिया।

ह्यमाटी पुत्रों की पार्टीह्ल वाली छवि के कारण झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) का इस पर बोलबाला है। वर्ष 2000 में बिहार से अलग होकर बने इस प्रदेश का प्रारम्भिक इतिहास राजनैतिक अस्थिरता तथा व्यापक भ्रष्टाचार का रहा लेकिन पिछले 5 वर्षों के दौरान हेमंत सोरेन ने मुख्यमंत्री के रूप में न केवल स्थिरता दी बल्कि जमीनी स्तर पर भी जमकर काम किया। आदिवासियों के उत्थान हेतु वे बतौर मुख्यमंत्री बेहद सक्रिय रहे। राज्य के सर्वांगीण विकास के अलावा वे जल, जंगल व जमीन पर स्थानीयों के हकों की लड़ाई लड़ते रहे। इसलिये वे भाजपा की आंखों में खटकते रहे। उन्होंने इस राज्य में भाजपा का ह्यऑपरेशन लोटसह्ल नाकाम कर दिया। कथित जमीन घोटाले में जब उन्हें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से छापे डलवाकर कई माह तक जेलों की सलाखों के पीछे डाल दिया गया था, तब उनकी जगह पर बिठाये गये चंपई सोरेन के जरिये भाजपा ने सरकार गिराने की कोशिश की। जेल से बाहर आने पर जब उन्होंने अपना पद वापस सम्हाला तो चंपई सोरेन ने अपने कथित अपमान से नाराज होकर दल छोड़ दिया। फिर वे भाजपा में चले गये जहां हेमंत की भाभी सीता सोरेन पहले से आ चुकी थीं। इनके जरिये सरकार गिराने की भाजपायी कोशिशें भी नाकाम रहीं।

हेमंत सोरेन की यह जीत आदिवासीयत की एक बहुत बड़ी जीत है। उनके खिलाफ इडी, सीबीआई, मोदी, शाह, शिवराज, हेमंता, योगी सहित न जाने कितने दिग्गज नेता लगे थे। अब इस बड़ी जीत को हेमंत सोरेन को भरपूर सम्मान देना होगा, जनता की आकांक्षाओं की कसौटी पर खरा उतरना होगा और भाजपा को इस हार को विनम्रता से स्वीकार करना होगा।

संपादकीय

उकसावे की राजनीति

पश्चिमी उप्र के संभल जिले में शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा और तीन लोगों की मौत वाकई चिंता की बात है। पुलिस के आंसू गैस के गोले छोड़ने व लाठी चार्ज के बावजूद उग्र भीड़.ने कई गाड़ियों को फूंक ड़ाला तथा पुलिस बल पर पथराव किया। इसमें पुलिस वालों समेत तकरीबन बीस लोग घायल भी हो गए। ज्ञात है कि स्थानीय अदालत के आदेश के बाद जामा मस्जिद के सर्वेक्षण का काम शुरू किया गया था। स्थानीय मंदिर के महंत का दावा है कि जिस जगह जामा मस्जिद है, वहां पहले हरिहर मंदिर था। उसी याचिका पर अदालत ने वीड़ियो व फोटोग्राफी समेत रिपोर्ट जमा कराने का आदेश दिया था। पथराव के आरोप में दो महिलाओं समेत पंद्रह लोगों को हिरासत में लिया गया। मामले में याचिकाकर्ता के वकील ही वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद मामले में भी वकील हैं। इससे समझा जा सकता है, इन लोगों की मंशा लंबी कानूनी लड़ाई की है। हालांकि इन लोगों का दावा है कि सर्वे का काम पूरा हो चुका है। दूसरे, सर्वे के दौरान मस्जिद कमेटी के सदस्यों समेत उनके वकील भी मौजूद थे। घटना से पहली रात में सारा सर्वे शांतिपूर्ण निपट चुका था। स्थानीय अधिकारियों को अंदेशा है, भीड़.किसी उकसावे के बाद जमा हुई। यह मस्जिद कब बनी, इसे लेकर भी विवाद है। इतिहासकारों के अनुसार इसकी मरम्मत का काम बाबर द्वारा कराया गया था। क्योंकि इसकी निर्माण शैली मुगलकालीन नहीं है। संभावनाएं हैं कि यह तुगलक काल में बनी हो। फिलहाल यह संरक्षित इमारत पुरातत्व सर्वे की निगरानी में है पर यह विवादित स्थल है। कुछ समय पहले हिन्दू समुदाय यहां जबरन पूजा करने भी जा चुका है, परंतु पहली बार मामला अदालत में ले जाने को राजनीतिक विवाद बनाकर सुर्खियां समेटने का काम अधिक लगता है। मस्जिद के सामने की तरफ हिन्दू तो पिछवाड़े. मुसलमानों की बस्ती है। जहां हमेशा नियमित नमाज पढ़ी जाती रही है। मामूली विवाद बने रहने के बावजूद कभी इस तरह का कोई तनाव नहीं हुआ। अयोध्या में विवादित स्थान पर मंदिर बनने के बाद से राजनीतिक लाभ के लोभ में इसे फॉमूले के तौर पर प्रयोग किए जाने की मंशा अधिक लग रही है। राज्य सरकार या विपक्ष को यह शोभा नहीं देता। शांति-व्यवस्था बनाए रखने और सभी नागरिकों को सुरक्षा देने का जिम्मा निभाने में उसे कोताही नहीं बरतनी चाहिए। इस तरह के धार्मिक विवादों से देश की छवि बिगड़ती है।

सूक्ति

विजयी व्यक्ति स्वभाव से, बहिर्मुखी होता है। पराजय व्यक्ति को अन्तर्मुखी बनाती है। - प्रेमचंद

जो कर्म छोड़ता है वह गिरता है, कर्म करते हुए भी जो उसका फल छोड़ता है वह चढ़ता है। - महात्मा गांधी

पाकिस्तान में इमरान के लिए प्रदर्शन और राजनीतिक संकट

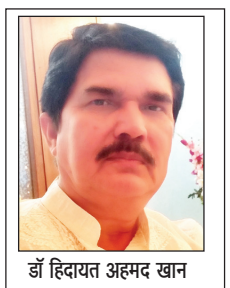

डॉ हिदायत अहमद खान

पाकिस्तान में राजनीतिक संकट खड़ा हो जाना आश्चर्यजनक बात नहीं है। फिलहाल दुनियां में जिस तरह की उथल-पुथल मची हुई है, उस स्थिति में पाकिस्तानी आवाम का सड़कों पर उतर आना वाकई चिंता की बात है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को रिहा किए जाने की मांग को लेकर सरकार के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शन अपने चरम पर है। हिंसक प्रदर्शन के बीच करीब 6 लोगों की मौत होने की भी खबर है। यह प्रदर्शन देश ही नहीं बल्कि पड़ोसी मुल्कों समेत अमेरिका तक को सोचने पर मजबूर कर रहा है। पड़ोसी देश इसलिए चिंतित होते हैं क्योंकि पाकिस्तान में हिंसा होने के बाद सीमा पर घुसपैठ जारी हो जाती है। इससे निपटने के लिए सीमा पर अलर्ट रहना होता है। बहरहाल पाकिस्तान में इमरान समर्थक बड़ी संख्या में सड़क पर उतर कर सरकार के खिलाफ विरोध कर रहे हैं। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) कार्यकताओं ने आंदोलन को असरकारी बनाने के लिए इस्लामाबाद कूच किया, इससे हिंसा और टकराव की घटनाएं सामने आई हैं। इमरान की पत्नी बुशरा बीबी पहले ही ऐलान कर चुकी हैं कि पति की रिहाई तक इस्लामाबाद में जमी रहेंगी। इससे जनता और सरकार में टकराव की स्थिति बनती जा रही है। इसके चलते शहबाज सरकार ने सुरक्षा के मद्देनजर इस्लामाबाद को रेड जोन घोषित कर प्रदर्शनकारियों को हद में रहने का संदेश दे दिया है। रेड जोन एरिया में प्रधानमंत्री आवास, संसद और दूतावास समेत महत्वपूर्ण सरकारी दफ्तरों को शामिल किया गया है। पाकिस्तानी सेना की तैनाती कर दी गई है और सरकार ने आदेश जारी किया है कि अगर किसी प्रदर्शनकारी को रेड जोन के अंदर देखा गया तो उसे गोली मार दी जाएगी। खास बात यह है कि मौजूदा प्रदर्शन के दौरान करीब 30,000 से ज्यादा इमरान समर्थक राजधानी में मौजूद हैं। प्रदर्शनकारियों के हिंसक होने की वजह से कई स्थानों पर झड़पें भी हुई हैं, और इसमें जहां करीब आधा दर्जन लोगों के मारे जाने की खबर है तो वहीं एक पुलिसकर्मी की मौत की भी खबर आई है। ऐसे में कब स्थिति विस्फोटक हो जाए कहा नहीं जा सकता है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पिछले साल से ही रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। उन्होंने जेल के अंदर से ही 24 नवंबर को विरोध प्रदर्शन के लिए करो या मरो का आह्वान किया था। इसी के साथ ही इमरान ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान की सरकार ने संविधान का उल्लंघन किया है। उन्होंने 26वें संशोधन को तानाशाही शासन को बढ़ावा देने वाला बताया। इस समय इमरान के खिलाफ 200 से अधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें से कुछ में उन्हें दोषी भी ठहरा दिया गया है, जबकि कुछ मामलों में सुनवाई जारी है। ऐसे में जारी विरोध प्रदर्शनों का पाकिस्तान के सियासी हलके में खासा असर देखने को मिल रहा है। फिलहाल प्रदर्शनकारियों का मुख्य उद्देश्य इमरान की रिहाई है, लेकिन कब यह वर्तमान सरकार को सत्ता से हटाने वाला बन जाए कहा नहीं जा सकता है। यही वजह है कि पंजाब और इस्लामाबाद में पुलिस ने पीटीआई के 3500 से ज्यादा नेताओं और कार्यकताओं को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की इस कार्रवाई का प्रदर्शन पर उल्टा ही असर पड़ा है। यही वजह है कि गिरफ्तारियों के बावजूद, प्रदर्शनकारी सरकार के खिलाफ संघर्ष जारी रखे हुए हैं। प्रभावी विरोध प्रदर्शनों को देखते हुए अब अमेरिका ने भी पाकिस्तान सरकार को नसीहत देनी शुरू कर दी है। अमेरिकी विदेश विभाग ने स्पष्ट कहा है कि पाकिस्तान में प्रदर्शन करने वालों के मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रताओं का सम्मान किया जाना चाहिए। बात साफ है कि जब प्रदर्शन शांतिमय ढंग से हो रहा है तो उन पर जोर-जबरदस्ती करने की आवश्यकता नहीं है। बल्कि सरकार को चाहिए कि वह प्रदर्शनकारियों से बात-चीत के रास्ते खोले, जैसा कि अमेरिका ने पाकिस्तान से अपील की है।

मुद्दा : प्रदूषण से चाहिए मुक्ति

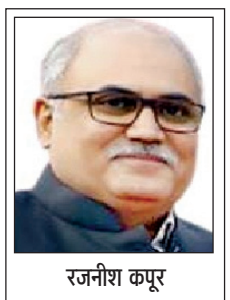

रजनीश कपूर

जब भी कभी हम विदेशों की सड़कें और राजमार्गों पर फरार्टे से दौड़तीं गाड़ियों को देखते हैं तो मन में यही सवाल उठता है कि हमारे देश में ऐसे दृश्य कब दिखेंगे। आजादी के इतने दशकों बाद भी हमारे देश की सड़कों के हाल बेहाल है। राजनैतिक दल सत्ता में आते-जाते रहते हैं पर इन बुनियादी सुविधाओं पर किसी भी दल का ध्यान नहीं जाता, लेकिन बीते कुछ वर्षों में सड़कों व राजमार्गों के बनने में तेजी अवश्य आई है। वो अलग बात है कि चुनावी घोषणाओं के दबाव में और जल्दबाजी में इन सड़कों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान नहीं दिया जाता। राजनैतिक दल कोई भी हो राजमार्ग बनाने की जल्दी में किसी ने भी राजमार्गों पर होने वाले हादसों को रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए, जबकि विदेशों में राजमार्गों पर होने वाले हादसों के प्रति वहां की सरकारी और नागरिक काफी संवेदनशील हैं। दो वर्ष पहले जब मशहूर उद्योगपति साइरस मिस्त्री की एक सड़क हादसे में मृत्यु हुई थी तो सड़क नियमों को लेकर काफी चर्चा हुई। इस हादसे के पीछे कई कारण बताए गए, जैसे की तेज गति, हादसे की जगह सड़क का कम चौड़ा होना, आदि। परंतु बुनियादी सवाल यह है कि किसी अमीर व्यक्ति द्वारा चलाई जाने वाली महंगी लग्जरी कार हो या किसी मामूली ट्रक या बस ड्राइवर द्वारा चलाए जाने वाला साधारण वाहन, क्या वाहन चलाने वाले और परिवहन नियम लागू करने वाले अपने-अपने काम के प्रति जिम्मेदार हैं? क्या ये कहना गलत नहीं होगा कि हमारे देश में सड़क सुरक्षा और परिवहन के नियम और कानून दोनों ही काफी लचर हैं। यही कारण है कि भारत में सड़क दुर्घटनाएं और देशों की तुलना में काफी ज्यादा होती हैं? यदि कानून की बात करें तो हमारे देश के कानून इतने लचर हैं कि सड़क दुर्घटना में यदि किसी की मृत्यु भी हो जाती है तो वाहन चालक को बड़ी आसानी से जमानत भी मिल जाती है। ज्यादातर ट्रक व बस ड्राइवरों को भी इस बात का पता है कि उन्हें कड़ी सजा नहीं मिलेगी। सड़क नियम और कानून को सख्ती से लागू करने की जिम्मेदारी केवल ट्रैफिक पुलिस की नहीं होनी चाहिए। इनको लागू करने के लिए समय-समय पर जागरूकता अभियान भी चलाए जाने चाहिए। होता यह है कि देश भर में सड़क व यातायात नियमों के लिए केवल साल में एक ही बार ऐसे अभियान चलाए जाते हैं। यदि ऐसे जागरूकता अभियान महीने में एक बार चलाए जाएं तो ड्राइवरों और आम जनता के बीच जानकारी सही से पहुंचेगी। वे जागरूक होंगे और नियम तोड़ने से पहले कई बार सोचेंगे। इसके साथ ही कानून में भी कड़ी सजा के प्रावधान होने चाहिए जिससे कि सभी के बीच एक संदेश जाए कि यदि सड़क और यातायात नियमों को अनदेखा किया या उन्हें तोड़ा तो उसका परिणाम महंगा पड़ेगा। कड़े कानून लागू होने की बात करें तो होता यह है कि कई सड़कों पर और राजमार्गों पर कुछ निर्धारित स्थानों पर स्पीड चेक करने वाले कैमरे लगे होते हैं। इनकी जानकारी वहां से नियमित रूप से निकालने वाले ड्राइवरों को पहले से ही होती है। इसलिए वे उस जगह पर अपनी गाड़ी को नियंत्रित गति से चलाते हैं। ऐसे में दुर्घटनाएं टल तो जाती हैं परंतु जैसे ही वो कैमरे की दृष्टि से दूर होते हैं, वैसे ही गाड़ी के एक्सलेरेटर को जोर से दबा देते हैं। मतलब यह हुआ कि केवल चालान से बचने की नीयत से ही वे गाड़ी को निर्धारित गति से चलाते हैं, जबकि यह तथ्य जगजाहिर है कि यदि आप अपनी गाड़ी को नियंत्रित गति से चलाते हैं तो न सिर्फ दुर्घटना टलती है बल्कि ईंधन भी कम खर्च होता है।

सरकार और ट्रैफिक पुलिस को इस बात पर भी ध्यान देना चाहिए कि जो कैमरे तेज रफ्तार से चलने वाली गाड़ियों का चालान करते हैं, उनसे अधिक काम भी लिया जा सकता है। स्पीड कैमरे की तकनीक की बात करें तो उसमें लगे रेडार से एक सिग्नल जाता है जो केवल तेज रफ्तार से चलने वाली गाड़ी की ही फोटो खींचते हैं। यदि इसी तकनीक में थोड़ा सा सुधार किया जाए तो वही कैमरा कई ट्रैफिक उल्लंघनों की फोटो भी खींच सकता है। ये सब बातें मैं इसलिए कह रहा हूं कि जब आज से कुछ वर्ष पहले मैं लंदन की यात्रा पर था तो वहां मेरे स्थानीय मित्र ने गाड़ी को राजमार्ग पर लाने से पहले चश्मा लगा लिया। मेरे पूछने पर उन्होंने बताया कि, 'मेरी गाड़ी और ड्राइविंग लाइसेंस पर जो फोटो लगी है उसमें मैंने मामूली नंबर का नजर का चश्मा पहना हुआ है। यदि मैं बिना चश्मे के गाड़ी चलाऊंगा तो मेरा चालान हो जाएगा।' उनका मतलब यह था कि जगह-जगह लगे कैमरे हर पहलू को पकड़ लेते हैं। आज के सूचना प्रौद्योगिकी के युग में एक से बढ़कर एक गुणवत्ता वाले कैमरे उपलब्ध हैं जो इन सभी पहलुओं को पकड़ सकते हैं। जरूरत केवल सही सोच और पहल करने की इच्छा की है। देखना यह है कि हमारे देश में ऐसे बदलाव कब होंगे? केवल चुनावी घोषणाओं के चलते नये-नये राजमार्ग खोलने से कुछ नहीं होगा। सड़क और यातायात नियमों को सख्ती से लागू भी किया जाए। शायद तभी हमारे देश में सड़क दुर्घटनाओं में कमी आए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फिच ने अदाणी ग्रुप की चार कंपनियों का आउटलुक घटाया, स्टॉक्स में आई आठ फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली । अमेरिका द्वारा अदाणी ग्रुप पर लगे रिश्वत के आरोप के बाद रेटिंग एजेंसी फिच ने समूह की चार कंपनियां का आउटलुक निगेटिव कर दिया है। जबकि तीन कंपनियों को रेटिंग वॉच नेगेटिव में रखा है। जिसके चलते मंगलवार को अदाणी ग्रुप के शेयरों में गिरावट रही। बीएसई पर कारोबार के दौरान ग्रुप के शेयर आठ फीसदी तक गिर गए। जबकि ग्रुप ने शेयरों में सोमवार को कुछ रिकवरी हुई थी। बीएसई पर अदाणी ग्रीन एनर्जी, एसीसी, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, अदाणी एंटरप्राइजेज, अदाणी पावर, अदाणी टोटल गैस, अदाणी विल्मर और अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन और अंबुजा सीमेंट्स 2 फीसदी से 8 फीसदी तक नीचे रहे। इसके अलावा अदाणी ग्रीन एनर्जी (8 प्रतिशत गिरकर 893 रुपये पर) और अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस (5 प्रतिशत गिरकर 593.15 रुपये पर) के शेयर अपने 52-सप्ताह के निचले स्तर पर पहुंच गए। पिछले एक हफ्ते में इन कंपनियों की बाजार कीमत में क्रमशः 37 फीसदी और 32 फीसदी की गिरावट आई है। एसऐंडपी ग्लोबल ने अदाणी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई लिमिटेड, अदाणी पोर्ट्स और अदाणी ग्रीन एनर्जी की सहायक कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी रिस्ट्रिक्टेड ग्रुप 2 (को लेकर अपने आउटलुक में बदलाव किया है। एजीईएल पर आरोपों के छींटे लगे हैं, लेकिन अमेरिकी में चल रही कार्यवाही में इसका नाम सीधे नहीं लिया गया है।

हुंडई मोटर को मिला कर प्राधिकरण से टैक्स नोटिस

मुंबई । हुंडई मोटर इंडिया को महाराष्ट्र राज्य कर प्राधिकरण से पांच करोड़ रुपए से अधिक का कर नोटिस मिला है। यह नोटिस कथित अतिरिक्त इनपुट टैक्स क्रेडिट दावे को लकर मिला है। इनपुट टैक्स क्रेडिट या आईटीसी वह कर है जो व्यवसाय द्वारा किसी खरीद तथा बिक्री पर चुकाया जाता है। हुंडई मोटर इंडिया ने सोमवार को शेयर बाजार को बताया कि उसे महाराष्ट्र राज्य कर प्राधिकरण से कारण बताओ नोटिस जारी हुआ है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि अतिरिक्त आईटीसी का दावा मानदंडों के अनुसार और कंपनी द्वारा भुगतान किए गए आरसीएम कर के अनुरूप नहीं है। इसमें कहा गया है कि कारण बताओ नोटिस में उल्लिखित कुल मांग राशि में कर 2.741 करोड़ रुपये और ब्याज 2.279 करोड़ रुपये है। एचएमआईएल ने कहा कि वह निर्धारित समय सीमा के भीतर न्यायाधिकरण के समक्ष कारण बताओ नोटिस का जवाब दाखिल करेगी।

इस वर्ष जापान और चीन ने अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड्स की 61.9 बिलियन डॉलर बिक्री की

- इससे पहले दूसरी तिमाही में जापान ने 40.5 बिलियन डॉलर के ट्रेजरी बेचे थे

वाशिंगटन । अप्रैल से जून 2024 तक की तीसरी तिमाही में जापान ने अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड्स (अमेरिकी खजाने) में विशाल 61.9 बिलियन डॉलर की बिक्री की है, जो अब तक की सबसे बड़ी बिक्री है। इससे पहले दूसरी तिमाही में जापान ने 40.5 बिलियन डॉलर के ट्रेजरी बेचे थे। जापान की यह लगातार दूसरी तिमाही है जब उन्होंने अमेरिकी खजाने में भारी बिक्री की है। वहीं चीन ने भी इसी तिमाही में अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड्स को 51.3 बिलियन डॉलर का डंप किया, जो अब तक की दूसरी सबसे बड़ी बिक्री है। चीन ने पिछले 7 तिमाहियों में से 6 में ट्रेजरी बेची हैं, जिससे उनकी ट्रेजरी बॉन्ड्स में कुल हिस्सेदारी अब 800 अरब डॉलर से कम हो गई है। इन दोनों देशों जापान और चीन ने अमेरिकी सरकारी ऋण के सबसे बड़े धारक होने के बावजूद अमेरिकी खजाने में इतनी बड़ी बिक्री की है। इससे दिखता है कि विदेशी निवेशकों की रुचि घट रही है और वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिति में बदलाव आए हैं।

डिजिटल पेमेंट तकनीक में वर्ल्ड लीडर के रूप में उभर रहा भारत

मुंबई ।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यूपीआई नेटवर्क के तेजी से विस्तार के कारण भारत डिजिटल पेमेंट तकनीक में वर्ल्ड लीडर के रूप में उभर रहा है। इसकी जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की रिपोर्ट में दी गई। यूपीआई के द्वारा अक्टूबर में 16.6 अरब लेनदेन हुए हैं। साथ ही इस दौरान इंस्टेंट डेबिट रिवर्सल 86 प्रतिशत रहा है, जो कि पिछले साल की समान अवधि में 77 प्रतिशत था। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देबब्रत पात्रा ने कहा है कि भारत का यूपीआई एक ओपन-एंडेड सिस्टम है। इसमें एक सिंगल आवेदन के जरिए एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति या फिर व्यक्ति से व्यापारी के बीच आसानी से लेनदेन किए जा सकते हैं। पात्रा के अनुसार, डिजिटल क्रेडिट परिदृश्य में इनोवेशन जैसे अकाउंट एग्रीगेटर्स, ओसीईएन और ओएनडीसी पर वित्तीय सेवाओं ने भी उत्पादकता बढ़ाने में योगदान दिया है। ओएनडीसी मार्च 2024 तक 720 से ज्यादा शहरों में काम कर रहा है। इसके पास 49.72 मिलियन ऑर्डर हैं। ट्रेड रिसीवेबल्स डिस्काउंटिंग सिस्टम (टीआरईडीएस) एमएसएमई के करीब 52.2 ट्रिलियन रुपये के अनुमानित क्रेडिट गैप को बैंकों और क्लाइंट्स से जोड़कर पूरा करता है, जिससे फंडिंग लागत में 2.5 प्रतिशत तक की कमी आती है। पात्रा ने लिखा, टीआरईडीएस के माध्यम से फाइनेंस चालानों का मूल्य 23 गुना से अधिक बढ़ गया है। भारत में ग्रामीण आबादी का करीब 40 प्रतिशत और 20-30 वर्ष आयु वर्ग की कुल आबादी का 78 प्रतिशत लोग इंटरनेट का उपयोग करते हैं, जिनमें से करीब एक तिहाई परिवार उपभोग्य सामग्रियों और सेवाओं की ऑनलाइन खरीदारी करते हैं।

सोना 1,630 गिरकर 75,451 पर आया

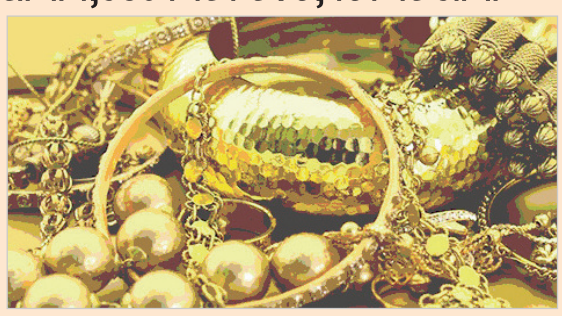

नई दिल्ली। सोने के भाव में मंगलवार को बड़ी गिरावट देखने को मिली। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड का भाव 1,630 रुपए कम होकर 75,451 रुपए पर आ गया है। इससे पहले सोने की कीमत 77,081 रुपए प्रति दस ग्राम थी। वहीं, चांदी के दाम में भी गिरावट रही। ये 1,345 रुपए गिरकर 88,100 रुपए प्रति किलो हो गई। इससे पहले चांदी 89,445 रुपए पर थी। वहीं, 23 अक्टूबर को चांदी ने 99,151 रुपए का और 30 अक्टूबर को सोने ने 79,681 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

जेनएआई स्टार्टअप में निवेश दूसरी तिमाही में छह गुना उछला

नई दिल्ली ।

नैसकॉम की एक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 25 की दूसरी तिमाही में भारत की जेनएआई फंडिंग तिमाही आधार पर छह गुना बढ़ी है। भारत ने वैश्विक जनरेटिव एआई की दुनिया में अपनी स्थिति मजबूत की है। नैसकॉम की रिपोर्ट कहती है कि भारतीय जेनएआई स्टार्टअप ने वित्त वर्ष 25 की दूसरी तिमाही में 5.1 करोड़ डॉलर जुटाए जो वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही में जुटाए गए 80 लाख डॉलर से अधिक हैं। टेक इंडस्ट्री एक्टिविटी के अनुसार दूसरी तिमाही के दौरान फंडिंग की गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई और रिकॉर्ड स्तर पर फंडिंग के 20 राउंड हुए जो पहली तिमाही की सुस्ती के बाद मजबूत सुधार को दर्शाता है। कुल फंडिंग में पिछले साल के मुकाबले 3.4 गुना इजाफा हुआ तथा एंटरप्राइज एप्लिकेशन और एजेंटिक एआई में निवेश ने इसकी अगुआई की। वित्त वर्ष 25 की दूसरी तिमाही में जेनएआई फंडिंग का 90 प्रतिशत से अधिक भाग तीन स्टार्टअप नूरिक्स एआई, डैशटून और मिहप को मिला। वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में फंडिंग राउंड में तीन गुना तक वृद्धि हुई। सभी दौर में शुरुआती चरण वाले निवेशों का हिस्सा 77 प्रतिशत रहा जिसमें ऐंजल और सीड फंडिंग शामिल है। इस तिमाही में जेनएआई स्टार्टअप कंपनियों के लिए फंडिंग के दौर सीरीज ए राउंड में 1.5 करोड़ डॉलर और सीड राउंड में 1.25 करोड़ डॉलर से कम रहे, जिसका मुख्य कारण कृत्रिम और सर्वम जैसे मॉडल के निवेशों का न होना रहा, जो पिछली दो तिमाहियों में हावी रहे थे। नैसकॉम की वरिष्ठ उपाध्यक्ष और मुख्य रणनीति अधिकारी संगीता गुप्ता ने कहा, जेनरेटिव एआई परिदृश्य तेजी से विकसित हो रहा है, प्रौद्योगिकी सेवा प्रदाताओं को नया आकार दे रहा है और नई क्षमताओं को जन्म दे रहा है। प्रदाता रणनीतियों का नए सिरे से आकलन कर रहे हैं और प्रौद्योगिकी एवं प्रतिभा में निवेश बढ़ा रहे हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिलेजुले रुख के बीच ही अदाणी ग्रुप के शेयरों में बिकवाली हावी रहने से आई है। इससे पिछले दो कारोबारी सत्रों से जारी बाजार की तेजी रुक गयी। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में यह उतार-चढ़ाव के बाद 105.79 अंक करीब 0.13 फीसदी नीचे आकर 80,004.06 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों नेशनल स्टॉक एक्सचेंज एनएसई निफ्टी 27.40 अंक तकरीबन 0.11 फीसदी नीचे आकर 27.40 अंकों की गिरावट के साथ 24,194.50 अंकों पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 कंपनियों में इन्फोसिस का शेयर शुरूआती कारोबार में 2 फीसदी से ज्यादा ऊपर आया। इसके अलावा टाटा स्टील, एशियन पेंट्स, टेक महिंद्रा, जेएसडब्ल्यू स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक, टाटा मोटर्स, मारुति, टीसीएस के शेयर प्रमुख रूप से बढ़त पर बंद हुए।

वहीं दूसरी ओर अल्ट्रा सीमेंट के शेयर में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गयी है। साथ ही सनफार्मा, एलएंडटी, अदाणी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, स्टेट बैंक, एक्सिस बैंक के शेयर भी नीचे आये। विदेशी निवेशकों ने गत दिवस सोमवार को 9,947.55 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। यह आंकड़ा 20 सितंबर के बाद सबसे अधिक है। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत तेजी से हुई। कारोबार के दौरान दोनों प्रमुख इंडेक्स बढ़त के साथ खुले। एचडएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारती एयरटेल के शेयरों में वृद्धि से बाजार में तेजी आई। सेंसेक्स पिछले बंद भाव के मुकाबले 300 से ज्यादा अंक ऊपर आकर 80,415.47 अंक पर खुला। इससे पहले सोमवार को यह लगभग 1000 अंक उछलकर बंद हुआ था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी तेजी के साथ 24,343.30 अंक पर खुला जबकि सोमवार को यह 24,221.90 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं सेंसेक्स की 30 कंपनियों में इन्फोसिस का शेयर शुरूआती कारोबार में 2 फीसदी से ज्यादा ऊपर आया। इसके अलावा टाटा स्टील, एशियन पेंट्स, टेक महिंद्रा, जेएसडब्ल्यू स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक, टाटा मोटर्स, मारुति, टीसीएस के शेयर मुख्य रूप से लाभ में रहे।

एनसीएच अब उपभोक्ताओं की शिकायतों को जल्द निपटाने एआई का करेगा इस्तेमाल

नई दिल्ली।

नेशनल कंज्यूमर हेल्पलाइन (एनसीएच) अब उपभोक्ताओं की शिकायतों को प्रभावी और जल्द हल करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल करने की तैयारी कर रही है। एनसीएच ने अपनी शिकायत प्रणाली में सुधार के तहत एआई आधारित नई सुविधाओं को शामिल किया गया है, जिनमें स्पीच रिकग्निशन और बहुभाषी चैटबॉट्स शामिल हैं। इस तकनीकी बदलाव के साथ उपभोक्ताओं को अब अपनी शिकायतें दर्ज करने के लिए स्थानीय भाषाओं में वॉयस इनपुट देने की सुविधा मिलेगी। यह एक बड़ा कदम है जो उपभोक्ताओं को आसानी से और सुलभ तरीके से शिकायत दर्ज करने का मौका देगा।

इस नए सुधार को एनसीएच 2.0 का नाम दिया गया है, जिसका उद्देश्य शिकायत निवारण प्रक्रिया को और ज्यादा सहज, कुशल और समावेशी बनाना है। वर्तमान में, एनसीएच 17 भाषाओं में संचालित होती है, और अब यह नई तकनीक उपभोक्ताओं के लिए एक व्यापक और अनुकूल अनुभव देगी। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने बताया कि कि एनसीएच ने अपनी शिकायत निवारण प्रक्रिया को तेज करने के लिए एक हजार से ज्यादा कंपनियों के साथ साझेदारी की है। 2017 में यह संख्या केवल 263 थी, जो अब बढ़कर 1,009 हो गई है। ये कंपनियां ई-कॉमर्स, यात्रा, शिक्षा, एफएमसीजी, खुदरा, ऑटोमोबाइल और बैंकिंग जैसे प्रमुख क्षेत्रों में फैली हैं। इन कंपनियों से जुड़ी शिकायतों को सीधे उनके पास ट्रांसफर किया जाता है, जिससे समाधान की प्रक्रिया में तेजी आती है।

एनसीएच की सेवा को कई माध्यमों से एक्सेस किया जा सकता है, जैसे टोल-फ्री नंबर 1915, व्हाट्सएप, एसएमएस, ईमेल, और एक डेडिकेटेड मोबाइल ऐप। इसके अलावा, शिकायतों को एक केंद्रीकृत आईटी-सक्षम प्रणाली, इनग्राम पोर्टल पर भी दर्ज किया जा सकता है। पिछले कुछ सालों में उपभोक्ता हेल्पलाइन का इस्तेमाल बढ़ा है। जनवरी 2015 में मासिक कॉल 14,795 थी, जो अब जनवरी 2024 में बढ़कर 1,41,817 हो गई है।

इसी तरह शिकायत पंजीकरण की संख्या में भी तीन गुना बढ़ोतरी हुई है। हाल ही में, उपभोक्ता मामलों के विभाग ने उन कंपनियों की पहचान की है जिनके खिलाफ सबसे ज्यादा शिकायतें आई हैं। इन कंपनियों में डेल्हिवरी लिमिटेड, डोमिनोज पिज्जा, थॉमसन इंडिया, महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी प्रमुख कंपनियां शामिल हैं। इन शिकायतों पर चर्चा करने अगले सप्ताह बैठक आयोजित की जा रही है।

रुपया गिरावट पर बंद

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को शुरुआती कारोबार में रुपया चार पैसे की गिरावट के साथ ही 84.33 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपय अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.22 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को 9,947 करोड़ रुपये के शेयर खरीद 40 सत्रों से जारी शुद्ध बिकवाली का सिलसिला तोड़ा, जिसकी वजह से रुपए को मजबूत समर्थन मिला। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.27 प्रति डॉलर पर खुला और फिर 84.22 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले सात पैसे की बढ़त को दिखाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.29 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.28 फीसदी की बढ़त के साथ 107.11 पर देखा गया।

दिसंबर में 10 कंपनियों की आईपीओ लाने की योजना

नई दिल्ली ।

अगले महिने दिसंबर में कम से कम 10 कंपनियां अपने इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) लाने की योजना बना रही है ताकि इसके जरिए 20,000 करोड़ रुपये जुटाये जा सके। ऐसी कंपनियों में विशाल मेगा मार्ट और इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टिट्यूट (इंडिया) लिमिटेड जैसी प्रमुख कंपनियां शामिल हैं।

अगले कुछ महीनों में 30 से अधिक आईपीओ आने की संभावना है, जिससे बाजार में और अधिक हलचल हो सकती है और निवेशकों को नए अवसर मिल सकते हैं। मर्चेंट बैंकरों के अनुसार, दिसंबर में इन आईपीओ का मार्केट में बड़ा असर हो सकता है, जिनमें विभिन्न क्षेत्र और आकार की कंपनियां शामिल होंगी। विशाल मेगा मार्ट, जो एक सुपरमार्केट चेन है, 8,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। इसका आईपीओ पूरी तरह से प्रवर्तक समायत सर्विसेज एलएलपी द्वारा बिक्री पेशकश (ओएफएस) के रूप में होगा। वहीं, ब्लैकस्टोन के स्वामित्व वाली डायमंड ग्रेडिंग कंपनी इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टिट्यूट (इंडिया) लिमिटेड भी 4,000 करोड़ रुपये का आईपीओ लाने वाली है, जिसमें 1,250 करोड़ रुपये के नए शेयर और 2,750 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश शामिल होगी। इसके अलावा, शिक्षा क्षेत्र से संबंधित अवांसे फाइनेंशियल सर्विसेज,

साई लाइफ साइंसेज, पारस हेल्थकेयर और डीएएम कैपिटल एडवाइजर्स जैसे निवेश बैंक भी अपनी आईपीओ पेशकश करेंगे।

इन कंपनियों का लक्ष्य विस्तार योजनाओं के लिए धन जुटाना, कर्ज चुकाना और कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करना है। इन आईपीओ में नए शेयरों के निर्गम और ओएफएस दोनों शामिल होंगे, जो बाजार में निवेशकों के लिए अवसर प्रदान करेंगे। इसके अलावा, पिछले कुछ वर्षों में आईपीओ से निवेशकों को औसतन 27 प्रतिशत का लाभ हुआ है, और वित्त वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक 236 आईपीओ लाए गए हैं। इस साल, हुंदै मोटर इंडिया, स्विगी, एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी, बजाज हाउसिंग फाइनेंस और ओला इलेक्ट्रिक जैसी कंपनियों ने अपने आईपीओ से लगभग 1.3 लाख करोड़ रुपये जुटाए हैं।

रॉयल एनफील्ड की गोअन क्लासिक 350 लांच

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजार में रॉयल एनफील्ड ने अपनी नई गोअन क्लासिक 350 को लॉन्च कर दिया है। बाइक की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 2.35 लाख रुपये रखी गई है, जबकि डुअल-टोन पेंट ऑप्शन की कीमत 2.38 लाख रुपये (एक्स-शोरूम, चेन्नई) है। यह बाइक 350 सीसी सेगमेंट में रॉयल एनफील्ड की मजबूत उपस्थिति को और सशक्त बनाने के लिए पेश की गई है। गोअन क्लासिक 350, रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350 के प्लेटफॉर्म पर आधारित है, लेकिन इसमें कुछ महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। इसका टैंक, साइड बॉक्स, फेंडर और हेडलाइट हाउसिंग क्लासिक 350 से मेल खाते हैं, लेकिन इसमें एलईडी हेडलाइट्स, गोल टेललैंप और एप-हैंगर हैंडलबार जैसे नए और आकर्षक फीचर्स जोड़े गए हैं। इसकी सीट ऊंचाई 750 मिमी है, जो इसे छोटे कद के राइडर्स के लिए भी आरामदायक बनाती है। इसमें 19-इंच फ्रंट और 16-इंच रियर स्पोक व्हील्स दिए गए हैं, साथ ही दोनों पहियों में डिस्क ब्रेक और डुअल-चैनल एबीएस की सुविधा है। बाइक में रेगुलर टेलिस्कोपिक फ्रंट फोर्क्स और रियर डुअल शॉक एब्जॉर्बर दिए

गए हैं। इसके अलावा, यह सेमी-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, एडजस्टेबल लीवर और रॉयल एनफील्ड का ट्रिपर नेविगेशन सिस्टम जैसी सुविधाओं से लैस है। रॉयल एनफील्ड ने गोअन क्लासिक 350 को चार आकर्षक रंगों–रेव रेड, ट्रिप टील, शैक ब्लैक और पर्पल हेज में पेश किया है। इसकी सीधी टक्कर जावा पेराक से होगी, जो एक बॉबर स्टाइल मोटरसाइकिल है।

इसके अलावा, यह बाइक जावा और येज्दी की अन्य मोटरसाइकिलों, रॉयल एनफील्ड के अन्य मॉडल्स और होंडा सीबी रेंज से भी प्रतिस्पर्धा करेगी। गोअन क्लासिक 350 में रॉयल एनफील्ड का छु-सीरीज इंजन दिया गया है, जो 20 बीएचपी से थोड़ा ज्यादा पावर और 27 एनएम का पीक टॉर्क जेनरेट करता है। यह इंजन 5-स्पीड गियरबॉक्स से जुड़ा है। ऋजिंग के दीवानों के लिए यह बाइक शानदार परफॉर्मेंस प्रदान करती है, और इसकी सिंगल-सीटर लुक और आकर्षक पेंट स्कीम इसे और भी खास बनाते हैं।

वित्त मंत्रालय की मासिक समीक्षा में रबी फसल के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि का अनुमान

फसल उत्पादन में वृद्धि उच्च एमएसपी, अनुकूल मानसून और पर्याप्त जलाशय स्तर के कारण संभव

नई दिल्ली । वित्त मंत्रालय ने अपनी नवीनतम मासिक समीक्षा में आने वाले महीनों में रबी फसल की बुवाई और उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि का अनुमान जताया है। मंत्रालय ने बताया कि यह वृद्धि उच्च न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), अनुकूल मानसून और पर्याप्त जलाशय स्तर के कारण संभव है। इस समीक्षा के अनुसार रबी सीजन को इस साल की शुरुआत में अच्छी खरीफ फसल द्वारा स्थापित मजबूत नींव से लाभ होने की संभावना है। मंत्रालय का मानना है कि इस बंपर फसल से घरेलू खुदरा मुद्रास्फीति को कम करने में भी मदद मिल सकती है। मंत्रालय ने कहा कि 6 नवंबर 2024 तक, धान की खरीद 161.0 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गई, जिससे चल रहे केएमएस खरीद कार्यों से 14.79 लाख किसानों को लाभ हुआ। बढ़े हुए एमएसपी के साथ रिकॉर्ड खरीफ खाद्यान्न उत्पादन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को और मजबूत करेगा। रबी की फसलों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए ठंडी और शुष्क जलवायु की आवश्यकता होती है, जबकि खरीफ में उत्पादित फसलों के लिए गर्म और आर्द्र जलवायु की आवश्यकता होती है। मंत्रालय ने उम्मीद जताई है कि रबी की बुवाई और उत्पादन में अनुकूल मानसून, पर्याप्त जलाशय स्तर और उच्च न्यूनतम समर्थन मूल्य की वजह से वृद्धि हो सकती है। इसके साथ ही खाद्य मुद्रास्फीति में कमी की उम्मीद भी है, जिसे अक्टूबर में खाद्य मूल्य दबाव के कारण देखा गया था। मंत्रालय ने बताया कि आर्थिक गतिविधियों में सुधार के साथ स्थिरता आने वाले महीनों में उपभोक्ताओं को राहत मिल सकती है। वित्त वर्ष 25 की दूसरी तिमाही के दौरान एफएमसीजी की बिक्री मात्रा में सुधार होने के साथ-साथ, ग्रामीण क्षेत्र में ट्रैक्टर और दोपहिया वाहनों की बिक्री में भी वृद्धि देखी गई। मांग में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ अर्थव्यवस्था में मजबूती के संकेत है। मंत्रालय के अनुसार रबी सीजन में व्यापक आर्थिक स्थिरता को समर्थन करने के लिए तैयार है, जिससे कृषि विकास को बढ़ावा मिल सकता है और आने वाले महीनों में मुद्रास्फीति के दबाव से भी राहत मिल सकती है।

टाटा कैपिटल हेल्थकेयर फंड 2 ने तैयार की अपनी योजनाएं

- टीसीएचएफ 2 ने 2023-24 में स्वास्थ्य क्षेत्र के 17 लाख लाभार्थियों को सहायता पहुंचाई

नई दिल्ली ।

टाटा कैपिटल हेल्थकेयर फंड 2 (टीसीएचएफ) वर्तमान में अपनी योजनाओं को मजबूती दे रहा है जिसे 13 करोड़ डॉलर फंड के शेष हिस्से के साथ निवेश करने के माध्यम से साबित किया गया है। टीसीएचएफ 2 ने साल 2023-24 में स्वास्थ्य क्षेत्र के 17 लाख लाभार्थियों को सहायता पहुंचाई और 41 नई नौकरियां के अवसर प्रदान किए हैं। टीसीएचएफ 2 के एक अे धिकारी ने बताया कि फंड अब अपनी योजनाएं पुख्ता कर रहा है ताकि फंड 3 के लिए तैयार हो सके। उन्होंने टीसीएचएफ 2 के सह-निवेशकों के साथ निवेश योजनाएं तैयार करने का वादा किया है। उन्होंने बताया कि टीसीएचएफ 1 के सफल विनिवेशान के बाद टीसीएचएफ 2 ने भारतीय स्वास्थ्य सेवाओं के आवश्यकताओं पर ध्यान देते हुए सफलता प्राप्त कर लिए हैं। फंड ने अपने निवेशों से औसतन दो से ढाई गुना रिटर्न कमाया है। टीसीएचएफ 2 ने अब तक 9 कंपनियों में निवेश किया है जिसमें लाइनक्स लैबोरेटरीज, साकार हेल्थकेयर, ऑर्बिक्युलर फार्मास्युटिकल्स टेक्नोलॉजिज, अतुल्य हेल्थकेयर, एंडरसन डायग्नोस्टिक्स, डीपटेक, एपेक्स किडनी केयर, मुंबई ऑन्कोकेयर सेंटर और नोबल प्लस फार्मेसी ऐंड स्किन केयर शामिल हैं। टाटा कैपिटल हेल्थकेयर फंड 2 के सफलतापूर्वक निवेश की स्टोरी ने स्वास्थ्य क्षेत्र में बदलाव की सीधी दिशा में कदम बढ़ाया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऋषभ पंत ने लखनऊ सुपर जायंट्स में शामिल होने के बाद दिल्ली कैपिटल्स और फैंस का किया धन्यवाद

पर्थ (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स के पूर्व कप्तान ऋषभ पंत ने फ्रैंचाइजी को अलविदा कहते हुए इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट शेयर किया। पंत ने फ्रैंचाइजी में अपने शानदार 9 साल के सफर को याद किया और लखनऊ सुपर जायंट्स में शामिल होने से पहले प्रशंसकों का धन्यवाद किया। पंत 27 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड बोली के साथ लखनऊ स्थित टीम में शामिल हुए।

सनराइजर्स हैदराबाद, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, लकनऊ और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मेगा-नीलामी में खिलाड़ी के लिए होड़ लगी हुई थी। दिल्ली ने आखिरी समय में राइट टू मैच का इस्तेमाल किया, लेकिन लखनऊ की 27 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड बोली भारी पड़ गई।

ऋषभ पंत ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'अलविदा कहना कभी आसान नहीं होता। दिल्ली कैपिटल्स के साथ मेरा सफर कमाल का रहा है। मैदान पर रोमांच से लेकर मैदान के बाहर के पलों तक, मैं उन तरीकों से आगे बढ़ा हूं जिसकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। मैं यहां एक किशोर के रूप में आया था और पिछले 9 सालों में हम साथ-साथ बड़े हुए।'

पंत आगे लिखते हैं, 'इस सफर को सार्थक बनाने वाली चीज आप प्रशंसक हैं। आपने मुझे गले लगाया, मेरा हौसला बढ़ाया और मेरे जीवन के सबसे मुश्किल दौर में मेरे साथ खड़े रहे। जैसे-जैसे मैं आगे बढ़ रहा हूं, मैं आपके प्यार और समर्थन को अपने दिल में रखता हूं। मैं जब भी मैदान पर उतरूंगा, आपका मनोरंजन करने के लिए उत्सुक रहूंगा। मेरा परिवार बनने और इस सफर को इतना खास बनाने के लिए आपका शुक्रिया।'

ऋषभ पंत लखनऊ की टीम की कप्तानी कर सकते हैं जिसने मेगा-नीलामी से पहले केएल राहुल को रिलीज कर दिया। पंत से लखनऊ की प्लेइंग इलेवन में जान फूंकने की उम्मीद है, जो पिछले सीजन में शीर्ष क्रम से प्रेरणा पाने में विफल रही थी।

आईपीएल मेगा नीलामी : किस टीम ने किस प्लेयर को खरीदा, देखें पूरी लिस्ट

जेद्दा (सऊदी अरब) (एजेंसी)। सऊदी अरब के जेद्दा में हुई इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 की मेगा नीलामी में सभी 10 आईपीएल फ्रैंचाइजियों ने खूब खरीदारी की। सीजन के लिए कुल 577 खिलाड़ियों (367 भारतीय, 210 विदेशी) के लिए बोली लगी थी। पिछले साल 24.75 करोड़ में बिकने वाले मिशेल स्टार्क को इस बार आधे से भी कम कीमत पर खरीदा गया है। केएल राहुल को दिल्ली कैपिटल्स ने 14 करोड़ रुपए में खरीदा है और अब ऋषभ पंत भी उनके पास नहीं है तो ऐसे में उन्हें कप्तानी मिलने की भी संभावना है। इससे पहले पिछले सीजन में वह लखनऊ सुपर जाइंट्स की कप्तानी कर चुके हैं।

चेन्नई सुपरकिंग्स

रुतुराज गायकवाड़, मथीश पथिराना, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, एमएस धोनी, डेवोन कॉनवे, राहुल त्रिपाठी, रचिन रवींद्र, आर. अश्विन, खलील अहमद, नूर अहमद, विजय शंकर, सैम कुरेन, शेख रशीद, अंशुल कंबोज, मुकेश चौधरी, दीपक हुडा, गुरजापनीत सिंह, नाथन एलिस, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्ण घोष, श्रेयस गोपाल, वंश बेदी, आद्रे सिद्दार्थ।

मुंबई इंडियन्स

जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या, रोहित शर्मा, तिलक वर्मा, ट्रेंट बोल्ट, नमन धीर, रॉबिन मिंज, कर्ण शर्मा, रयान रिकेल्टन, दीपक चाहर, अल्लह गजांफर, विल जैक्स, अश्विनी कुमार, मिशेल सेंटनर, रीस टॉपले, कृष्णन श्रीजीत, राज अंगद बावा, सत्यनारायण राजू, बेवॉन जैकब्स, अर्जुन तेंदुलकर।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

विराट कोहली, रजत पाटीदार, यश दयाल, लियाम लिविंगस्टोन, फिल साल्ट, जितेश शर्मा, जोश हेजलवुड, रसिख डार, सुयश शर्मा, क्रुणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, स्वप्निल सिंह, टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, नुवान तुषारा, मनोज भंडागे, जैकब बेथेल, देवदत्त पडिक्कल, स्वास्तिक चिकारा।

कोलकाता नाइट राइडर्स

रिंकू सिंह, वरुण चक्रवर्ती, सुनील नरेन, आद्रे रसेल, हर्षित राणा, रमनदीप सिंह, वेंकटेश अय्यर, क्विंटन डी कॉक, रहमानुल्लाह गुरबाज़, एनरिक नॉर्टजे, अंगकृष रघुवंशी, वैभव अरोड़ा, मयंक मार्कंडेय, रोवमैन पॉवेल, मनीष पांडे, स्पेंसर जॉनसन, लवनिथ सिसौदिया, अजिंक्य रहाणे, अनुकूल रॉय, मोईन अली, उमरान मलिक।

सनराइजर्स हैदराबाद

पैट कमिंस, अभिषेक शर्मा, नितीश रेड्डी, हेनरिक क्लासेन, ट्रैविस हेड, मोहम्मद शमी, हर्षल पटेल, इशान किशन, राहुल चाहर, एडम जम्पा, अथर्व ताइदे, अभिनव मनोहर, सिमरजीत सिंह, जीशान अंसारी, जयदेव उनादकट, ब्रायडन कार्से, कामिंदु मेंडिस, अनिकेत वर्मा, ईशान मलिंगा, सचिन बेबी।

राजस्थान रॉयल्स

संजू सैमसन, यशस्वी जयसवाल, रियान पराग, ध्रुव जुरेल, शिमरोन हेटमायर, संदीप शर्मा, जोफ्रा आर्चर, महेश थीक्षाना, वानिंदु हसरंगा, आकाश मधवाल, कुमार कार्तिकेय, नितीश राणा, तुषार देशपांडे, शुभम दुबे, युद्धवीर सिंह, फजलहक फारूकी, वैभव सूर्यवंशी, क्रेना मफाका।

पंजाब किंग्स

शशांक सिंह, प्रभसिमरन सिंह, अर्शदीप सिंह, श्रेयस अय्यर, युजवेंद्र चहल, मार्कस स्टोइनिस, ग्लेन मैक्सवेल, नेहल वढेरा, हरप्रीत बरार, विष्णु विनोद, विजयकुमार विशक, यश ठाकुर, मार्को यानसन, जोश इंगलिस, लॉकी फर्ग्यूसन, अजमतुल्लाह उमरजई, हरनूर पन्नू, कुलदीप सेन, प्रियांश आर्य, एरोन हार्डी, मुशीर खान, सूर्यांश शेडगे, जेवियर बार्टलेट, पाइला अविनाश, प्रवीण दुबे।

दिल्ली कैपिटल्स

अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, ट्रिस्टन स्टब्स, अभिषेक पोरेल, मिशेल स्टार्क, केएल राहुल, हैरी ब्रूक, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, टी. नटराजन, करुण नायर, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, मोहित शर्मा, फाफ डु प्लेसिस, मुकेश कुमार, दर्शन नालकांडे, वी. निगम, दुष्मंथा चमीरा, डोनोवन फरेरा, अजय मंडल, मनवंत कुमार, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी।

गुजरात टाइटंस

राशिद खान, शुभमन गिल, साई सुदर्शन, राहुल तेवतिया, शाहरुख खान, कैगिसो रबाडा, जोस बटलर, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, निशांत सिंधु, महिपाल लोमरोर, कुमार कुशाग्र, अनुज रावत, मानव सुथार, वाशिंगटन सुंदर, गेराल्ड कोएत्जी, अरशद खान, गुरनूर बरार, शेरफेन रदरफोर्ड, साई किशोर, ईशांत शर्मा, जयंत यादव, ग्लेन फिलिप्स, करीम जनत।

लखनऊ सुपर जायंट्स

ऋषभ पंत, निकोलस पूरन, रवि बिश्नोई, मयंक यादव, मोहसिन खान, आयुष बडोनी, ऋषभ पंत, डेविड मिलर, एडेन मारक्रम, मिशेल मार्श, अवेश खान, अब्दुल समद, आर्यन जुयाल, आकाश दीप, हिम्मत सिंह, एम. सिद्धार्थ, दिग्वेश सिंह, शाहबाज अहमद, आकाश सिंह, शमर जोसेफ, प्रिंस यादव, युवराज चौधरी, राजवर्धन हंगरगेकर, अर्शिन कुलकर्णी, मैथ्यू ब्रीट्जके।

आईसीसी 29 नवंबर को करेगा अहम बैठक, चैंपियन्स ट्रॉफी पर लिया जाएगा फैसला

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का बोर्ड अगले साल फरवरी-मार्च में पाकिस्तान में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए 29 नवंबर को वर्चुअल (ऑनलाइन) बैठक करेगा। टूर्नामेंट का कार्यक्रम घोषित करने में काफी विलंब हो चुका है। देरी का कारण भारत द्वारा दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों को देखते हुए पाकिस्तान में खेलने से इनकार करना है।

भारत ने 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के बाद से पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चाहता है कि टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल में खेला जाए जिसमें भारत के मुकाबले किसी तीसरे देश में आयोजित किए जाएं। इस पर अब तक पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने सहमति नहीं जताई है। आईसीसी के प्रवक्ता ने मंगलवार को पीटीआई को बताया, 'आईसीसी बोर्ड चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम पर चर्चा करने के लिए 29 नवंबर को बैठक करेगा।'

यह महत्वपूर्ण वर्चुअल बैठक बीसीसीआई सचिव जय शाह के एक दिसंबर को आईसीसी अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने से दो दिन पहले हो रही है। वह और बोर्ड के अन्य सदस्य नए पदाधिकारियों के कार्यभार संभालने से पहले मामले को सुलझाने के इच्छुक होंगे।

वेंकटेश को टीम में रखना हमारी प्राथमिकता में शामिल था इसलिए पूरा जोर लगा दिया: ब्रावो

मुम्बई (एजेंसी)। जेद्दा - कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मेंटर (मार्गदर्शक) और वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो ने आईपीएल खिताब जीतने वाली टीम के 'मुख्य खिलाड़ियों' को बरकरार रखने के इरादे से वेंकटेश अय्यर को अपने साथ जोड़ने के लिए 'पूरी ताकत लगाने' की टीम की रणनीति का बचाव किया है।

केकेआर के लिए कप्तानी के संभावित दावेदार के रूप में देखे जाने वाले वेंकटेश को टीम के साथ जोड़ने ने आलोचनाओं को जन्म दिया है कि अगर उन्हें नेतृत्व दिया जाना टीम प्रबंधन की योजना का हिस्सा था तो उन्हें रिटेन (टीम के साथ बरकरार रखना) क्यों नहीं किया गया। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के साथ चार आईपीएल खिताब जीतने वाले ब्रावो ने कहा, 'वैंकी (वेंकटेश अय्यर) को

जोड़ना हमारे लिए मुख्य प्राथमिकताओं में से एक था, जैसा कि आप देख सकते हैं हमने उसके लिए पूरा जोर लगा दिया।' उन्होंने कहा, 'यह अच्छा है हमारे पास चैंपियनशिप जीतने वाली टीम के 90 प्रतिशत खिलाड़ी हैं। यह अपने आप में सकारात्मक संकेत है। जब आप शुरू से टीम तैयार करते हैं तो यह महत्वपूर्ण है कि आप अपने मुख्य खिलाड़ियों को बरकरार रखें, संयोजन तैयार करना काफी जटिल होता है।'

भारत के लिए 9 टी20 अंतरराष्ट्रीय और 2 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय खेलने वाले मध्य प्रदेश के 29 वर्षीय ऑलराउंडर वेंकटेश को केकेआर ने 23.75 करोड़ रुपए में खरीदा। वह सोमवार को यहां संपन्न दो दिवसीय आईपीएल नीलामी में तीसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बने। सिर्फ ऋषभ पंत (लखनऊ, 27 करोड़) और श्रेयस अय्यर (पंजाब, 26.75 करोड़ रुपये) के लिए उनसे अधिक बोली लगी।

ब्रावो तूफानी तेज गेंदबाज उमरान मलिक के केकेआर से जुड़ने को लेकर भी रोमांचित हैं। उन्होंने कहा, 'वह जिस गति से गेंदबाजी करता हैं, मैं हमेशा उसकी सराहना करता हूं। उसकी कड़ी मेहनत, ऊर्जा और सभी चीजें। खुशी है कि हम उसे अपने साथ जोड़ पाए।'

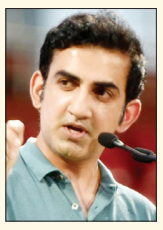

गंभीर अचानक स्वदेश लौटे

पर्थ। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर आचानक ही ऑस्ट्रेलिया दौरा छोड़कर स्वदेश लौट गये हैं। गंभीर के इस प्रकार स्वदेश लौटने का कारण परिवार में किसी आपात स्थिति को बताया गया है। गंभीर अब कैनबरा में 30 नवंबर से होने वाले दो दिवसीय दिन रात के अभ्यास मैच के अलावा छह दिसंबर से एडीलेड में होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच तक भी टीम से नहीं जुड़ पायेंगे। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'वह मंगलवार की सुबह भारत के लिए रवाना हो गए। यह एक निजी आपात स्थिति थी। वह एडीलेड में दूसरे टेस्ट से पूर्व लौट आएंगे। वहीं भारतीय टीम 27 नवंबर को कैनबरा रवाना होगा जहां पूरी टीम ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीस द्वारा उनके सम्मान में दिये जाने वाले समारोह में भाग लेगी। दो दिवसीय मैच दिन रात के दूसरे टेस्ट की तैयारी के लिए काफी अहम माना जा रहा है। इसमें गुलाबी कूकाबूरा गेंद का प्रयोग होगा। इस दौरान प्रधानमंत्री एकादश की कप्तानी हरफनमौला जैक एडवर्डस करेंगे जबकि टीम में कई युवा खिलाड़ियों के साथ ही स्कॉट बोलैंड और मैथ्यू रे नशॉ जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं।

सूर्यवंशी को निखरने के लिए राजस्थान रॉयल्स में अच्छा माहौल मिलेगा : राहुल द्रविड़

जेद्दा। राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी सत्र में उनकी टीम 13 वर्ष के वैभव सूर्यवंशी को निखरने के लिए अच्छा माहौल दे सकती है। बिहार के समस्तीपुर जिले के आठवीं कक्षा के छात्र सूर्यवंशी को रॉयल्स ने 1.10 करोड़ रुपए में खरीदा और वह आईपीएल करार पाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने। द्रविड़ ने आईपीएल द्वारा जारी वीडियो में कहा, 'मुझे लगता है कि उसमें अच्छा कौशल है और हमें लगा कि उसके विकास के लिए हम अच्छा माहौल दे सकते हैं। वह हमारे ट्रायल के लिए आया था और उसे देखकर हमें बहुत खुशी हुई।' नीलामी में सूर्यवंशी का बेसप्राइज 30 लाख रुपए था और दिल्ली कैपिटल्स ने पहली बोली लगाई। राजस्थान ने दिल्ली को पछाड़कर इस खिलाड़ी को खरीदा। सूर्यवंशी ने हाल ही में चेन्नई में आस्ट्रेलिया अंडर 19 टीम के खिलाफ भारत अंडर 19 टीम के लिये युवा टेस्ट में शतक जमाया था और वह यह श्रेय हासिल करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी बने। सूर्यवंशी ने उस मैच में 62 गेंद में 104 रन बनाए थे। उन्होंने राजस्थान के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शनिवार को बिहार के लिए टी20 क्रिकेट में पदार्पण करके छह गेंद में 13 रन बनाए। जूनियर सर्किट पर चर्चा में रहे सूर्यवंशी ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में कोई बड़ी पारी नहीं खेली है। उन्होंने पांच मैचों में 10 की औसत से रन बनाए हैं। बिहार के समस्तीपुर के रहने वाले सूर्यवंशी ने मुंबई के खिलाफ 2023-24 रणजी ट्रॉफी सत्र में पदार्पण किया जब आधिकारिक रिकॉर्ड में उनकी उम्र 12 वर्ष 284 दिन थी जिससे वह टूर्नामेंट के इतिहास के सबसे युवा खिलाड़ी बने। उन्होंने 12 वर्ष की उम्र में बिहार के लिये वीनू मांकड़ ट्रॉफी खेलकर पांच मैचों में 400 के करीब रन बनाये थे।

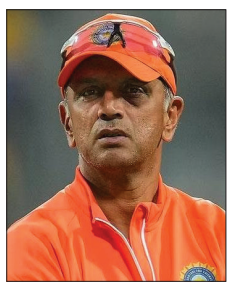

एडीलेड टेस्ट के लिए टीम में बदलाव नहीं करेगा ऑस्ट्रेलिया, मार्श की फिटनेस पर नजरें : मैकडोनाल्ड

पर्थ (एजेंसी)। आस्ट्रेलिया के कोच और चयनकर्ता एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा है कि पहले टेस्ट में भारत के हाथों 295 रन से हारने वाली टीम में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा हालांकि हरमनमौला मिचेल मार्श की फिटनेस को लेकर चिंताएं हैं। मैकडोनाल्ड ने बताया कि उनकी टीम छह दिसंबर से शुरू हो रहे दिन रात के टेस्ट के लिये पूर्व निर्धारित कार्यक्रम से पहले ही एडीलेड पहुंचेंगी ताकि अतिरिक्त अभ्यास कर सके।

उन्होंने कहा, 'पर्थ टेस्ट के लिए जो लोग चेंज रूम में थे, वही एडीलेड में भी होंगे। बदलाव करने पर हमेशा विचार होता है लेकिन हालात के अनुसार टीम चुनी जाती है।' सितंबर में इंग्लैंड के सीमित ओवरों के दौरे के बाद से फिटनेस समस्या से जूझ रहे मार्श ने

पहले टेस्ट में सिर्फ 17 ओवर डाले और तीन विकेट लिए। मैकडोनाल्ड ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि पहले टेस्ट में उसका प्रदर्शन संतोषजनक नहीं था। हमें उसकी फिटनेस पर नजर रखनी होगी।' पिछली दस टेस्ट पारियों में 13.66 की औसत से ही रन बना सके मार्नस लाबुशेन का बचाव करते हुए उन्होंने कहा, 'खिलाड़ियों के करियर के उतार-चढ़ाव पर लगातार बात होती रहती है। खराब दौर आते हैं लेकिन वह जल्दी ही फॉर्म में लौटेगा। हमें उसकी क्षमता पर यकीन है। वह ऐसा खिलाड़ी है जिसकी हमें जरूरत है।' मैकडोनाल्ड ने करारी हार के बावजूद टीम के मजबूत मनोबल की बात की। उन्होंने कहा, 'हमें इस हार की जिम्मेदारी लेनी होगी। हम कोचों को भी। इस हार के बावजूद टीम का मनोबल ऊंचा है। हमारी रणनीति सही थी लेकिन उस पर अमल नहीं हो सका।'

पिछले एक दशक में खेलों का तेजी से विकास हुआ : बिंद्रा

गुड़गांव (एजेंसी)। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने कहा कहा है कि पिछले एक दशक में देश में खेलों का तेजी से विकास हुआ है और खेल में नई-नई प्रतिभाएं उभरी है। अब इस खेल में जो प्रतिभाएं आ रही हैं उनमें गहराई भी है। जिस प्रकार की सफलता मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में हासिल की उससे ये साबित हुआ है। मनु ने ओलंपिक निशाने बाजी में दो कांस्य पदक जीत थे। बिंद्रा ने में कहा, 'निशानेबाजी के खेल में भारत में आज जैसी प्रतिभा है, वह इस किसी अन्य खेल में नहीं है। राष्ट्रीय स्तर और विश्व स्तर पर बहुत से निशानेबाज अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। यह स्पष्ट रूप से दिखाता है कि पिछले एक दशक में इस खेल ने कितनी अधिक प्रगति की है। पेरिस खेलों में भारतीय निशानेबाजों ने जबरदस्त प्रदर्शन कर इससे साबित किया था। पेरिस में मनु के अलावा सरबजोत सिंह और स्वप्निल कुसाले ने भी कांस्य पदक जीते थे। बिंद्रा ने कहा, 'कुछ समय के लिए ऐसा भी समय रहा जब दो ओलंपिक में हम कोई पदक नहीं जीत पाए थे हालांकि असफलता भी खेल का ही हिस्सा है। इससे एथलीटों और महासंघ ने सबक सीखा है जिसके कारण ही हमें पेरिस में अच्छे परिणाम मिले। बिंद्रा ने कहा कि भविष्य के ओलंपिक खेलों में इसी तरह के प्रदर्शन को जारी रखने के लिए रणनीतिक योजना और बारिकियों पर अधिक ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि यह लय जारी रहेगी और रणनीतिक योजना जारी रहेगी। छोटी-छोटी चीजें बहुत मायने रखती हैं, उनका ध्यान रखना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि देश निशानेबाजी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करता रहेगा। गौरतलब है कि साल 2026 राष्ट्रमंडल खेलों ने निशानेबाजी, हॉकी, क्रिकेट और

कुश्ती को अपने कार्यक्रम से हटा दिया है जिससे ग्लास्गो में भारत की पदक संभावनाओं को झटका लगा है पर बिंद्रा का मानना है कि इन खेलों में एक बार फिर निशानेबाजी को शामिल किये जाने की उम्मीद उन्हें है।

वैभव के पिता ने उम्र संबंधी धोखाधड़ी के आरोपों को गलत बताया

पटना। बिहार के 13 साल के किशोर वैभव सूर्यवंशी को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में राजस्थान रॉयल्स ने 1.1 करोड़ रुपए में खरीदा है। वैभव अब आईपीएल के लिए शामिल सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गये हैं। वैभव ने इससे पहले कहा था कि वह सितंबर 2023 में 14 साल के हो जाएंगे। इस पर उन्होंने कहा था कि 27 सितंबर 2023 को मैं 14 साल को हो जाउंगा। वहीं आधिकारिक रिकॉर्ड में उनकी जन्मतिथि 27 मार्च 2011 है। इसके बाद से ही उन पर उम्र संबंधी धोखाड़ी के आरोप लगने लगे हैं। इस पर अब वैभव के पिता संजीव सूर्यवंशी का बयान सामने आया है। संजीव ने कहा, जब वह साढ़े आठ साल का था, तब उसने पहली बार बीसीसीआई के बोन टेस्ट के लिए आवेदन किया था। वह पहले ही भारत अंडर-19 खेल चुका है। हमें किसी से डर नहीं है। वह फिर से आयु परीक्षण से गुजर सकता है। बिहार के समस्तीपुर के रहने वाले वैभव ने इस साल की शुरुआत में मुंबई के खिलाफ अपने प्रथम श्रेणी पदार्पण के बाद से अब तक पांच रणजी ट्रॉफी खेलों में भाग लिया है। उन्होंने हाल ही में 23 नवंबर को राजस्थान के खिलाफ अपना टी20 डेब्यू भी किया था। इससे पहले वैभव सूर्यवंशी ने भी ट्रायल में भाग लिया था और युवा खिलाड़ी के पिता ने खुलासा किया कि राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने उन्हें एक ओवर में 17 रन बनाने को कहा था। संजीव ने कहा, राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें नागपुर में ट्रायल के लिए बुलाया था। विक्रम राठौर सर ने मैच की स्थिति बताई, जिसमें उन्हें एक ओवर में 17 रन बनाने थे। इस पर वैभव ने 3 छक्के मारे। ट्रायल में उन्होंने आठ छक्के और चार चौके मारे। वह सिर्फ क्रिकेट खेलना चाहता है और कुछ नहीं। संजीव ने कहा, वो अब सिर्फ हमारा नहीं, पूरे बिहार का बेटा है। मेरे बेटे ने कड़ी मेहनत की है। 8 साल की उम्र में उसने अंडर-16 डिस्ट्रिक्ट ट्रायल में बेहतरीन प्रदर्शन किया। मैं उसे क्रिकेट कोचिंग के लिए समस्तीपुर ले जाता था और फिर वापस भी ले आता था।

पहलवान साक्षी मलिक के घर आई नन्हीं मेहमान, 3 बार की ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट पर रखा बेटी का नाम

नई दिल्ली। पहलवान साक्षी मलिक ने बेटी को जन्म दिया है, इसकी जानकारी उन्होंने इंस्टाग्राम के माध्यम से दी। पोस्ट में साक्षी मलिक ने बेटी के नाम का भी खुलासा किया। साक्षी ने अपने बेटी का नाम 3 बार की ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट और 13 बार की वर्ल्ड चैंपियनशिप विजेता साओरी योशिदा पर रखा है। बता दें कि, साक्षी ने बेटी को जन्म 11 नवंबर को दिया था। साक्षी ने अपने पोस्ट में लिखा कि, Proud Parents साक्षी और सत्यव्रत को ईश्वर के आशीर्वाद के रूप में पुत्री धन की प्राप्ति हुई है। योशिदा कादियान ये पोस्ट साक्षी मलिक के पति सत्यव्रत कादियान के इंस्टाग्राम हैंडल से शेयर की गई। बेटी के जन्म पर साक्षी मलिक और सत्यव्रत कादियान को कई लोगों ने बधाई दी।

अतीत के संघर्षों ने हर हालात का सामना करने का आत्मविश्वास दिया: यशस्वी जायसवाल

पर्थ (एजेंसी)। पर्थ - क्रिकेट खेलने का सपना पूरा करने के लिये उत्तर प्रदेश से 11 बरस की उम्र में ट्रेन पकड़कर मुंबई पहुंचे यशस्वी जायसवाल मैदानकर्मियों के साथ टेंट में रहे और रात को पानी पुरी बेचकर अपना गुजारा चलाया लेकिन अतीत के इन संघर्षों ने उन्हें मैदान के भीतर और बाहर हर लड़ाई के लिए तैयार कर दिया। कारपेट बनाने के लिये मशहूर भदोही से आस्ट्रेलिया के पर्थ तक जायसवाल का सफर उनकी लगन, प्रतिबद्धता और जिजीविषा की कहानी कहता है। इन संघर्षों से मिले अनुभव का इस्तेमाल वह मैदान के भीतर और बाहर की हर लड़ाई जीतने के लिए कर रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां पहले टेस्ट में शानदार शतक जमाने वाले जायसवाल को विराट कोहली के बाद भारतीय बल्लेबाजी का अगला सितारा माना जा रहा है। जायसवाल ने कहा, 'यह ऐसी चीज है (अपनी कहानी) जो मुझे आत्मविश्वास देती है कि मैं किसी भी स्थिति से बाहर निकल सकता है। मैं हमेशा संघर्ष का सामना करने को तैयार रहता हूं। मुझे चुनौतियों का सामना करने में मजा आता है और मैं हर लड़ाई जीतना चाहता हूं।'

22 वर्ष के इस बल्लेबाज ने कहा, 'इससे मैं यही सीखता हूं और मुझे लगता है कि मैं खुशकिस्मत हूं कि ऐसी जिंदगी मिली जिससे मुझे खुद के बारे में सीखने का मौका और आत्मविश्वास मिला। जीवन में अलग अलग तरह की चुनौतियों का सामना करने का हौसला मिला। यह अद्भुत है और मैं जो कुछ भी कर रहा हूं, उसके लिए ईश्वर को धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं वही कर रहा हूं जिससे मुझे प्यार है। मैं हर गेंद का मजा लेना चाहता हूं।'

पर्थ में पहली पारी में खाता भी नहीं खोल पाने के बाद दूसरी पारी में शतक पूरा होने के बाद अलग अंदाज में जश्न के बारे में पूछने पर जायसवाल ने कहा, 'मैंने अलग अंदाज में शतक पूरा किया। मैं दिमाग में कुछ और सोच रहा था और अचानक कुछ और हो गया, जिसके बाद मैं सोच रहा था कि अब क्या करूं।'

उन्होंने कहा, 'मैंने फिर सोचा, चलो ठीक है। मैं इस पल का मजा लेता हूं। मैं भाग्यशाली हूं और यह अनुभव मेरे साथ हमेशा रहेगा। मैंने अपने सभी प्रियजनों और प्रशंसकों को चुंबन दिया। मैं इसके जरिए अपना प्यार उन तक पहुंचाना चाहता था।' उन्होंने कहा, 'मैंने वाट्सअप पर अपने परिवार को कॉल किया और उनके साथ भी जश्न का हिस्सा बना। मेरा भाई मुझसे हमेशा क्रिकेट के बारे में बात करता है।' भारत ने पहला टेस्ट 295 रन से जीता जिसमें जायसवाल ने दूसरी पारी में 161 रन बनाए थे।

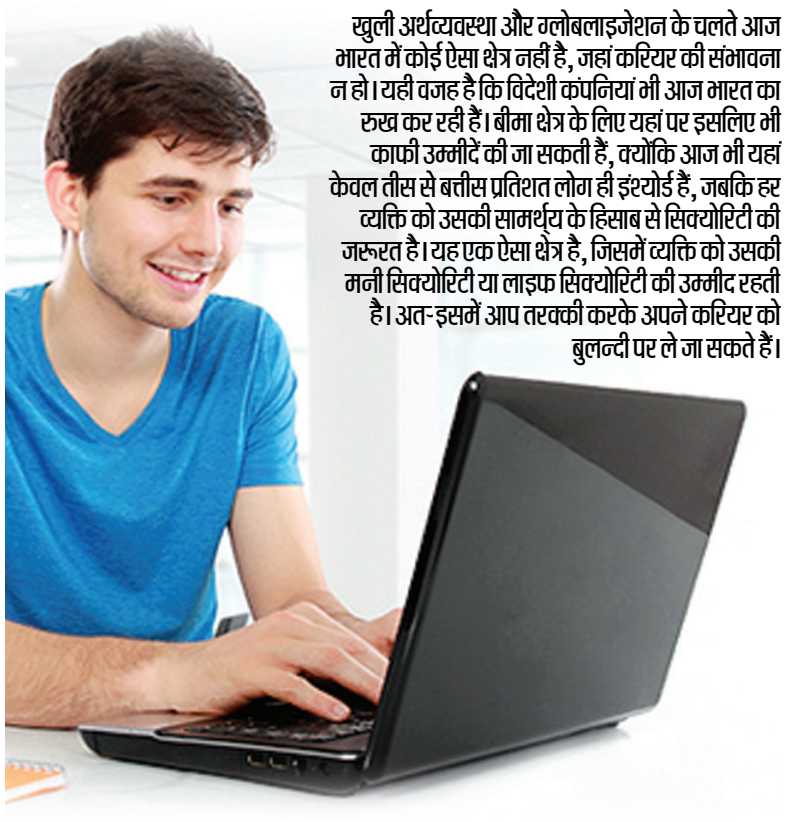

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

खुली अर्थव्यवस्था और ग्लोबलाइजेशन के चलते आज भारत में कोई ऐसा क्षेत्र नहीं है, जहां करियर की संभावना न हो। यही वजह है कि विदेशी कंपनियां भी आज भारत का रुख कर रही हैं। बीमा क्षेत्र के लिए यहां पर इसलिए भी काफी उम्मीदें की जा सकती हैं, क्योंकि आज भी यहां केवल तीस से बत्तीस प्रतिशत लोग ही इंश्योर्ड हैं, जबकि हर व्यक्ति को उसकी सामर्थ्य के हिसाब से सिक्योरिटी की जरूरत है। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें व्यक्ति को उसकी मनी सिक्योरिटी या लाइफ सिक्योरिटी की उम्मीद रहती है। अत-इसमें आप तरक्की करके अपने करियर को बुलन्दी पर ले जा सकते हैं।

इंश्योरेन्स करियर की सिक्योरिटी

मार्केटिंग के इस दौर में हर काम को व्यवसाय की दृष्टि से देखा जा रहा है। यही कारण है कि पहले की अपेक्षा लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है और तकरीबन हर व्यक्ति रोटी, कपड़ा और मकान से निकल कर आगे की सोचने लगा है। अब हर किसी की चाहत रहती है कि वह एक स्टैण्डर्ड लाइफ जिए तथा हर तरह की सुविधाओं के अतिरिक्त उसके पास बैंक बैलेन्स और लाइफ सिक्योरिटी हो। ऐसे में इंश्योरेन्स सेक्टर एक ऐसा सेक्टर है, जो व्यक्ति की दोनों आवश्यकताओं की पूर्ति का दावा करता है। भारत में आज भी बहुत कम लोग बीमित हैं। यही कारण है कि आज विभिन्न कंपनियों के साथ बैंक भी इस क्षेत्र में अपने पैर पसार रहे हैं।

एक सर्वे के अनुसार, पिछले दस-बारह सालों में इंश्योर्ड यानी बीमित लोगों की संख्या दोगुनी के करीब हुई है अर्थात् भारत में इंश्योरेन्स सेक्टर का पदार्पण काफी पहले होने के बाद भी इस क्षेत्र में उतनी तरक्की नहीं हुई, जितनी कि वर्ष 2000 के बाद हुई और इस संख्या में लगातार वृद्धि होती जा रही है। सर्वे के मुताबिक कुल बीमित व्यक्तियों की संख्या में हर साल करीब दस प्रतिशत लोग नए जुड़ जाते हैं और यह अनुमान लगाया जा रहा है कि आने वाले पन्द्रह वर्षों में भारत में करीब साठ प्रतिशत लोग बीमित हो सकते हैं। अगर आप क्रिएटिव माइंड के हैं और पॉजीटिव सोच रखते हैं तो इंश्योरेंन्स के दरवाजे आपके लिए खुले हुए हैं। इस क्षेत्र में अपार संभावनाओं का भरोसा इसलिए भी बढ़ जाता है, क्योंकि आज भी देहातों में इंश्योरेन्स के प्रति लोगों में जागरुकता का खासा अभाव है। हालांकि जब से इंश्योरेन्स कम्पनियों ने छोटे शहरों और कस्बों की ओर रुख किया है, तब से काफी हद तक लोग इंश्योरेन्स को सही मायनों में समझने लगे हैं। लेकिन कम सर्विस और पहुंच के अभाव में अभी भी अधिकतर लोगों को इंश्योरेन्स की उतनी जानकारी नहीं है, जितनी होनी चाहिए। ऐसे पिछड़े क्षेत्रों में इंश्योरेन्स बेचने और वहां के अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचने, उन्हें जागरुक करने के लिए सभी इंश्योरेन्स कम्पनियों को कर्मठ और योग्य लोगों की जरूरत रहती है। एक कम्पनी के ट्रेनिंग मैनेजर अजय कुमार बताते हैं कि 'एशियाई देशों में बहुत कम लोग इंश्योर्ड हैं, जबकि आज हर किसी को हाई रिस्क सेफ्टी की जरूरत है। एक सर्वे के अनुसार, हमारे देश में कुल बीस प्रतिशत लोग इंश्योर्ड थे। आज यह आंकड़ा बढ़कर करीब तीस से बत्तीस प्रतिशत तक पहुंच चुका है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि भारत में इंश्योरेन्स सेक्टर में अपार संभावनाएं हैं। वर्ष 2000 तक भारत में काफी कम कम्पनियां इस सेक्टर से जुड़ी थीं, जबकि आज करीब 47 कम्पनियां लाइफ इंश्योरेन्स और जनरल इंश्योरेन्स से जुड़ी हैं, जिनमें लाइफ इंश्योरेन्स करने वाली कम्पनियों की संख्या ज्यादा है। इसके अलावा कुछ बैंक भी इस सेक्टर से जुड़ चुके हैं। इधर विदेशी कम्पनियों ने भी अपने व्यवसाय जमाने शुरू कर दिए हैं।

यदि आप भी मार्केटिंग से जुड़े हैं या जुड़ना चाहते हैं तो इंश्योरेन्स में आपके लिए अपार संभावनाएं हैं। इंश्योरेन्स सेक्टर में आपने कोई कोर्स किया हो अथवा नहीं, आप इस क्षेत्र में पदार्पण कर सकते हैं। यही एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें आप बिना किसी स्पेशल कोर्स के भी कम से कम बतौर एजेन्ट आगे बढ़ सकते हैं। किसी कम्पनी में बतौर एजेन्ट काम शुरू करना पहली सीढ़ी है, लेकिन जैसे-जैसे बिजनेस यानी आपका टारगेट पूरा होता जाता है, वैसे-वैसे प्रमोशन भी होता जाता है। इस क्षेत्र में किसी भी पद पर प्रमोशन के लिए कम से कम एक साल मिलता है। इसका मतलब यह हुआ कि कोई व्यक्ति हर वर्ष प्रमोशन की सीढ़ी चढ़ सकता है।

दूसरे सेक्टरों की अपेक्षा इंश्योरेन्स सेक्टर एकदम भिन्न है। दूसरे सेक्टरों में जहां काम करने के घंटे निर्धारित होते हैं, इसमें टाइम की कोई पाबंदी नहीं होती, बस आपको ग्राहक से अपनी डीलिंग के हिसाब से चलना पड़ता है। इस सेक्टर में मेहनती और ईमानदार वर्कर्स की बेहद कद्र होती है। इसके लिए जो लोग इस क्षेत्र में अपनी कम्पनी के अधिकतम टारगेट या उससे अधिक का बिजनेस देते हैं, कम्पनी उनको तरह-तरह के आकर्षक और कीमती पुरस्कारों के अतिरिक्त देश-विदेश यात्रा का मौका देती है। इस क्षेत्र में लड़के -लड़कियां दोनों ही अपना भविष्य संवार सकते हैं।

स्कॉलरशिप – कुछ संस्थानों में एससी/एसटी तथा विकलांग और कुछ में पिछड़ा वर्ग को स्कॉलरशिप का प्रावधान है। संबंधित संस्थानों के अपने नियम हैं।

नौकरी के अवसर – इंश्योरेन्स एंड मैनेजमेंट के लोग इंश्योरेन्स, बैकिंग, शेयर बाजार तथा इंश्योरेन्स सॉफ्टवेयर क्षेत्रों में नौकरी तलाश कर सकते हैं। जिन लोगों ने कोई कोर्स नहीं किया है, वे भी बतौर एजेन्ट या आईएसओ या बीडीओ या एक्जीक्यूटिव इस क्षेत्र में काम कर सकते हैं।

एजुकेशन लोन – उम्मीदवार संस्थान की प्रवेश स्वीकृति के उपरान्त एजुकेशन लोन ले सकते हैं। लगभग सभी बैंक इसके लिए लोन प्रदान करते हैं। अधिकतम दस लाख तक का लोन मिल सकता है।

वेतन – इंश्यारेंस से संबंधित कोर्स करने वाले व्यक्ति को पन्द्रह हजार से पचास हजार (फ्रेशर की स्थिति में) तथा चालीस से दो लाख तक अनुभव और कोर्स के हिसाब से प्रतिमाह मिल जाते हैं।

करियर की अपार संभावनाएं
होटल मैनेजमेंट

होटल इंडस्ट्री सीधे तौर पर पर्यटन से जुड़ी है, परन्तु पर्यटकों का आना ही काफी नहीं होता, उन्हें मिलने वाली सुविधाएं भी काफी महत्त्वपूर्ण होती हैं। उनकी गुणवत्ता के आधार पर ही पर्यटकों को इस ओर आकर्षित किया जा सकता है। इसके अलावा बढ़ते औद्योगीकरण ने भी होटल व्यवसाय को तेजी से बढ़ाने में मदद की है।

उदारीकरण के विस्तार में यह निश्चित है कि अर्थव्यवस्था की मजबूती इस क्षेत्र को भी नई ऊंचाइयां देगी। पर्यटन और होटल इंडस्ट्री की जुगलबंदी से न सिर्फ देश में, बल्कि विदेश में भी रोजगार के बेशुमार अवसर सामने आ रहे हैं। भारत की होटल इंडस्ट्री के लिए इसे स्वर्ण युग ही कहा जाएगा और इसमें करियर बनाने वालों के लिए यह अपार संभावनाओं का समय है।

यह ग्लैमर से भरपूर ऐसा पेशा है, जिसमें अच्छे व प्रशिक्षित लोगों की फिलहाल कमी है। कहने को तो अन्य क्षेत्रों की भांति इसमें भी रोजगार तलाशने वालों की कमी नहीं है, किन्तु ऐसे लोगों की कमी है, जो इस पेशे के लिए जरूरी योग्यताओं पर खरे उतरते हों। भारत में बढ़ रही व्यावसायिक गतिविधियों का आलम यह है कि यहां के होटलों में कमरे खाली नहीं मिलते। एशिया प्रशांत क्षेत्र में होटल इंडस्ट्री के विकास के मामले में भारत का नम्बर चीन के बाद दूसरा है। एक अनुमान के अनुसार भारत में होटलों में 1,10,000 से भी अधिक कमरे हैं। पर्यटन मंत्रालय के मुताबिक पिछले साल 41 लाख विदेशी पर्यटक भारत आए और इस साल के रुझान को देखते हुए लगता है कि यह संख्या एक करोड़ को भी पार कर जाएगी। देशी भ्रमणकारियों की भी बड़ी संख्या है। वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल, भारत के आंकड़े कहते हैं कि बिजनेस ट्रैवल के मामले में भारत का स्थान 18वां है और इस दशक में इसके पांचवें स्थान पर पहुंचने की उम्मीद है। इन बातों के आईने में यह साफ नजर आता है कि होटल मैनेजमेंट कोर्स करके इस क्षेत्र में करियर बनाना एक समझदारी भरा निर्णय हो सकता है।

होटल इंडस्ट्री में कैसा काम

होटल इंडस्ट्री में बतौर प्रशिक्षु कार्य करने से लेकर प्रबंधक बनने तक अनुभव व कार्य कौशल के कई चरणों से होकर गुजरना होता है। यह उम्मीदवार को तय करना पड़ता है कि किस विभाग के कार्य में उसकी विशेष रुचि है और आने वाले समय में उसका लक्ष्य क्या है। यह उसकी व्यक्तिगत योग्यता और व्यक्तित्व पर निर्भर करेगा कि उसे कैसा अवसर मिल पाता है। वैसे किसी भी होटल में प्रबंधक व तमाम विभागों की अलग-अलग जिम्मेदारियां होती हैं। कुछ पर नजर डालते हैं-

प्रबंधक

होटल के प्रबंधक इस बात के लिए जिम्मेदार होते हैं कि उनका होटल सुचारू रूप से चले और लाभ कमाए। महाप्रबंधक तो इस बारे में अपनी योग्यता का इस्तेमाल करते हैं कि वित्त की स्थिति ठीक रहे, कर्मचारी अतिथियों को स्तरीय सेवा प्रदान करने के साथ-साथ संस्थान के नियमों का भी पालन करें, हाउसकीपिंग ठीक हो, खाने का स्वाद व क्वालिटी ठीक हो, होटल की आंतरिक साज-सज्जा उच्च कोटि की हो इत्यादि। अलग-अलग विभागों के सहायक प्रबंधक अपने विभागों के कार्य पर निगरानी रखते हैं। बड़े होटलों में तो रेजिडेंट मैनेजर भी होते हैं।

फ्रंट ऑफिस

फ्रंट ऑफिस में बैठने वाले कर्मचारी होटल में आने वाले अतिथियों का स्वागत करते हैं। यहां रिसेप्शन होता है, सूचना डेस्क होता है, अतिथियों के लिए आरक्षण की व्यवस्था देखने वाले होते हैं और बेलकैप्टन, बेल बॉय और डोरमैन होते हैं। ये लोग अतिथियों का सामान उनके कमरे में पहुंचवाने से लेकर उनको सूचनाएं भिजवाने का कार्य करते हैं।

फूड एंड बेवरेज (एफ एंड बी)

इस विभाग में तीन ईकाइयां होती हैं- पाकशाला यानी किचन, स्टीवर्ड विभाग और फूड सर्विस विभाग। इस विभाग के मैनेजर और कर्मचारी मिल कर इस विभाग की जिम्मेदारियों को निपटाते हैं। खाना बनाने से लेकर परोसने तक का काम यहां होता है। इससे जुड़ी हर चीज का रख-रखाव करना होता है।

हाउसकीपिंग

किसी भी होटल को उम्दा किस्म की देखभाल की जरूरत होती है। हाउसकीपिंग विभाग सभी कमरों, मीटिंग हॉल, बैंक्वेट हॉल, लाउंज, लॉबी, रेस्तरां इत्यादि की साफ-सफाई की जिम्मेदारी उठाता है। हर चीज करीने से दिखनी चाहिए, यह इस विभाग के काम करने का मूलमंत्र है। यह होटल का बेहद महत्त्वपूर्ण विभाग है और 24 घंटे काम करता है। इसमें पालियों में काम होता है।

मार्केटिंग विभाग

आज होटल में उपलब्ध सेवाओं व सुविधाओं की मार्केटिंग होटल मैनेजमेंट का अहम पहलू है। यह विभाग संभावित ग्राहकों की जरूरतों के लिहाज से पैकेज तैयार करता है और उन्हें बेचता है। इनकी काबिलियत का ही प्रत्यक्ष लाभ होटल को मिलता है। बेहतर पैकेजिंग से आकर्षित होकर जितने ग्राहक आते हैं, वे होटल को न सिर्फ बिजनेस देते हैं, बल्कि दूसरों को भी बताते हैं। इन सबके अलावा होटल में भी अन्य वे विभाग होते हैं, जो दूसरे संगठनों या कंपनियों में होते हैं, जैसे अकाउंट्स, सिक्योरिटी, मेंटेनेंस इत्यादि। अब आपको तय करना है कि एक कामयाब करियर होटल मैनेजमेंट की चुनौतियों को स्वीकार करना है कि नहीं। इंडस्ट्री तो अपनी जरूरतों के हिसाब से प्रशिक्षित लोगों को अवसर देने के लिए तैयार है।

पढ़ाई व प्रशिक्षण

अब सवाल यही उठता है कि होटल इंडस्ट्री में काम करने के लिए कहां से क्या पढ़ा जाए तथा कैसा प्रशिक्षण प्राप्त किया जाए? इस विषय में पढ़ाई करने के लिए सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर पीजी कोर्स तक उपलब्ध हैं, जिन्हें अलग-अलग संस्थान कराते हैं। होटल मैनेजमेंट कोर्स कराने वाले सरकारी संस्थान हैं और निजी संस्थान भी। सरकारी संस्थानों में अभ्यर्थी संयुक्त प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दाखिला लेते हैं और निजी संस्थानों में साक्षात्कार व अंक प्रतिशत के आधार पर चयन किया जाता है। निजी संस्थानों में दाखिले के लिए अभ्यर्थी को अपनी सुविधा और सामर्थ्य के मुताबिक संस्थान का चयन करना चाहिए। सरकारी संस्थान बुनियादी सुविधाओं के मामले में तो बेहतर हो सकते हैं, किन्तु उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कोई तरीका नहीं है। फिर भी सरकारी तंत्र के अपने लाभ हैं। बहरहाल, निम्न पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं –

- बेकरी एंड कन्फेक्शनरी/होटल रिसेप्शन एंड बुक कीपिंग/रेस्तरां एंड काउंटर सर्विस में एक वर्षीय डिप्लोमा
- होटल मैनेजमेंट में तीन वर्षीय डिप्लोमा
- होटल मैनेजमेंट एंड केटरिंग टेक्नोलॉजी में चार वर्षीय स्नातक डिग्री
- होटल मैनेजमेंट में तीन वर्षीय बीएससी
- हॉस्पिटेलिटी एंड टूरिज्म मैनेजमेंट में तीन वर्षीय बीए
- इंटरनेशनल होटल्स में दो साल का पीजी डिप्लोमा
- हॉस्पिटेलिटी एडमिनिस्ट्रेशन में दो साल की एमएससी
- होटल एंड केटरिंग मैनेजमेंट में छह महीने का सर्टिफिकेट कोर्स

योग्यता

इन पाठ्यक्रमों को करने के लिए किसी भी मान्यताप्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से 10वीं/12वीं या स्नातक होना जरूरी है। 12वीं में अंग्रेजी एक अनिवार्य विषय के रूप में पढ़ी होनी चाहिए।

नौकरी के अवसर

होटल मैनेजमेंट कोर्स करने वालों के लिए कई विकल्प हैं-

- होटल एवं हॉस्पिटेलिटी उद्योग में मैनेजमेंट प्रशिक्षु।
- होटलों में किचन मैनेजमेंट या हाउसकीपिंग मैनेजमेंट।
- एयरलाइन केटरिंग एंड केबिन सर्विसेज।
- होटल एवं अन्य सर्विस सेक्टर में गेस्ट या कस्टमर रिलेशन एक्जिक्यूटिव।
- फास्ट फूड चेन। क्लरिसोर्ट मैनेजमेंट।
- क्रूज शिप होटल मैनेजमेंट, क्लगेस्ट हाउसेज।
- हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन एंड केटरिंग।
- रेलवे या बैंक या बड़े संस्थानों में केटरिंग या कैंटीन।
- स्वरोजगार

वेतन

कोर्स पूरा करने के बाद नौकरी के तमाम अवसर हैं, जिनमें अपनी रुचि और दक्षता के आधार पर करियर बनाया जा सकता है। इनमें शुरुआती स्तर पर 12,000 रुपये से लेकर 15,000 रुपये तक का स्टाइपेंड मिलता है। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद नियमित नौकरी मिल सकती है। जैसे-जैसे अनुभव बढ़ेगा और कुशलता आएगी, वेतन उसी अनुपात में बढ़ता जाएगा, जो लाखों में भी हो सकता है।

व्यक्तिगत गुण

इस पेशे में रुचि रखने वालों के लिए सबसे जरूरी तो यह है कि उनका व्यक्तित्व आकर्षक हो। उनमें ऐसी बात हो कि उससे उनका दोस्ताना रवैया झलके। उनके करीब आते ही सामने वाला इस बात के लिए न हिचके कि वह उनसे मदद मांगे कि नहीं। व्यक्ति ऐसे होने चाहिए कि उनसे शालीन खुलेपन की सुगंध आए। वे अपनी जिम्मेदारियों को समझें, न कि टालमटोल और दूसरों पर डालने की प्रवृत्ति के मारे हों। काम को मिलजुल कर करने का हौसला रखते हों तो क्या कहने। किसी भी मसले पर तरतीब से सोचने की क्षमता हो और प्रशासनिक दक्षता भरपूर हो। इनके अलावा स्वस्थ हों और किसी भी समय कार्य करने के लिए तत्पर हों। आत्म-विश्वास और हर काम की बारीकियों को समझने और उसे अपेक्षानुसार करने का गांभीर्य भी होना चाहिए उन सबमें, जो इस स्वागत सत्कार के संसार में अपनी पहचान बनाने की हिम्मत रखते हों। बताने की जरूरत नहीं कि होटल में आने वाला हर गेस्ट खास होता है। लिहाजा उसकी हर बात को गंभीरता से लेना होता है और उसे समझदारी से संभालना होता है। काम के दबाव में भी आपके चेहरे पर मुस्कान होनी चाहिए, ऐसा इंडस्ट्री के पंडित कहते हैं। यदि ऐसा कुछ आप में है तो कोई वजह नहीं कि कोई आपको नकार दे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वंदे भारत को नहीं मिल रहे यात्री- 20 कोच से अब 8 कोच में बदलने की तैयारी

नई दिल्ली। देश की कई वंदे भारत ट्रेनों को यात्री नहीं मिल रहे हैं। अधिकांश लोगों में इसके टिकट खरीदने की क्षमता नहीं है। यही वजह है कि नागपुर-सिकंदराबाद वंदे भारत एक्सप्रेस को पर्याप्त यात्री नहीं मिल रहे हैं। सितंबर 2024 में शुरू हुई इस ट्रेन को औसतन 25 प्रतिशत ऑक्यूपेंसी के साथ चलाना रेलवे के लिए चुनौतीपूर्ण हो गया है। रेलवे अब इस ट्रेन को 8 कोच वाली रेक से बदलने और इसकी समय सारणी में बदलाव करने पर विचार कर रहा है। नागपुर-सिकंदराबाद वंदे भारत 20 कोच के साथ चलती है और इसमें 1,440 यात्रियों की बैठने की क्षमता है। हालांकि, यह ट्रेन अक्सर खाली रहती है। दिवाली की छुट्टियों को छोड़कर, इसे कभी भी फुल ऑक्यूपेंसी नहीं मिली। ट्रेन नागपुर से सुबह 5 बजे रवाना होती है और 7 घंटे 15 मिनट में सिकंदराबाद पहुंचती है। वापसी में यह दोपहर 1 बजे छूटकर रात 8:20 बजे नागपुर पहुंचती है। सेंट्रल रेलवे के नागपुर डिवीजन ने ट्रेन की ऑक्यूपेंसी बढ़ाने के लिए कई सुझाव दिए हैं। इनमें ट्रेन का प्रस्थान समय सुबह 7 बजे करने और मौजूदा 20 कोच वाली ट्रेन को 8 कोच वाली ट्रेन से बदलने का प्रस्ताव शामिल है। नागपुर डिवीजन ने इसे मुंबई हेडक्वार्टर और रेलवे बोर्ड को भेजा है। सेंट्रल रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी डॉ. स्वप्निल नीला ने कहा, मौजूदा रेक को 8 कोच वाले रेक से बदलने का प्रस्ताव है। इसे आवश्यकता के अनुसार बढ़ाया जा सकता है। यह ट्रेन की लागत और उपयोगिता दोनों में सुधार करेगा।

उग्रवादी संगठन उल्फा पर पांच साल बढ़ा प्रतिबंध

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने उग्रवादी संगठन उल्फा पर पांच साल का प्रतिबंध बढ़ा दिया है। यह प्रतिबंध केंद्र ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम 1967 के तहत यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (उल्फा) पर बैन बढ़ाया है। यह संगइन 2019-24 के दौरान विस्फोटक लगाने के 16 मामलों में शामिल रहा है। उल्फा ने असम राज्य में स्वतंत्रता दिवस 2024 से पहले इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) का उपयोग किया है। केंद्र ने अब तक असम, त्रिपुरा, मेघालय और नागालैंड सहित पूर्वोत्तर में विद्रोही संगठनों के बीच 12 त्रिपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। यह संगठन पूर्वोत्तर का एक मात्र प्रमुख संगठन है जो सरकार के साथ शांति वार्ता से बाहर है। उल्फा स्वतंत्र का नेतृत्व परेश बरुआ कर रहे हैं। गृह मंत्रालय के आदेश में पिछले पांच वर्षों में 50 की गिरफ्तारी और 63 कैडरों के आत्मसमर्पण, पुलिस और सुरक्षा बल की कार्रवाई में तीन कट्टर कैडरों की हत्या का हवाला दिया है। गृह मंत्रालय के अनुसार, यह समूह 27 अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहे हैं जिनकी जांच प्रवर्तन एजेंसियां कर रही हैं। आदेश में कहा गया है कि उल्फा की गतिविधियां भारत की संप्रभुता और अखंडता के लिए खतरनाक हैं। यदि इन पर तुरंत अंकुश और नियंत्रण नहीं किया गया, तो उल्फा खुद को फिर से संगठित कर नागरिकों और सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचा सकता है।

चेतावनी : 50 प्रतिशत हो जाएंगे तो उठा ले जाएंगे बेटियां : बाबा बागेश्वर

भोपाल। हिंदू एकता यात्रा पर निकले पं धीरेंद्र शास्त्री ने मुसलमानों के खिलाफ विवादित बयान दिया है। उन्होंने हिंदुओं को चेताते हुए कहा कि अभी मात्र 20 प्रतिशत मुसलमान है तो आए दिन पत्थरबाजी हो रही है जब ये 50 प्रतिशत हो जाएंगे तो सरेआम बेटियों को उठा ले जाएंगे। यात्रा के दौरान बाबा बागेश्वर से जब संभल की

घटना को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, अभी तो हमारी एकता पर फोकस है। यदि तो हम हिंदुओं को बताना चाहते हैं कि 20 पर्सेंट में वो पत्थरबाजी कर रहे हैं 50 हो जाएंगे तो तुम्हारे घरों की बेटियों को उठा ले जाएंगे। उन्होंने कहा कि संभल के उपद्रवियों को जेलर के हाथ सौंपने की आवश्यकता है। बाबा ने यह भी कहा कि देश में 100 करोड़ हिंदू हैं, एक करोड़ को सड़क पर आना चाहिए नहीं तो आने वाले समय में वे घरों में कब्जा कर लेंगे। जाति का भेदभाव मिटाने के उद्देश्य से निकाली जा रही यात्रा के दौरान सोमवार को उन्होंने कहा कि भारत को बांग्लादेश नहीं बनाना चाहते तो तो जात-पात से ऊपर उठ जाओ। बॉलिवुड अभिनेता संजय दत्त भी उनकी यात्रा में शामिल हुए। बाबा बागेश्वर की यह यात्रा 29 नवंबर को पूरी होगी। छतरपुर के अपने आश्रम से वह ओरछा के राम राजा दरबार तक यह यात्रा निकाल रहे हैं। बागेश्वर बाबा की यात्रा में भारी भीड़ उमड़ रही है। एक स्थानीय अदालत के आदेश पर पिछले मंगलवार को जामा मस्जिद का सर्वेक्षण किया गया था जिसके बाद से संभल में पिछले कुछ दिनों से तनाव व्याप्त था। रविवार को दोबारा टीम सर्वेक्षण के लिए पहुंची तो हिंसा भड़क उठी। पत्थराव और गोलीबारी में 4 लोगों की मौत हो गई तो कई लोग जख्मी हो गए। हिंदू पक्ष का दावा है कि यह मस्जिद पूर्व में हरिहर मंदिर था।

अमेरिका में गुजराती युवक ने गुजराती मकान मालिक की हत्या कर लूटपाट की

अहमदाबाद । विदेशी धरती पर गुजरातियों की हत्या की अनेक घटनाएं सामने आ चुकी हैं और उसके आरोपी भी वहीं के लोग थे। लेकिन अब जो घटना सामने आई है, वह चौंकाने वाली है। गुजराती वृद्धा की एक गुजराती युवक ने हत्या कर दी और 4500 डॉलर समेत कार लेकर फरार हो गया। हांलाकि अमेरिका की पुलिस ने आरोपी गुजराती युवक को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक वडोदरा की मूल निवासी रीटाबेन आचार्य नामक वृद्धा अमेरिका के न्यूजर्सी में रहती थीं। वृद्धा ने गुजरात की राजधानी गांधीनगर के मूल निवासी किशन सेठ नामक युवक को एक कमरा किराये पर दे रखा था। इस बीच अमेरिका की स्थानीय पुलिस किसी जांच के सिलसिले में रीटाबेन आचार्य के घर पहुंची और डोर बेल बजाया, लेकिन दरवाजा नहीं खुला। कई बार डोर बेल बजाने के बावजूद जब दरवाजा नहीं खुला तो पुलिस किसी प्रकार घर में घुस गई। घर का दृश्य देख पुलिस चौंक उठी। रीटाबेन आचार्य अपने बिस्तर पर खून से लथपथ मृत पड़ी थीं।

अगर पार्टियां पंथ को देश से ऊपर रखती हैं तो हमारी स्वतंत्रता दूसरी बार खतरे में पड़ जाएगी: धनखड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को संविधान निर्माता बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर को याद करते हुए कहा कि अगर पार्टियां पंथ को देश से ऊपर रखती हैं तो हमारी स्वतंत्रता दूसरी बार खतरे में पड़ जाएगी।

संविधान को अंगीकार किए जाने की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर साल भर चलने वाले समारोहों की शुरुआत के लिए पुराने संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने आगाह किया कि रणनीति के तहत व्यवधान पैदा करना लोकतंत्र के लिए खतरा है।

धनखड़ ने कहा, ''यह समय रचनात्मक संवाद, बहस और सार्थक चर्चा के माध्यम से हमारे लोकतांत्रिक मंदिरों की पवित्रता को बहाल करने का समय है ताकि हमारे लोगों की प्रभावी ढंग से सेवा की जा सके।'' इस बात का उल्लेख करते हुए कि संविधान ने निपुणता से लोकतंत्र के तीन स्तंभों – विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका- को स्थापित किया और प्रत्येक की एक परिभाषित भूमिका है, धनखड़ ने कहा, ''लोकतंत्र का सबसे अच्छा पोषण तब होता है जब उसके संवैधानिक संस्थान अपने-अपने अधिकार क्षेत्रों का पालन करते हुए समन्वय, तालमेल और एकजुटता से काम करें।''उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य के इन अंगों के कामकाज में, क्षेत्र विशिष्टता भारत को समृद्धि और समानता की अभूतपूर्व ऊंचाइयों की ओर ले जाने में इष्टतम योगदान देने का सबसे अच्छा साधन है। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा में सदन के नेता जे पी नड्डा, विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे (राज्यसभा) और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू मंच पर मौजूद थे।

इस अवसर पर भारत के संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ को समर्पित एक स्मारक सिक्का और डाक टिकट जारी किया गया। साथ ही 'भारत के संविधान का निर्माण- एक झलक' और 'भारत के संविधान का निर्माण और इसकी गौरवशाली यात्रा' शीर्षक वाली पुस्तकों का विमोचन किया गया। राष्ट्रपति ने संविधान के संस्कृत और मैथिली अनुवादों का अनावरण किया। यह समारोह 'हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान' अभियान का हिस्सा है। इसका उद्देश्य संविधान में निहित मूल मूल्यों को दोहराते हुए संविधान के निर्माताओं के योगदान का सम्मान करना है।

चेन्नई में बारिश नहीं ले रही थमने का नाम, हर तरफ जल प्रलय... आगे पांच दिन भारी

चेन्नई । चेन्नई में इन दिनों बारिश लगातार बारिश हो रही है। तमिलनाडु के चेन्नई में कुछ जिलों के लिए रेड अलर्ट भी मौसम विभाग ने जारी किया है। चेन्नई मौसम विभाग (आरएमसी) द्वारा जारी अलर्ट में कहा गया कि गहरे दबाव के कारण तटीय और उल्टा जिलों में अगले पांच दिनों में भारी वर्षा होने की संभावना है। क्षेत्रीय मौसम विभाग ने मयिलादुथुराई, कराईकल, तिरुवरुर और नागपट्टिनम के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। कई अन्य जिले ऑरेंज अलर्ट पर हैं। दबाव के कारण रामनाथपुरम, तिरुचिरापल्ली, पेरम्बलुर, कल्लाकुरिची और चेंगलपट्टू जिलों के अलग-अलग इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना जाहिर की गई है। इसके अलावा, अरियालुर, तिरुवरुर, नागपट्टिनम, तंजावुर, पुदुक्कोट्टई, विल्लुपुरम, पुडुचेरी, शिवगंगा, चेन्नई, कांचीपुरम, तिरुवल्लूर, रानीपेट और तिरुवन्नामलाई जिलों में बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। बात दें कि तमिलनाडु में 21 नवंबर से ही भारी बारिश हो रही है, इसकारण रिहायशी इलाकों में बाढ़ और जलभराव की स्थिति पैदा हो गई है। थूथुकुडी में राजगोपाल नगर, पुष्पा नगर, राजू नगर, पोस्टल टेलीग्राम कॉलोनी और शहर के अन्य इलाकों में भी भारी जलभराव की स्थिति है। इस महीने की शुरुआत में उदयनिधि स्टालिन ने लोगों को बारिश के लिए सरकार की तैयारियों का आश्वासन देकर कहा था, अक्टूबर में बारिश के प्रभाव के अध्ययन के आधार पर, हमने मोटर पंप और स्वयंसेवकों की संख्या बढ़ा दी है। हमारे पास 1194 मोटर पंप, 152 सुपर सकर मशीनें हैं। अक्टूबर की तुलना में मोटर और मशीनों की नियुक्ति में 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। तमिलनाडु सरकार बारिश के लिए पूरी तरह तैयार है।

मुरैना में मकान में हुआ विस्फोट, दो की मौत, दो महिलाएं मलबे में दबी

-आसपास के मकान भी धराशाही, जेसीबी से हटाया जा रहा मलबा

शिमला (एजेंसी)। मुरैना,(ईएमएस)। मध्यप्रदेश के मुरैना में मकान में विस्फोट के कई घंटों बाद भी अभी तक मलबे से दो महिलाओं को नहीं निकाला जा सका है। पुलिस-प्रशासन, नगर निगम और एसडीईआरएफ की टीमें बचाव कार्य में जुटी हैं। जेसीबी की मदद से मलबा हटाया जा रहा है। बिजली के खंभों से तार भी हटाए जा रहे हैं।

मुरैना में सोमवार देर रात एक मकान में विस्फोट हो गया था। हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई। दो अन्य मलबे में दब गईं। पांच घायलों को मुरैना जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनको प्राथमिक उपचार के बाद ग्वालियर रेफर कर दिया गया है। विस्फोट शहर के टंच रोड स्थित राठौर कॉलोनी निवासी मुंशी राठौर के मकान में हुआ। इसके आसपास बने चार और मकान भी गिर गए।

मुंशी राठौर के मकान में रहने वाले किरायेदार विस्फोट की जद में आ गए। इनमें से वैजयंती कुशवाहा और उनकी बेटी विमला कुशवाहा मलबे में दबी हैं। पड़ोसी राकेश राठौर का मकान भी विस्फोट से धराशाही हो गया। उनकी पत्नी विद्या राठौर (50) की हादसे में मौत हो गई। पड़ोस में रहने वाले वासुदेव राठौर की बहू पूजा राठौर की भी मौत हो गई है। दोनों के शव मलबे से निकालकर पोस्टमार्ट के लिए भेज दिए गए।

मलबे में से एलपीजी के दो सिलेंडर मिले हैं जो पूरी तरह से सही थे। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि मकान में रखे पटाखों में विस्फोट हुआ है। हालांकि, पुलिस अभी इस बारे में स्थिति पूरी तरह साफ नहीं हो पाई है। मौके पर पहुंचे एसपी ने बताया कि अभी जांच कर रहे हैं जो तथ्य सामने आएंगे, तभी कुछ कहा जा सकेगा। फिलहाल मौके पर रेस्क्यू टीम मौजूद हैं मलबे को हटाने का काम किया जा रहा है।

दलितों, आदिवासियों, ओबीसी का रास्ता एक दीवार से अवरुद्ध किया जा रहा, इस दीवार को पीएम मोदी और संघ मजबूत कर रहा: राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के संविधान रक्षक अभियान में लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि देश की पूरी व्यवस्था दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्ग के लोगों के खिलाफ खड़ी है। राहुल गांधी ने दावा किया कि दलितों, आदिवासियों, ओबीसी का रास्ता एक दीवार से अवरुद्ध किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी, आरएसएस उस दीवार को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार ने पिछड़े वर्गों के रास्ते में आने वाली दीवार को कमजोर किया लेकिन हम दीवार को उतनी कमजोर नहीं कर सके, जितना हमें करना चाहिए था।

राहुल गांधी ने फिर कहा कि मैं आपको गारंटी देता हूं कि प्रधानमंत्री मोदी ने संविधान नहीं पढ़ा है, अगर उन्होंने पढ़ा होता, तब वे वह काम नहीं करते जो वे रोजाना करते हैं। उन्होंने कहा कि संविधान सिर्फ एक किताब नहीं बल्कि हजारों सालों के लिए भारत की सोच है, यह सत्य और अहिंसा के बारे में है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में जाति जनगणना की जा रही है, यह एक ऐतिहासिक कदम है, हम

जहां भी सरकार बनाएंगे, वहां ऐसा ही करने वाले है।

संविधान की कॉपी दिखाकर उन्होंने कहा कि क्या इसमें (संविधान में) सावरकर जी की आवाज है? क्या उसमें कहीं लिखा है कि हिंसा करनी चाहिए, लोगों को मारना चाहिए या झूठ का सहारा लेकर सरकार चलानी चाहिए? यह सत्य और अहिंसा का ग्रंथ है। कुछ दिन पहले कांग्रेस सरकार ने तेलंगाना में जाति जनगणना का काम शुरू किया है और यह कोई नौकरशाही प्रक्रिया नहीं है। तेलंगाना में पहली बार जाति जनगणना को सार्वजनिक अभ्यास बनाया गया है। उन्होंने कहा कि जो सवाल पूछे जा रहे हैं, वहां कोई बंद कमरे में 10-15 लोग नहीं पूछ रहे हैं, ये लाखों लोग हैं जिसमें दलित, आदिवासी, पिछड़े वर्ग के लोग, गरीब, सामान्य जाति, अल्पसंख्यक लोग, हर कोई और तेलंगाना के लोग शामिल हैं।

संविधान दिवस कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी के भाषण के दौरान बिजली कट गई जिससे उनका माइक बंद हो गया। इस पर राहुल ने कहा कि देश में पिछले 3000 साल से जो भी दलित, आदिवासी, पिछड़े वर्ग, गरीब की बात करता है, उसका माइक बंद हो जाता है। जब माइक बंद हुआ, तब बहुत सारे लोग आए और मुझसे कहा कि जाओ और बैठ जाओ। मैंने कहा मैं बैठूंगा नहीं, खड़ा रहूंगा, जितना चाहो माइक बंद कर लो, जो बोलना है बोलूंगा। यहां पीछे रोहित वेमुला की फोटो है, वह बोलना चाहता था लेकिन उसकी आवाज छीन ली गई।

मायावती ने संविधान दिवस पर कांग्रेस व भाजपा पर साधा निशाना

लखनऊ। संविधान दिवस पर बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने कांग्रेस व भाजपा पर संविधान को जनकल्याणकारी मंशा के साथ लागू न करने का आरोप लगाया है। मायावती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर मंगलवार को लिखा कि देश का संविधान कोई दिखावटी चीज नहीं है, बल्कि इसको दिल से अंगीकार करके उसके अनुरूप व्यवहार करना भी जरूरी है। खासकर भारतीय संविधान सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय के मानवतावादी व कल्याणकारी उद्देश्यों को लेकर है ताकि यहां जात-पात मुक्त समतामूलक समाज की स्थापना हो व देश महान बने। देश में संविधान लागू होने के इतने दशकों के बाद भी जमीनी स्तर पर सही व सच्चे सामाजिक, राजनीतिक व आर्थिक लोकतंत्र का अभाव यह साबित करता है कि यहां सत्ता में रहने वाली खासकर कांग्रेस व भाजपा ने संविधान को इसकी असली जनकल्याणकारी मंशा के हिसाब से लागू नहीं किया जो बेहद दुखद है। बसपा सुप्रीमो ने लिखा कि दरिद्रता झेल रहे लगभग 140 करोड़ लोगों के भारत देश की पूंजी में विकास के जरिए जनता की गरीबी, बेरोजगारी एवं पिछड़ापन दूर करने के लिए जनकल्याण का कार्य नहीं होकर, कुछ मुट्ठी भर लोगों का विकास होना यहां हर संतुलन को बिगाड़ने वाला है, जिससे बहु-अपेक्षित जनविकास कैसे संभव है? संविधान दिवस पर बीएसपी संविधान की भूरि-भूरि प्रशंसा करती है किन्तु इसके मुख्य शिल्पी परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि तभी संभव है जब उनके करोड़ों शोषित-उपेक्षित अनुयायियों के जीवन में आरक्षण आदि के जरिए बेहतरी आएगी, जिसके लिए बहुजन समाज पार्टी शुरू से समर्पित है।

बिहार एक पिछड़ा राज्य, विकास के लिए बड़े और ठोस प्रयास की जरूरत

-जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बिहारी प्रवासियों से की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बिहार के विकास और राजनीति को लेकर कहा कि अमेरिका में बिहारी प्रवासी समुदाय के साथ ऑनलाइन बातचीत में उन्होंने राज्य की वर्तमान स्थिति, भविष्य की योजनाओं और जन सुराज पार्टी के एजेंडे पर चर्चा की।

प्रशांत किशोर (पीके) ने कहा कि बिहार वाकई एक पिछड़ा राज्य है, जो कई समस्याओं से घिरा है। इसके सर्वांगीण विकास के लिए बड़े और ठोस प्रयास करने की जरुरत है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि बिहार में हालात सुधारने को लेकर समाज को उम्मीद नहीं है। पीके ने अपनी प्राथमिकताओं पर बात करते हुए कहा कि यदि उनकी पार्टी 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करती है, तो उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता स्कूली शिक्षा में सुधार करना होगा।

उन्होंने यह भी घोषणा की कि उनकी सरकार शराबबंदी को खत्म करेगी और इससे मिलने वाले राजस्व को शिक्षा सुधार में खर्च करेगी। उन्होंने कहा कि शराब से बैन हटाना और इससे मिलने वाले राजस्व का उपयोग शिक्षा में सुधार के लिए करना हमारी प्राथमिकताओं में रहेगा। प्रशांत ने जोर देकर कहा कि सब कुछ खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने जन सुराज के पिछले 2.5 सालों की कोशिशों का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे लोगों में एक नई उम्मीद जागी है। उन्होंने माना कि अभी ठोस राजनीतिक सफलता और सरकार बनाने में समय लगेगा।

किशोर ने कहा कि यदि बिहार एक देश होता, तो जनसंख्या के लिहाज से यह दुनिया का 11वां सबसे बड़ा देश होता। उन्होंने कहा कि बिहार ने जनसंख्या के मामले में जापान को भी पीछे छोड़ दिया है। अमेरिका में रह रहे बिहारी लोगों से उन्होंने अपील की कि वे जन सुराज अभियान का समर्थन करें और अपने दोस्तों और रिश्तेदारों को पार्टी को वोट देने के लिए प्रेरित करें।

हाल ही में बिहार में हुए उपचुनाव में जन सुराज पार्टी ने उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। चार सीटों पर खड़े उम्मीदवारों में से केवल एक की जमानत बच सकी, जबकि बाकी उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। इस पर पीके ने कहा कि यह शुरुआत है, और पार्टी को अपनी रणनीति और जमीनी स्तर पर ज्यादा काम करने की जरुरत है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी अगले विधानसभा चुनाव में अपनी पकड़ मजबूत करेगी और बिहार के विकास के लिए एक नई राजनीति का रास्ता बनाएगी। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि बिहार में लोगों की उम्मीदें वापस लौटें और राज्य को आगे बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी की हार के लिए पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ जिम्मेदार : संजय राउत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के सीएम पद को लेकर संशय के बीच शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने बड़ा दावा कर दिया है। शिवसेना यूबीटी राउत ने दावा किया कि मेरे हिसाब से देवेंद्र फडणवीस अगले सीएम बनने वाले है। उन्होंने कहा कि सीएम का फैसला केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पीएम नरेंद्र मोदी करने वाले है। एकनाथ शिंदे और अजित पवार अपनी पार्टियों के लिए फैसले खुद नहीं ले सकते। ये दोनों पार्टियां शाह और पीएम मोदी की गुलाम हैं और बीजेपी की उपकंपनियां बन गई हैं। उन्होंने कहा कि फिलहाल बीजेपी के पास बहुमत है। वे बहुमत के लिए शिंदे और अजित पवार की पार्टी को तोड़ सकती है।

इसके पहले राउत ने कहा था कि इस चुनाव में ईवीएम एक बड़ा मुद्दा रहा है, इसलिए इस बार हम कहते हैं कि ये नतीजा आने दीजिए, लेकिन महाराष्ट्र में ये चुनाव एक बार फिर पेपर बैलेट से करा लीजिए और फिर दिखा दीजिए कि नतीजे वहीं आते हैं। उन्होंने कहा कि ये सब बातें जो हैं

महाराष्ट्र में हुआ है, इसके लिए डीवाई चंद्रचूड़ जिम्मेदार हैं। वहीं, महायुति के अगले दावेदार के चयन पर सस्पेंस के बीच शिवसेना प्रमुख शिंदे ने मंगलवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। शिंदे ने मुंबई के राजभवन में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को अपना इस्तीफा सौंपा। उनके साथ अजित पवार और फडणवीस भी मौजूद थे।

हालांकि, नई सरकार बनने तक शिंदे कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में काम करते रहने वाले है। भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन ने चुनावों में भारी जीत हासिल की और 288 सदस्यीय विधानसभा में 235 सीटें हासिल कीं। हालाँकि, गठबंधन अब तक इस बात पर आम सहमति बनाने में विफल रहा है कि अगला मुख्यमंत्री कौन होना चाहिए।

एआई की तैयारी में शीर्ष 10 देशों में भारत शामिल, भारत एआई विशेषज्ञों में दुनिया भर में दूसरे स्थान पर

मुंबई (एजेंसी)। रिपोर्ट में सामने आया है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की तैयारी में शीर्ष दस देशों में भारत भी शामिल है, और देश में एआई के द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र में परिवर्तन की अपार संभावनाएं है। 73 अर्थव्यवस्थाओं के आंकड़ों पर आधारित रिपोर्ट से पता चला है कि भारत एआई विशेषज्ञों में दुनिया भर में दूसरे स्थान पर है और एआई से संबंधित पेटेंट में मजबूत आधार के साथ शोध प्रकाशनों में तीसरे स्थान पर है।

दूसरी ओर, अध्ययन की गई 70 प्रतिशत से अधिक अर्थव्यवस्थाएं पारिस्थितिकी तंत्र भागीदारी, कौशल और अनुसंधान एवं विकास जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में औसत से नीचे स्कोर करती हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि एआई के क्षेत्र में भारत की अग्रणी भूमिका कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा जैसे उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने पर देश के जोर को रेखांकित करती है। एआई की तैयारी में शीर्ष 10 देशों में से एक के रूप में भारत में एआई के माध्यम से सार्वजनिक क्षेत्र में बदलाव की अपार संभावनाएं हैं।

रिपोर्ट ने बताया कि एआई एक्सपोजर भारत में कई प्रमुख क्षेत्रों में फैला हुआ है। व्यावसायिक सेवाएं सकल घरेलू उत्पाद का 16 प्रतिशत हिस्सा हैं। खुदरा और थोक व्यापार जीडीपी का 10 प्रतिशत हिस्सा है, जहां एआई सार्वजनिक वितरण और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन को सुव्यवस्थित कर सकता है, नुकसान कम कर सकता है। वहीं सार्वजनिक सेवाएं जीडीपी का 6 प्रतिशत हिस्सा हैं, जो एआई सेवा वितरण और आपातकालीन प्रतिक्रिया को बेहतर बनाने के अवसर देता है।

कृषि, वानिकी और मत्स्य पालन सकल घरेलू उत्पाद में 17 प्रतिशत का योगदान देता है। उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए सटीक खेती और जोखिम मूल्यांकन में एआई का उपयोग हो सकता हैं। सकल घरेलू उत्पाद के 8 प्रतिशत के साथ निर्माण क्षेत्र बुनियादी ढांचे की योजना और संपत्ति के रखरखाव के लिए एआई का उपयोग हो सकता है। कला मनोरंजन और व्यक्तिगत सेवाएं भी 8 प्रतिशत के साथ सार्वजनिक सुविधाओं के प्रबंधन में एआई से लाभान्वित हो सकती हैं। इस संभावना को साकार करने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसमें बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, एआई शोध क्षमताओं को बढ़ाना और कार्यबल प्रशिक्षण का विस्तार करना शामिल है। रिपोर्ट में एआई के नैतिक उपयोग को संबोधित करने, पूर्वाग्रह को समझने और प्रौद्योगिकी को जिम्मेदारी से अपनाने को सुनिश्चित करने के लिए नियामक ढांचों की भी मांग की गई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

इंडोनेशिया के उत्तरी सुमात्रा में भूस्खलन और बाढ़ से 13 लोगों की मौत, 18 घायल

जकार्ता, एजेंसी। पिछले हफ्ते इंडोनेशिया के उत्तरी सुमात्रा प्रांत में भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ ने 13 लोगों की जान ले ली और 18 लोग घायल हो गए। प्रांतीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। समाचार एंजेसी सिन्हुआ के अनुसार, आपातकाल, उपकरण और लॉजिस्टिक्स विभाग प्रमुख श्री वाह्युनी पंचसिलावती ने बताया कि यह आपदा शनिवार रात डेली सरडांग और कारो क्षेत्रों में आई। डेली सरडांग में, तेज बहाव ने चार घरों और एक धार्मिक स्थल को बहा दिया, जिसमें 6 लोगों की मौत हो गई और 9 लोग घायल हो गए। वहीं कारो क्षेत्र में 7 लोगों की जान गई और 9 घायल हुए। सभी घायलों को नजदीकी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में भर्ती कराया गया है। शनिवार सुबह, भूस्खलन और बाढ़ ने पडांग लावास और दक्षिण तपनुली क्षेत्रों को भी प्रभावित किया, जिसमें 6 लोग मारे गए और 7 घायल हुए। इंडोनेशिया की मौसम और भूभौतिकी एजेंसी ने पहले ही चेतावनी दी थी कि क्षेत्र में भारी बारिश और खराब मौसम का खतरा है। प्रभावित समुदायों को सहायता पहुंचाने और आगे के जोखिम को कम करने के लिए प्रयास जारी हैं। अधिकारी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

इराकी सुरक्षा बलों ने कुर्दिस्तान में नष्ट किया आईएस सेल, छह आतंकी गिरफ्तार

बगदाद, एजेंसी। इराक की नेशनल सिक्योरिटी सर्विस (आईएनएसएस) ने घोषणा की कि उसने देश के उत्तरी प्रांत किरकुक में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के एक सेल को नष्ट कर दिया। इस दौरान छह आईएस आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया। इनमें इराकी कुर्दिस्तान क्षेत्र का ग्रुप लीडर भी शामिल हैं। आईएनएसएस ने एक बयान में कहा कि खुफिया रिपोर्टों के आधार पर और क्षेत्रीय कुर्द सुरक्षा बलों के साथ मिलकर इराकी सुरक्षा कर्मियों ने शनिवार को एक घर पर छापा मारा। सात आईएस आतंकवादी बगदाद से लगभग 250 किलोमीटर उत्तर में स्थित प्रांतीय राजधानी किरकुक में इकट्ठे हुए थे। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार बयान में कहा गया कि छापेमारी के दौरान दोनों पक्षों के बीच झड़प हो गई, जिसके चलते एक आतंकवादी ने आत्महत्या कर ली और अन्य छह को गिरफ्तार कर लिया गया। बयान में कहा गया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से एक कथित तौर पर कुर्दिस्तान क्षेत्र में आईएस ग्रुप का नेता है। वे किरकुक प्रांत में सरकारी जगहों और वरिष्ठ अधिकारियों पर हमले की योजना बना रहे थे। इससे पहले उत्तरी इराकी प्रांत किरकुक में एयर स्ट्राइक में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के पांच आतंकवादी मारे गए थे। शनिवार को ईराक की सेना ने इस बात की पुष्टि की थी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इराक की संयुक्त अभियान कमान से संबद्ध मीडिया आउटलेट, सिक्योरिटी मीडिया सेल के एक बयान में इस बात की पुष्टि की गई थी। बयान के अनुसार इराक की फोर्स ने शुक्रवार को बगदाद से करीब 250 किलोमीटर उत्तर में, प्रांतीय राजधानी किरकुक के पश्चिम में एक बीहड़ इलाके में आईएस के ठिकाने पर हवाई हमले किए।

हिंद महासागर में दो नौकाओं के पलट जाने से 24 लोगों की मौत : सोमालिया सरकार

इथियोपिया, एजेंसी। अधिकांश यात्री सोमालिया के युवा थे। इथियोपिया में सोमालिया के राजदूत के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल नौकाओं के पलट जाने घटना की जांच करने लिए सोमवार को मेडागास्कर जाएगा। हिंद महासागर में मेडागास्कर तट के पास दो नौकाओं के पलट जाने से 24 लोगों की मौत हो गई। सोमालिया सरकार ने रविवार को यह जानकारी दी। सोमालिया के विदेश मंत्री अहमद मोआलिम फिकी ने कहा कि 46 लोगों को बचा लिया गया है। अधिकांश यात्री सोमालिया के युवा थे।

मेक्सिको :बार में गोलीबारी से छह लोगों की मौत

विलेहरमोसा, एजेंसी। लोक सुरक्षा सचिव उमर गार्सिया हार्फुच ने 'एक्स' पर कहा कि गोलीबारी विलेहरमोसा में हुई और संघीय अधिकारी घटना को सुलझाने में मदद करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। दक्षिण-पूर्वी मेक्सिको के एक बार में रविवार को बंदूकधारियों की गोलीबारी में छह लोगों की मौत हो गई और कम से कम पांच अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। गोलीबारी की यह घटना तटीय प्रांत ताबास्को में हुई, जो हाल में बढ़ती हिंसा से जूझ रहा है। लोक सुरक्षा सचिव उमर गार्सिया हार्फुच ने 'एक्स' पर कहा कि गोलीबारी विलेहरमोसा में हुई और संघीय अधिकारी घटना को सुलझाने में मदद करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। अब तक किसी की गिरफ्तारी की सूचना नहीं है।

हिजबुल्लाह ने इजराइल पर दागी 250 मिसाइलें

बेरूत, एजेंसी। हिजबुल्लाह ने रविवार को इजराइल पर बड़ा हमला किया. ये हमला इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच संघर्ष विराम की खबरों के बीच किया गया. इससे फिर दोनों के बीच तनाव बढ़ गया है. हिजबुल्लाह लड़ाकों के इजराइल पर 250 मिसाइलें दागने की खबर है. हिजबुल्लाह ने इजराइल के खुफिया ठिकानों को निशाना बनाया है. इन हमलों में अभी तक किसी के मारे जाने की जानकारी नहीं है. हालांकि कई लोगों के घायल होने की रिपोर्ट है. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इजराइल के सैन्य ठिकानों को भी निशाना बनाया गया.

बता दें कि इससे पहले इजराइली सुरक्षा बलों ने लेबनान की राजधानी बेरूत में भीषण हवाई हमले किए. इस दौरान 29 लोगों के मारे जाने की खबर है. इस दौरान 60 से अधिक लोगों के घायल होने की भी खबर है. ये हमले मध्य बेरूत के घनी आबादी वाले बस्ता क्षेत्र में किये गए. इस दौरान एक बहुमंजिला आवासीय इमारत ध्वस्त हो गया. आईडीएफ के अनुसार इजराइली वायुसेना ने बेरूत के दहिएह में हिजबुल्लाह के 12 कमांड केंद्रों पर हमला किया. इनमें हिजबुल्लाह की खुफिया इकाई, तट-से-समुद्र मिसाइल इकाई और यूनिट 4400 द्वारा उपयोग किए जाने वाले क्षेत्र शामिल हैं. ये ईरान से सीरिया के माध्यम से लेबनान में हथियारों की तस्करी के लिए जिम्मेदार हैं. आईडीएफ ने कहा कि इन कमांड केंद्रों का उपयोग इजरायल के खिलाफ आतंकवादी हमलों की योजना बनाने, उनका आदेश देने और उन्हें अंजाम देने तथा दक्षिणी लेबनान में कार्यरत आईडीएफ सैनिकों के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों पर नजर रखने के

लिए किया गया था. इस बीच, लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को मृतकों की संख्या में बढ़ोतरी की बात कही. पहले 20 मौतें बताई फिर अधिक लोगों के मारे जाने की पुष्टि की. युद्ध विराम प्रयासों के बावजूद इजरायल हिजबुल्लाह के खिलाफ और हिजबुल्लाह इजराइल के खिलाफ अपने आक्रामक सैन्य अभियान को जारी रखे हुए है. इजराइली बलों ने कहा है कि बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में हिजबुल्लाह के ठिकानों को ध्वस्त किया गया. इजराइली सेना ने नागरिक क्षति को कम करने के लिए क्षेत्र में कई इमारतों को खाली करने के आदेश जारी किए, लेकिन प्रभावित लोगों ने भारी बमबारी की सूचना दी. बेरूत के बाहर इजराइली हवाई हमलों ने पूर्वी लेबनान के बालबेक-हर्मेल क्षेत्र को भी निशाना बनाया जहां शमिस्टार पर हुए हमले में चार बच्चों सहित कम से कम 13 लोग मारे गए. उस हमले में 13 अन्य घायल हो गए जबकि आसपास के शहरों में अतिरिक्त हवाई हमलों में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और 32 लोग घायल हो गए. दक्षिणी लेबनान में टायर शहर को भी निशाना बनाया गया जहां इजराइली बमबारी में पांच लोग मारे गए और 19 अन्य घायल हो गए. इसी बीच लेबनान की सेना ने कहा कि इजराइल के हमले में रविवार को लेबनान के एक सैनिक की मौत हो गई जबकि 18 अन्य घायल हो गए। इस घटना पर इजराइल की सेना ने खेद व्यक्त करते हुए कहा कि यह हमला हिजबुल्ला के विरुद्ध युद्ध क्षेत्र में किया गया और सेना का अभियान केवल चरमपंथियों के विरुद्ध हैं। इजराइल और हिजबुल्ला के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से इजराइली हमलों में 40 से अधिक लेबनानी सैनिकों की मौत हो चुकी है। हालांकि लेबनान की सेना इस युद्ध से मौटे तौर पर दूर रही है। लेबनान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री नजीब मिकाती ने हमले की निंदा करते हुए इसे अमेरिका के नेतृत्व में हो रहे संघर्ष विराम के प्रयासों पर हमला बताया। इजराइल की सेना ने कहा कि रविवार को लगभग 250 रॉकेट दागे गए, जिनमें से कुछ को रोक दिया गया। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, शनिवार को बिना किसी चेतावनी के बेरूत पर इजराइली हवाई हमले में कम से कम 29 लोग मारे गए और 67 घायल हो गए।

हिजबुल्लाह के हमलों से इजराइली टैंकों को पीछे हटना पड़ा : हिजबुल्लाह का हमला इतना भयानक था कि इजराइली टैंकों और सैनिकों दक्षिणी लेबनान के अल-बयादा क्षेत्र में एक रणनीतिक पहाड़ी से पीछे हटने को मजबूर होना पड़ा। हिजबुल्लाह ने कई टैंक रोधी मिसाइलों से भी हमला किया था। हिजबुल्लाह ने हाइफा शहर के पास इजराइली मिलिट्री बेस को भी निशाना बनाया। हिजबुल्लाह ने कहा कि उसने हाइफा के उत्तर में स्थित ज्वलुन मिलिट्री इंडस्ट्रीज बेस को भी मिसाइल से निशाना बनाया गया। हिजबुल्लाह ने दावा किया है कि उसने पहली बार दक्षिणी इजराइल में अशदोद नौसैनिक बेस पर ड्रोन के जरिए हमला किया। ईरान ने भी इजराइल पर हमले की धमकी दी है। इजराइल सरकार की ओर से रविवार को हिजबुल्लाह के हमलों में मारे गए लोगों की संख्या और नुकसान की जानकारी नहीं दी गई है। जॉर्डन में इजराइली दूतावास के पास गोलीबारी, एक बंदूकधारी मारा गया जॉर्डन की राजधानी अम्मान में इजराइली दूतावास के पास रविवार को तड़के गोलीबारी में एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई और 3 पुलिसकर्मी घायल हो गए। घटना अम्मान के रबीह इलाके की है जहां एक गश्ती दल पर गोलीबारी की गई। इसके बाद सुरक्षा बलों ने हमलावर को घेर लिया। तभी व्यक्ति ने सुरक्षा बलों पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं।

ब्रिटेन में सरकार बनाने के चार महीने के अंदर ही घिर गई लेबर पार्टी, 17 लाख लोगों ने की फिर चुनाव की मांग

लंदन, एजेंसी। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद दुनियाभर में उथल-पुथल का दौर जारी है।

जर्मनी में सरकार गिरने के बाद अब ब्रिटेन में भी सरकार पर खतरा पैदा होता दिख रहा है। दरअसल, यहां एक ऑनलाइन पिटीशन में लोगों ने फिर से चुनाव कराने की मांग की है। चौंकाने वाली बात यह है कि इस पिटीशन को 17 लाख लोगों ने समर्थन दिया है। इतना ही नहीं, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के मालिक एलन मस्क ने भी इस पिटीशन की सफलता को लेकर एक संदेश को रिपोस्ट किया है। गाइडलाइंस के मुताबिक, इस तरह की ऑनलाइन पिटीशन में अगर किसी कानून या नीति में बदलाव की मांग की जाती है तो सरकार इस पर 10 हजार साइन-अप के बाद अधिकतर प्रतिक्रिया देती है। इतना ही नहीं अगर किसी पिटीशन को 1 लाख सिग्नेचर मिलते हैं तो इसके मुद्दे पर संसद में बहस भी की जाती है।

ब्रिटिश सरकार के खिलाफ पिटीशन में क्या : इस पिटीशन को लेकर जानकारी में कहा गया है- मैं एक बार फिर आम चुनाव चाहता हूं। मुझे लगता है कि मौजूदा सरकार आम चुनाव के दौरान किए गए अपने वादों को निभाने में नाकाम रही है। इस पिटीशन पर 17,71,423 लोग हस्ताक्षर कर चुके हैं। इस पिटीशन को ब्रिटेन के एक पब संचालक माइकल वेस्टवुड की तरफ से शुरू किया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद भी नहीं थी कि इस पिटीशन की सफलता पर एलन मस्क कभी टिप्पणी करेंगे।

एलन मस्क के पोस्ट में क्या : अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले टेस्ला और स्पेसएक्स के मालिक एलन मस्क ने जो पोस्ट शेयर किया है, उसमें कहा गया, आम चुनाव को लेकर पिटीशन ने ब्रिटेन में आधी रात के ठीक छह घंटे बाद 2 लाख हस्ताक्षर के लक्ष्य को तबाह कर दिया। इस पर मस्क ने कहा- वाह। इस बीच पिटीशन शुरू करने वाले वैगन्स एंड हॉर्सेज पब के मालिक वेस्टवुड ने कहा कि लेबर सरकार के काम उसके बिल्कुल उलट हैं, जैसे उन्होंने घोषणापत्र में वादे किए हैं।

भारतीय-अमेरिकियों ने हिंदुओं को निशाना बनाए जाने के विरोध में निकाली रैली

वॉशिंगटन, एजेंसी। कनाडा और बांग्लादेश में लगातार हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। कभी मंदिरों तो कभी उनके घरों को नुकसान पहुंचाया जा रहा। इस बीच, सिलिकॉन वैली में भारतीय अमेरिकियों ने हिंदुओं के प्रति अपनी एकजुटता दिखाने के लिए रैली निकाली। मिलपिटास सिटी हॉल में बड़ी संख्या में भारतीय अमेरिकियों को संबोधित करते हुए प्रमुख सामुदायिक नेताओं ने हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों के बारे में बात की। साथ ही अमेरिकी नेताओं से मानवाधिकार उल्लंघनों की निंदा करने और कनाडा तथा बांग्लादेश की सरकारों को उनकी हिंदू अल्पसंख्यक आबादी की सुरक्षा के लिए जवाबदेह ठहराने का आग्रह किया। खाड़ी क्षेत्र दो लाख से अधिक भारतीय अमेरिकियों का घर है। बताया जा रहा कि रैली में शामिल लोगों ने ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में श्रद्धालुओं पर हुए हमले की सही तरीके से जांच नहीं होने पर निराशा जताई। रैली में लोगों ने खालिस्तानी आतंकवाद बंद करो, कनाडाई-हिंदुओं की रक्षा करो, इस्लामी आतंकवाद बंद करो, बांग्लादेशी-हिंदुओं की रक्षा करो के नारे लगाए। उन्होंने कहा, हमने खालिस्तानी समर्थकों के मंदिर परिसर में घुसकर पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को पीटने के वीडियो देखे हैं। यह देखना भयावह है कि दिवाली मनाने गए हिंदुओं का उन द्वारा पीछा किया जा रहा है। उन्होंने कहा, हमने देखा कि पुलिस खालिस्तान समर्थकों के साथ पहले से ही साठगांठ कर रही थी।

प्रधानमंत्री मोदी ग्लोबल पीस अवार्ड से सम्मानित

भारतीय अमेरिकी अल्पसंख्यकों ने वाशिंगटन में एआईएएम की शुरुआत की

वाशिंगटन, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ग्लोबल पीस अवार्ड से सम्मानित किया गया, जबकि भारतीय अमेरिकी अल्पसंख्यक समुदायों ने वाशिंगटन डी.सी. में आल इंडिया अल्पसंख्यक एसोसिएशन (एआईएएम) की शुरुआत की। यह पहल भारतीय अल्पसंख्यक समुदायों की भलाई को बढ़ावा देने और उन्हें एकजुट करने के उद्देश्य से बनाई गई है। इस आयोजन में प्रमुख भारतीय नेताओं और समाज के विभिन्न समुदायों के सदस्य उपस्थित थे। आल इंडिया अल्पसंख्यक एसोसिएशन (एआईएएम) का प्रमुख उद्देश्य भारतीय अल्पसंख्यक समुदायों के सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए काम करना है। इस संगठन के अध्यक्ष जसदीप सिंह, जो एक प्रसिद्ध सिख परोपकारी हैं, ने इस पहल को प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के 2047 तक के लक्ष्य को आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण कदम बताया। एआईएएम के संस्थापक और अध्यक्ष के रूप में जसदीप सिंह के नेतृत्व में यह संगठन काम करेगा, जिसमें सात सदस्यीय बोर्ड भी शामिल है, जो विभिन्न भारतीय अल्पसंख्यक समुदायों का प्रतिनिधित्व करेगा, जैसे सिख, ईसाई, हिंदू, मुस्लिम और यहूदी समुदाय।

एआईएएम के अध्यक्ष जसदीप सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यप्रणाली को भी सराहा, जिन्होंने भारतीय समाज के सभी समुदायों के लिए समान अवसर और विकास के रास्ते खोले हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के

दृष्टिकोण को समर्थन देते हुए कहा कि इस संगठन का उद्देश्य भारत के हर एक नागरिक को, चाहे वह किसी भी धर्म या जाति का हो, बराबरी के अवसर प्रदान करना है। उनका मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी का विकसित भारत का दृष्टिकोण 2047 तक भारत को एक अग्रणी और समृद्ध राष्ट्र बना देगा, और इसमें इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारतीय अल्पसंख्यक महासंघ के सदस्य और संगठन के संयोजक, *सतनाम सिंह संधू* ने प्रधानमंत्री मोदी के सबका साथ, सबका विकास के दृष्टिकोण को रेखांकित किया। उन्होंने इस दृष्टिकोण के प्रभाव को भारत में सामुदायिक सौहार्द और समान अवसरों की दिशा में बेहद सकारात्मक बताया। उनका कहना था कि यह दृष्टिकोण भारतीय समाज को एकजुट करता है और विभिन्न धर्मों और समुदायों के बीच सहयोग को बढ़ावा देता है। एआईएएम का उद्देश्य भारतीय अमेरिकी अल्पसंख्यकों को एक प्लेटफॉर्म प्रदान करना है, जहां वे एकजुट होकर भारतीय समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए कार्य कर सकें। इस संगठन का कार्यभार न केवल भारतीय समुदायों के बीच सामुदायिक सौहार्द को बढ़ावा देना है, बल्कि यह भारत और भारतीय समुदायों के बीच एक मजबूत और सहयोगात्मक संबंध बनाने में भी मदद करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जो हाल ही में गुयाना की यात्रा पर गए थे, 56 वर्षों में गुयाना जाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने। इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने 10 महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिससे भारत और गुयाना के बीच संबंधों को और भी मजबूत किया गया। यह यात्रा भारत के वैश्विक कूटनीतिक संबंधों को और विस्तार देने की दिशा में एक अहम कदम साबित हुई है।

यूक्रेन का नामो निशान मिटाने की तैयारी में रूस ! पुतिन ने बढ़ाया मिसाइल उत्पादन, बढ़ गई पश्चिम की टेंशन

मास्को, एजेंसी। तीसरे विश्व युद्ध की आहट के बीच लगता है रूस ने यूक्रेन का नामो निशान मिटाने की तैयारी तेज कर दी है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपनी नई हाइपरसोनिक मिसाइल ओरेश्निक के सफल प्रदर्शन के बाद मिसाइल उत्पादन को बड़े पैमाने पर बढ़ाने का आदेश दिया है। उन्होंने इस मिसाइल की सराहना करते हुए कहा कि यह दुनिया में सबसे उन्नत तकनीक है, जिसे कोई भी मिसाइल डिफेंस सिस्टम पकड़ने में असमर्थ है। इसकी गति 10 मैक से अधिक है, जो इसे और भी घातक बनाती है। पुतिन ने कहा कि रूस की संप्रभुता और अखंडता को सुरक्षित रखने के लिए हथियारों के जखीरे को बढ़ाना जरूरी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वर्तमान में दुनिया में किसी भी देश के पास इस स्तर की तकनीक नहीं है। हालांकि उन्होंने माना कि अन्य देश भी इसे विकसित करने की कोशिश करेंगे, लेकिन फिलहाल यह रूस की ताकत का परिचायक है। पश्चिमी देशों की लंबी दूरी की मिसाइलों के हमलों के जवाब में रूस ने डेनिप्रो शहर पर अपनी नई हाइपरसोनिक मिसाइल का इस्तेमाल किया। इस हमले के बाद यूक्रेन ने दावा किया कि

रूस ने अंतरमहाद्वीपीय हाइपरसोनिक मिसाइल का प्रयोग किया है। हालांकि अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों ने इस दावे को खारिज कर दिया था। बाद में पुतिन ने स्वयं इस मिसाइल का प्रदर्शन और उसके परिणामों की पुष्टि की। पुतिन ने अपने सैन्य प्रमुखों के साथ बैठक में कहा कि रूस पर लगातार खतरा बना हुआ है, इसलिए हथियारों का उत्पादन 10 गुना बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि युद्ध की किसी भी परिस्थिति के लिए हमें तैयार रहना होगा। इस संदर्भ में रूस अपनी हाइपरसोनिक मिसाइलों का परीक्षण जारी रखेगा। पुतिन ने अपने संबोधन में पश्चिमी देशों पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी जमीन पर पश्चिमी हथियारों से हमले किए जा रहे हैं। ऐसे में रूस भी पश्चिमी देशों पर हमला करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। यूक्रेन-रूस संघर्ष के शुरुआती दौर में पश्चिमी देशों ने यूक्रेन को रूसी जमीन पर हमले की अनुमति नहीं दी थी। लेकिन हाल ही में अमेरिका और ब्रिटेन ने यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइलों के उपयोग की अनुमति देकर रूस को चेतावनी दी है।

राष्ट्रपति बनते ही पहले आदेश में एलजीबीटीक्यू समुदाय को झटका दे सकते हैं ट्रंप, सैन्यकर्मियों पर हो सकता है फैसला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश में रहने वाले एलजीबीटीक्यूएआई+ समुदाय की चिंताएं बढ़ा दी हैं। एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि ट्रंप एक ऐसा कार्यकारी आदेश लाने की तैयारी कर रहे हैं, जिससे अमेरिका की सेना में सेवा दे रहे सभी ट्रांसजेंडर्स को हटाया जा सकेगा। अधिकारियों के मुताबिक, अगर यह आदेश आता है तो सभी ट्रांसजेंडर्स को मेडिकली डिस्चार्ज कर दिया जाएगा यानी वे सेना में सेवा देने के लिए अनफिट करार हो जाएंगे।

द संडे टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, 78 वर्षीय ट्रंप ने अपने पिछले कार्यकाल के दौरान भी ऐसा ही आदेस जारी किया था। तब उनके आदेश के तहत सेना में ट्रांसजेंडर्स की भर्ती को रोक दिया गया था। हालांकि, पहले से ही सेवा दे रहे ट्रांसजेंडर्स को अपना काम जारी रखने की इजाजत थी। हालांकि, इस बार वह सेना में मौजूदा समय में सेवा दे रहे ट्रांसजेंडर्स को भी हटाने की तैयारी कर रहे हैं।

रिपोर्ट में यह भी दावा किया जा रहा है कि ट्रंप की तरफ से यह कार्यकारी आदेश, उनके 20 जनवरी 2025 को राष्ट्रपति पद संभालने के दिन ही आ सकता है। मौजूदा समय में अमेरिकी सेना में 15,000 ट्रांसजेंडर्स सेवा दे रहे हैं। बताया गया है कि ट्रंप के पिछले कार्यकाल के बाद जब जो बाइडन ने नियम पलटे थे, तब पाया गया था कि 2200 सैन्य कर्मियों को यह लगता है कि उन्हें पैदा होने के दौरान जो लिंग मिला था, वह उससे अलग लैंगिक पहचान रखते हैं।

एलजीबीटी समुदाय को लेकर क्या है ट्रंप का रवैया: डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से ट्रांसजेंडर समुदाय के सेना में शामिल किए जाने का विरोध करते रहे हैं। अपने पहले कार्यकाल के दौरान ट्रंप ने कहा था कि वह इस बारे में बच्चों के सामने नस्लीय सिद्धांत या किसी तरह के लैंगिक-राजनीतिक सामग्री को आगे बढ़ाने वाले स्कूलों की आर्थिक मदद रोक देंगे। इतना ही नहीं ट्रंप खेलों से भी ट्रांसजेंडर्स एथलीट्स को बाहर रखने पर मुखर रहे हैं।

अमेरिका के होने वाले उपराष्ट्रपति- रक्षा मंत्री की क्या सोच : रक्षा मंत्री पद के लिए डोनाल्ड ट्रंप की पसंद पीट हेगसेथ को भी ट्रांसजेंडर्स को लेकर कड़े रुख के लिए जाना जाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, हेगसेथ एक मौके पर तर्क दे चुके हैं कि अमेरिकी सेना में महिलाओं और ट्रांसजेंडर्स की भर्ती की वजह से अमेरिकी सुरक्षा का स्तर कमजोर हो रहा है। इसके अलावा अमेरिका के नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति जेडी वैंस भी ट्रांसजेंडर्स को लेकर ऐसा ही रुख रखते हैं। इस महीने की शुरुआत में उन्होंने कहा था कि कुछ श्वेत बच्चों को ट्रांस बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, ताकि वह अच्छे कॉलेज में एडमिशन पा सकें।

इस्लामाबाद में लॉकडाउन जैसे हालात; इमरान खान के हजारों समर्थक भी कर लिए अरेस्ट

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई को लेकर इस्लामाबाद में हालात बिगड़ते जा रहे हैं। रिहाई की मांग को लेकर होने वाले प्रदर्शन से पहले राजधानी में पाकिस्तानी पुलिस ने इमरान खान के हजारों समर्थकों को गिरफ्तार कर लिया है। गौरतलब है कि इमरान खान एक साल से ज्यादा समय से जेल में हैं और उनके खिलाफ 150 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। हालांकि उनके समर्थक और उनकी राजनीतिक पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ का कहना है कि ये सभी मामले राजनीति से प्रेरित हैं। पूर्वी पंजाब प्रांत के एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया है कि पुलिस ने 4,000 से अधिक इमरान खान के समर्थकों को गिरफ्तार किया है। इनमें पांच सांसद भी शामिल हैं। पाकिस्तान ने शहर को पंजाब और उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में पीटीआई के गढ़ों से जोड़ने वाली प्रमुख सड़कों और हाइवे को बंद कर दिया है। वहीं पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा की सीमा पर पुलिस ने पीटीआई के लोगों पर आंसू गैस के गोले भी हैं। इससे पहले रविवार को पाकिस्तान ने सुरक्षा संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए कुछ क्षेत्रों में मोबाइल और इंटरनेट सेवाओं को निलंबित कर दिया था। इस बीच अमेरिकी दूतावास ने राजधानी में अमेरिकियों के लिए एक सुरक्षा चेतावनी जारी की है। गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने कहा कि अधिकारियों ने इस्लामाबाद के रेड जोन को सील कर दिया है। इनमें प्रमुख सरकारी इमारतें और खान के समर्थकों का ठिकाने शामिल हैं। नकवी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, वहां पहुंचने वाले किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तार कर

लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आम लोगों और संपत्ति की सुरक्षा के लिए सुरक्षा उपाय किए गए हैं। उन्होंने लोगों और व्यवसायों को होने वाली इस असुविधा पहुंचाने के लिए पीटीआई को दोषी ठहराया है। वहीं पीटीआई के प्रवक्ता शेख वकास अकरम ने कहा है कि इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंदापुर के साथ इस्लामाबाद पहुंचने की कोशिश कर रही हैं। अकरम ने कहा, वह पार्टी कार्यकर्ताओं को उनके हाल पर नहीं छोड़ सकती। इस बीच, पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने इस्लामाबाद की सुरक्षा करने की कसम खाई है. गृह मंत्री ने डी-चौक का दौरा किया, जहां खान की पार्टी पीटीआई ने धरना देने का एलान किया है. डी-चौक प्रेसीडेंसी, प्रधानमंत्री कार्यालय, संसद और सुप्रीम कोर्ट जैसी कई महत्वपूर्ण सरकारी इमारतों के करीब स्थित है. क्षेत्र की निगरानी के लिए पुलिस और फ्रंटियर कांस्टेबुलरी के साथ रेंजर्स को तैनात किया गया है. मीडिया से बात करते हुए नकवी ने कहा कि मार्च को देखते हुए सरकार ने सख्त सुरक्षा उपाय किए हैं. उन्होंने कहा, एक विकल्प यह है कि हम उन्हें (प्रदर्शनकारियों को) आने दें और इस्लामाबाद को पंगु बना दें।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक: सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बढ़ते अपराध को रोकने के लिए पुलिस का कॉम्बिंग ऑपरेशन

सूरत के लिम्बायत क्षेत्र में 100 से अधिक पुलिसकर्मियों द्वारा चेकिंग,दो घंटे में 7 केस, 112 वाहनों की जांच

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के लिम्बायत क्षेत्र में बढ़ते अपराधों को रोकने के लिए पुलिस ने एक बड़े कॉम्बिंग ऑपरेशन की शुरुआत की। इस ऑपरेशन में 100 से अधिक पुलिसकर्मियों ने भाग लिया और दो घंटे के भीतर 7 अपराधों की रिपोर्ट दर्ज की। साथ ही 112 वाहनों की जांच भी की गई। पुलिस ने इलाके के संवेदनशील हिस्सों में गश्त की और संदिग्ध व्यक्तियों तथा वाहनों की सख्त जांच की।

इस ऑपरेशन का मुख्य उद्देश्य अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करना और स्थानीय लोगों में सुरक्षा का अहसास दिलाना था। पुलिस का कहना है कि इस तरह के ऑपरेशन नियमित रूप से जारी रहेंगे ताकि अपराधों की रोकथाम की जा सके और सार्वजनिक सुरक्षा को सुनिश्चित किया जा सके।

सूरत शहर में अपराध गतिविधियों पर नियंत्रण पाने के लिए पुलिस एक्शन मोड में आ गई है। भेसतान के बाद अब सूरत के लिम्बायत ग्रे क्षेत्र में रात के समय विशेष कॉम्बिंग ऑपरेशन चलाया गया। पीएसआई के नेतृत्व में अलग-अलग टीमों का गठन किया गया था। इन टीमों ने शारीरिक हिंसा और अन्य अपराधों में संलिप्त आरोपियों के घरों पर सीधे कार्रवाई की। प्रत्येक आरोपी के बारे में यह जांच की गई कि वह वर्तमान में क्या कर रहा है और क्या वह घर पर मौजूद है या नहीं। इस ऑपरेशन में 100 से अधिक पुलिसकर्मी शामिल हुए थे। दो घंटे में 7 मामले दर्ज किए गए और 112 वाहनों की जांच की गई। पुलिस का उद्देश्य क्षेत्र में अपराधों पर अंकुश लगाना और सुरक्षा की स्थिति को सुधारना था।

भेसतान क्षेत्र के बाद लिम्बायत पुलिस स्टेशन ने कानून और शांति बनाए रखने के लिए रात 8:00 से 10:00 बजे तक विशेष कॉम्बिंग ऑपरेशन चलाया। इस ऑपरेशन का मुख्य उद्देश्य असामाजिक तत्वों को काबू में करना और क्षेत्र के शांतिपूर्ण माहौल को बनाए रखना था। कॉम्बिंग ऑपरेशन के दौरान लिम्बायत पुलिस ने विभिन्न प्रकार की कार्रवाई की, जिसमें कानून का उल्लंघन करने वाले और संदेहास्पद व्यक्तियों पर कड़ी जांच की गई।

ऑपरेशन के दौरान हुई मुख्य कार्रवाई-

- जी.पी. एक्ट की धारा 135(1) के तहत 10 मामले दर्ज किए गए।
- प्रोहिबिशन एक्ट की धारा 66(1)बी के तहत 3 मामले दर्ज किए गए।
- सीआरपीसी की धारा 126 और 170 के तहत 2 मामले दर्ज किए गए।
- सीआरपीसी की धारा 129 के तहत 1 मामला दर्ज किया गया।
- जी.पी. एक्ट की धारा 142 के तहत 1 मामला दर्ज किया गया।
- शरीर संबंधित अपराध में पकड़े गए आरोपियों की जांच में 60 लोगों की जांच की गई।
- वाहन चेकिंग में 112 वाहनों का निरीक्षण किया गया।

डीसीपी भगीरथसिंह गढ़वी ने बताया कि शारीरिक हिंसा और संदिग्ध गतिविधियों में शामिल लोगों में कानून का डर और चेतना बनाए रखने के लिए इस प्रकार के कॉम्बिंग ऑपरेशन किए गए थे। इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। इस कार्रवाई के साथ ही लिंबायत पुलिस शांति बनाए रखने और लोगों को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के प्रयास कर रही है।

आदेशों को घोलकर पीने वाले निरंकुश 24 पीआई के खिलाफ जांच सौंपी गई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अहमदाबाद में आदेशों को घोलकर पीने वाले निरंकुश 24 पीआई के खिलाफ जांच सौंपी गई है, और संबंधित सचिव को पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखना पड़ा है।

''लोगों से मिलते नहीं हैं, मिलें तो शिकायत नहीं लेते, और शिकायत लें तो कार्रवाई नहीं करते। गृह मंत्री के व्यक्तिगत सचिव को पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखना पड़ा।''

''पुलिस कमिश्नर ने एक सूची बनाई और जांच डीसीपी को सौंप दी।''

शहर के पुलिस इंस्पेक्टर और डीसीपी इतने बेकाबू हो गए हैं कि वे उच्च अधिकारियों के आदेशों की तो अवहेलना करते ही हैं, बल्कि गृह मंत्री कार्यालय के निर्देशों को भी नजरअंदाज कर रहे हैं। इस कारण से गृह मंत्री कार्यालय ने पुलिस कमिश्नर को पत्र के माध्यम से सूचित किया कि आपके पीआई और डीसीपी शिकायतकर्ताओं से न तो मिलते हैं और न ही उनकी सुनवाई करते हैं, जिसके कारण उन्हें गांधीनगर तक अपनी शिकायत लेकर आना पड़ता है। तात्कालिक रूप से उचित कार्रवाई करें। शहर में कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ चुकी है, और इसके लिए पुलिस जिम्मेदार मानी जा रही है, जैसा कि उच्च अधिकारियों द्वारा माना जा रहा है। पिछले कुछ समय से अहमदाबाद के पीआई शिकायतकर्ताओं या अर्जेदारों से मिलते ही नहीं हैं। शायद मिलें तो शिकायत नहीं लेते, और अगर शिकायत ले भी ली जाए तो उस पर कार्रवाई नहीं करते, जिससे ऐसे शिकायतकर्ता डीसीपी के पास जाते हैं, फिर भी उन्हें न्याय नहीं मिलता। इसके बाद वे पुलिस कमिश्नर कार्यालय जाते हैं। कमिश्नर कार्यालय से संबंधित पीआई को उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया जाता है, लेकिन फिर भी शिकायतकर्ताओं को न्याय नहीं मिलता।

हाल में ऐसी स्थिति सुरत शहर के पुलिस स्टेशन में भी है, जहां कानून का खुला उल्लंघन हो रहा है।

इसलिए शिकायतकर्ता पुलिस कमिश्नर कार्यालय जाते हैं। कमिश्नर कार्यालय से संबंधित पीआई को उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया जाता है, लेकिन फिर भी शिकायतकर्ताओं को न्याय नहीं मिलता। इसके कारण, शिकायतकर्ता थककर गृह मंत्री के व्यक्तिगत सचिव से मिलकर अपनी शिकायत करते हैं। गृह मंत्री के व्यक्तिगत सचिव ने बताया कि पिछले तीन महीनों में शहर के दो दर्जन से ज्यादा पीआई और उनके डीसीपी को शिकायतें लेने का निर्देश दिया गया था, फिर भी पीआई या डीसीपी द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसलिए उन्होंने पुलिस कमिश्नर को एक परिपत्र भेजा था। इस परिपत्र में अहमदाबाद के तीन डीसीपी और 12 से 15 पुलिस थानों के नाम भी लिखे गए हैं, जिनके पास शिकायतें लेने का निर्देश होने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसके कारण पुलिस कमिश्नर ने इन सभी पीआई के खिलाफ जांच सौंपने का आदेश दिया है।

पुलिस कमिश्नर ने एक सूची तैयार की और डीसीपी को जांच सौंप दी।

शहर के विभिन्न पुलिस थानों में ड्यूटी पर तैनात पीआईओ ने किस मामले में लापरवाही दिखाई, किस मामले में कितने पैसे लिए, किस मामले में पैसे लेकर आरोपियों की मदद की, और किस मामले में पैसे लेकर निर्दोष व्यक्ति को आरोपी बना दिया, इन सभी बिंदुओं पर दो दर्जन से ज्यादा पीआई की सूची पुलिस कमिश्नर ने तैयार की और इन पीआई के खिलाफ जांच डीसीपी को सौंप दी। यह जांच अभी जारी है, जिसके हिस्से के रूप में एलिसब्रिज पीआई बी. डी. झीलेरिया को निलंबित कर दिया गया है।

सूरत में फिर से सार्वजनिक रूप से जन्मदिन की धूमधाम, तलवार से केक काटकर कानून की धज्जियाँ उड़ाईं

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में पुलिस कमिश्नर के आदेश के बावजूद, एक और विवादास्पद घटना सामने आई है, जहां सार्वजनिक रूप से जन्मदिन की उत्सव मनाया गया और तलवार से केक काटा गया, जिससे कानून का उल्लंघन किया गया। यह वीडियो कथित तौर पर पांडेसेरा के उमियानगर का बताया जा रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि युवाओं ने पुलिस का कोई डर नहीं दिखाया और बिना किसी रोक-टोक के सार्वजनिक रूप से तलवार से केक काटकर जन्मदिन मनाया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इसके बाद से लोगों ने सोशल मीडिया पर पुलिस से इस मुद्दे पर कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई है।

बार एसोसिएशन के चुनाव में उम्मीदवार की योग्यता और अनुभव के वर्ष को लेकर पारित किए गए प्रस्ताव कोचुनौती दी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सामान्य सभा में पास किए गए इस प्रस्ताव की प्रति अब तक नहीं मिलने के कारण चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवारों ने बार काउंसिल को लिखित रूप में अपनी आपत्ति दर्ज कराई है।

सूरत जिले के वकील मंडल की हालिया सामान्य सभा में, चुनाव आयोग की नियुक्ति के बाद उम्मीदवारों की योग्यताएं और अनुभव के वर्षों से संबंधित प्रस्ताव के खिलाफ विरोध जताया गया है। चुनाव लड़ने के इच्छुक वकीलों ने बार काउंसिल ऑफ गुजरात को लिखित शिकायत की है, जिसमें बताया गया कि आज तक बार एसोसिएशन की सामान्य सभा के प्रस्ताव की प्रमाणित प्रति नहीं मिली है।

सूरत जिले के वकील मंडल के आगामी साल के पदाधिकारियों, कार्यकारी सदस्यों और पहली बार महिला प्रतिनिधि के लिए अनिवार्य चुनाव 20 दिसंबर को आयोजित किए जाएंगे। हालांकि, सूरत जिला वकील मंडल की काउंसिल बैठक में ही बार काउंसिल ने चुनाव कार्यक्रम घोषित करने से पहले चुनाव आयुक्त के रूप में वकील कमलनयन असारवाला की नियुक्ति पर मंजूरी की मुहर लगा दी थी। इसके बाद, 12 नवंबर को सूरत जिला वकील मंडल के अध्यक्ष उदय पटेल और उपाध्यक्ष अभिषेक शाह की उपस्थिति में वकीलों की सामान्य सभा आयोजित की गई, जिसमें चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की घोषणा की गई थी। इस बैठक में वकीलों की सामान्य सभा में मुख्यत: फैमिली कोर्ट के नव नियुक्त महिला वकील एक्टिव कमेटी की गठन और वर्तमान बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों के अच्छे काम को सराहा गया था, साथ ही उनकी कार्यकाल को एक साल बढ़ाने का प्रस्ताव था। हालांकि, वर्तमान पदाधिकारियों के कार्यकाल को बढ़ाने के प्रस्ताव पर बार काउंसिल के सूरत के पदाधिकारियों ने आपत्ति जताई और इसे गैरकानूनी माना, जिसके बाद इस प्रस्ताव को वापस ले लिया गया।

इसके बाद, वकील गगजीभाई भरवाड़ा ने आगामी साल के पदाधिकारियों की चुनाव के लिए योग्यता और अनुभव के वर्षों को ध्यान में रखने का प्रस्ताव रखा, जिसे सामान्य सभा में मंजूरी दी गई। इसके कारण, अध्यक्ष पद के उम्मीदवार वकील मयूर पटेल और अन्य असंतुष्ट कार्यकारी सदस्योंने इस पर विरोध जताया। उनका कहना था कि संविधान के तहत हर नागरिक को 18 साल की उम्र में मतदान का अधिकार और चुनाव लड़ने का अधिकार होता है, तो बार एसोसिएशन के चुनाव में ऐसा क्यों? कोई भी वकील सनद प्राप्त करने के बाद कभी भी चुनाव लड़ने का हकदार होता है, और उनके अधिकारों पर नियम लागू नहीं किए जा सकते।

साथ ही, वकीलों की सामान्य सभा के प्रस्ताव की प्रमाणित कॉपी की मांग करने के बावजूद अब तक वह नहीं मिली है, इस मुद्दे पर वकील चेतन प्रजापति ने बार काउंसिल में शिकायत की है। इस मामले में बार काउंसिल क्या कदम उठाती है, यह देखना बाकी है।

इस चुनाव में पहली बार महिला वकील को प्रतिनिधित्व देने के लिए अनिवार्य चुनाव होगा, और एलएआर के पद के लिए महिलाओं में उत्साह देखा जा रहा है। संभावना है कि सोनल ग्लासवाला और संगीता खुंटे जैसी महिला वकील सोशल मीडिया पर प्रचार कर चुकी हैं और शायद और भी महिला वकील इस पद के लिए दावेदारी कर सकती हैं।

ट्रेन का सीरियल किलर रिमांड पर

वलसाड में बी.कॉम छात्रा से दुष्कर्म और हत्या के मामले में आरोपी को 10 दिन की रिमांड मंजूर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वलसाड में बी.कॉम की एक छात्रा के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपी को कोर्ट ने 10 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। आरोपी को ''ट्रेन का सीरियल किलर'' बताया जा रहा है, क्योंकि उस पर कई अन्य मामलों में भी अपराध करने का संदेह है।

मामले के मुख्य बिंदु:

1.घटना का विवरण: आरोपी ने कथित तौर पर वलसाड रेलवे स्टेशन के पास छात्रा को निशाना बनाया।

*दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या कर दी गई।

2. जांच का फोकस: पुलिस आरोपी से अन्य मामलों में उसकी संलिप्तता की जानकारी लेने के लिए गहन पूछताछ कर रही है।

*सीरियल किलिंग और अन्य ट्रेन यात्रियों को निशाना बनाने के मामलों में भी उसकी भूमिका की जांच की जा रही है।

3. कोर्ट का फैसला:

*पुलिस ने अदालत से आरोपी की रिमांड की मांग की थी ताकि अपराध की गहराई से जांच हो सके।

*अदालत ने 10 दिन की रिमांड मंजूर की है।

पुलिस का कहना है कि आरोपी से पूछताछ के बाद अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां और घटनाओं का खुलासा हो सकता है।

वलसाड जिले के पारडी तालुका के मोटीवाला क्षेत्र में रहने वाली बी.कॉम द्वितीय वर्ष की छात्रा के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में आरोपी गिरफ्तार वलसाड पुलिस ने 14 नवंबर को बी.कॉम की छात्रा के अपहरण, दुष्कर्म और हत्या के मामले में आरोपी को 11 दिनों की गहन जांच के बाद गिरफ्तार कर लिया।

मामले का विवरण: छात्रा का अपहरण कर उसे पास के अंबावाड़ी क्षेत्र में ले जाया गया, जहां दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या कर दी गई।

*पुलिस ने वलसाड और वापी के सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी की पहचान की।

*संदिग्ध की पहचान बेतरतीब ढंग से की गई और मुखबिरों की मदद से आरोपी को पकड़ लिया गया।

पुलिस कार्रवाई: आरोपी को पकड़ने के बाद पारडी पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी की प्रक्रिया पूरी की। आरोपी का मेडिकल परीक्षण कराने के लिए उसे वलसाड सिविल अस्पताल भेजा गया। आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां पुलिस ने मामले में गहराई से जांच के लिए 10 दिन की रिमांड की मांग की।

आगे की जांच: पारडी पुलिस ने आरोपी की रिमांड मिलने के बाद मामले की आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी का अन्य मामलों में भी कोई हाथ है या नहीं।

वलसाड जिले के पारडी तालुका के मोटीवाला गांव में रहने वाली श्रमिक परिवार की बी.कॉम की स्वनिर्भर युवती की **हत्या का मामला** यह घटना 14 नवंबर की है, जब दिवाली की छुट्टियों के बाद युवती ट्यूशन क्लास गई थी, लेकिन उसके बाद वह घर वापस नहीं लौटी। जब परिवार के सदस्यों ने उसे फोन किया, तो फोन स्विच ऑफ था, जिससे परिवार के सदस्य चिंतित हो गए।

घटना का विवरण: परिवार के सदस्य युवती की तलाश में निकले और 14 नवंबर की देर रात मोटीवाला रेलवे फाटक के पास स्थित अंबावाड़ी में युवती का शव पाया।

शव को पास की अस्पताल में ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

पुलिस कार्रवाई: पारडी पुलिस ने घटना की सूचना मिलने पर शव का पैनल पोस्टमॉर्टम कराया और आगे की जांच शुरू की।

वलसाड एसपी करणराज वघेला के मार्गदर्शन में वलसाड LCB, SOG और जिले के सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की मदद से मामले की गहन जांच की जा रही है।

वापी रेलवे स्टेशन के पास प्राप्त सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने एक संदिग्ध व्यक्ति की पहचान की, जिसके पास घटना स्थल से मिले कपड़े थे।

आगे की जांच: पुलिस ने संदिग्ध व्यक्ति से पूछताछ शुरू की और मामले के सभी पहलुओं पर जांच जारी रखी है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या आरोपी का इस घटना से पूर्व कोई आपराधिक इतिहास था।

टी-शर्ट, ट्रैक, बैग और गमछा और युवक की सामान्य दिव्यांगता आरोपी की गिरफ्तारी में महत्वपूर्ण साबित हुए घटना स्थल के पास से मिले सामान जैसे टी-शर्ट, ट्रैक पैंट, गमछा और बैग ने आरोपी की पहचान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अलावा, 2 घंटे पहले वापी रेलवे स्टेशन पर सीसीटीवी फुटेज में युवक का दिखाई देना भी आरोपी की पहचान की पुष्टि करने में मददगार साबित हुआ।

पुलिस जांच का विवरण:

वलसाड पुलिस टीम ने वापी GRP की टीम की मदद से युवती के अपहरण, दुष्कर्म और हत्या के आरोपी राहुल जाट को गिरफ्तार किया।

आरोपी की पहचान सीसीटीवी फुटेज और घटना स्थल से मिले सामान के आधार पर की गई।

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि पिछले 25 दिनों में उसने 5 हत्याएं और दुष्कर्म की घटनाओं को अंजाम दिया था।

आगे की कार्रवाई: पुलिस अब आरोपी से अन्य मामलों की जानकारी प्राप्त करने के लिए गहन पूछताछ कर रही है, और उसकी अपराधों की श्रृंखला के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त करने का प्रयास कर रही है।